रजिस्ट्री सं० डी० (डी०)-73 REGISTERED No. D(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 17, 1978/ज्येष्ठ 27, 1900
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 17, 1978/JYAISTHA 27, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1978

का० आ० 1713.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 111 के अनुसरण मे, निर्वाचन आयोग, 1977 की निर्वाचन अर्जी सं० 3 में गौहाटी उच्च न्यायालय के तारीख 3 अप्रैल, 1978 का आदेश एतद्द्वारा प्रकाशित करता है ।

[सं० 82/असम/3/77]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 27th April, 1978

S.O. 1713.—In pursuance of section 111 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Order, dated the 3rd April, 1978 of the Gauhati High Court in Election Petition No. 3 of 1977.

IN THE GAUHATI HIGH COURT

(HIGH COURT OF ASSAM : NAGALAND : MEGHALAYA : MANIPUR & TRIPURA)

(Civil Original Jurisdiction)

Election Petition No. 3 of 1977

Biswa Goswami ..... **Petitioner.**

Versus

Ismail Hossain Khan ..... **Respondent.**

PRESENT :

The Hon'ble Mr. Justice N. I. Singh.

For the Petitioner —Mr. B. C. Barua, Mr. S. K. Sen, Mr. B. K. Das, Mr. P. G. Barua, Mr. P. K. Barua, Mr. B. Bujarbarua, Mr. B. Kalita, Mr. Kamalesh Sarma, Mr. A. B. Choudhary, Mr. D. Goswami, Advocates.

For the Respondent :—Mr. R. C. Choudhury, Mr. D. C. Goswami, Mr. N. N Saikia, Mr. B. Choudhury, Mr. L. Kataki, Advocates.

ORDER

Heard the learned counsel for both the parties. Notice of withdrawal of the Election petition in compliance with S. 110(3)(b) of the R. P. Act, 1951, has been published in the Assam Gazette on 15-3-1978 vide Assam Gazette Part IX Page 609, dated 15-3-1978 and also in the Assam Tribune. The application for withdrawal is granted. Nobody has presented any application for substitution in place of the petitioner till today, despite publication of the notice of withdrawal, as aforementioned. The petition, therefore, is dismissed on withdrawal. Report withdrawal of the Election Petition to the Election Commission in compliance with S 111 of the R.P. Act.

The petitioner is allowed to withdraw the security deposit after adjustment of the cost of publication and other costs, payable by the petitioner to the Respondent.

True Copy/Seal

Superintendent (Civil)

Gauhati High Court,

3-4-1978 :

Sd/-

N. Ibotombi Singh, Judge.

[No. 82/AS/3/77]

नई दिल्ली, 3 मई, 1978

का०आ० 1714.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से श्री डी० बालगोपालन के स्थान पर श्री सी० वी० नन्दीश्वर, सरकार के अतिरिक्त सचिव, विधि तथा संसदीय कार्य विभाग को तारीख 6 मई, 1978 से अगले आदेशों तक कर्नाटक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है ।

[सं० 154/कर्नाटक/78]

New Delhi, the 3rd May, 1978

S.O. 1714.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (4 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri C. B. Nandeeswar Additional Secretary to Government, Department of Law and Parliamentary Affairs as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from 6th May, 1978 and until further orders vide Shri D. Balagopalan.

[No. 154/Karnataka/78]

नई दिल्ली, 23 मई 1978

का० आ० 1715.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग कर्नाटक सरकार के परामर्श से श्री सी० वी० नन्दीश्वर के स्थान पर श्री आर० सम्पत कुमारन, आई० ए० एस० क्षेत्रीय प्रबंधक (पश्चिम), भारतीय खाद्य निगम को उनके कार्य भार सम्भालने की तारीख से अगले आदेशों तक कर्नाटक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है ।

[सं० 154/कर्नाटक/78]

आदेश से,

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1978

S.O. 1715.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka hereby nominates Shri R. Sampathkumaran, IAS, Zonal Manager (West), Food Corporation of India as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri C. B Nandeeswar.

[No. 154/Karnataka/78]

By Order,

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

आदेश

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का. आ. 1716.—कम्पनी विधि बोर्ड (खण्ड पीठ) नियम, 1975 के नियम 2(च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड ने श्रीमती पी. अन्नपूर्णा (केन्द्रीय कम्पनी विधि सेवा की ग्रेड 2 अधिकारी) को 24 मई, 1978 से श्री एम. ए. रशीद के रिटायर हो जाने पर, कथित नियमों के उद्देश्यों के लिए आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और संघ शासित क्षेत्र पाण्डिचेरी और लक्षद्वीपों को समाविष्ट करते हुए दक्षिण क्षेत्र के लिये खण्ड पीठ अधिकारी नियुक्त किया है ।

[सं. 4/78/फा. सं. 2/6/78-सी. एल. V]

ए. जी. सिरसी, सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

ORDER

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1716.—In exercise of the powers conferred by Rule 2(f) of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975, the Company Law Board has appointed Shrimati P. Annapurna, (a Grade II Officer of the Central Company Law Service) as Bench Officer for the Southern Region comprising of the States of Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu and Union Territories of Pondicherry and Laksadeep Islands for the purposes of the said Rules with effect from 24th May, 1978 vice Shri M. A. Rasheed retired.

[No. 4/78/File No. 2/6/78-CL.V]

A. G. SIRSI, Secy.

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 29 मई, 1978

का० आ० 1717.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ए० रघुनाथन, अधिवक्ता, मद्रास को विशेष न्यायाधीश (सेशन), मद्रास के न्यायालय में मैसर्स ज्योति इन्जीनियरिंग इन्टरप्राइजेज के प्रोपराइटर श्री एम० एच० डोलिया तथा अन्यों के विरुद्ध मामला आर० सी० 16/ई० ओ० डब्ल्यू/69-मद्रास में, अभियुक्त के अभियोजन का संचालन करने हेतु विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० 225/26/78-ए०वी०डी०-II]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 29th May, 1978

S.O. 1717.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri A. Raghunathan, Advocate, Madras, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the accused in case RC. 16/EOW/69-Madras against Shri M. H. Dolia, Prop. of M/s. Jothi Engineering Enterprises and others in the Court of Special Judge (Sessions), Madras.

[No. 225/26/78-AVD. II]

नई दिल्ली, 3 जून, 1978

का० आ० 1718.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद् द्वारा सर्वश्री राम जेठमलानी तथा एस० बी० जयसिंघानी अधिवक्ता, बम्बई को, श्रीमती इंदिरा गांधी तथा अन्यों के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 9/77-एफ० एस० (I) तथा उससे उत्पन्न अन्य मामलों का विचारण, अपीली तथा पुनरीक्षण न्यायालयों, कलकत्ता में अभियोजन का संचालन करने हेतु विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० 225/30/78-ए०वी०डी० II (ii)]

New Delhi, the 3rd June, 1978

S.O. 1718.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sarvashri Ram Jethamalani and S. B. Jaisinghani, Advocates, Bombay, as Special Public Prosecutors for conducting the prosecution and also any other matter arising out of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 9/77-FS(I) against Smt. Indira Gandhi and others in the trial, appellate and revisional courts at Calcutta.

[No. 225/30/78-AVD. II(ii)]

का० आ० 1719.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री एस० बी० जयसिंघानी, अधिवक्ता बम्बई को श्री आर० के० धवन तथा अन्यों के विरुद्ध, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 8/77-एफ०एस० (I) तथा उससे उत्पन्न अन्य मामलों का विचारण, अपीली तथा पुनरीक्षण न्यायालयों, दिल्ली/नई दिल्ली/कलकत्ता में अभियोजन का संचालन करने हेतु विशेष लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या 225/30/78-ए०वी०डी०-II(i)]

टी० के० सुब्रामणियम, अवर सचिव

S.O. 1719.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri S. B. Jaisinghani, Advocate, Bombay as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution and also any other matter arising out of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 8/77-FS(I) against Shri R. K. Dhawan and others in the trial, appellate and revisional courts in Delhi/New Delhi/Calcutta.

[No. 225/30/78-AVD. II(i)]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल, 1978

आयकर

का० आ० 1720.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राजस्व और बैंकिंग विभाग में भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 1315 (फा० सं० 404/104/76-आ०क०सं०क०) दिनांक 5-5-76 में निम्नलिखित संशोधन करती है,

अर्थात् :—उक्त अधि-सूचना में प्रयुक्त "सर्वश्री वाई० चक्रपाणि, चौ० राधाकृष्णैया और जे० शम्बाशिव राव को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, कर वसूली अधिकारियों की शक्तियां प्रदान करती है" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री वाई० चक्रपाणि, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये," शब्दों और अक्षरों को प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा ।

[सं० 2273 (फा० सं० 404/90/77-आ०क०सं०क०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th April, 1978

INCOME TAX

S.O. 1720.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Banking, No. 1315(F No. 404/104/76-ITCC), dated 5-5-1976, namely :—

In the said notification for the letters and words "S/Shri Y. Chakrapani, Ch. Radhakrishnaiah and J. Sambasiva Rao who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers' the words and letters "Shri Y. Chakrapani who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officers" shall be substituted.

[No. 2273 (F. No 404/90/77-ITCC)]

का०आ० 1721.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, और राजस्व विभाग में भारत सरकार की दिनांक 1-11-75 की अधिसूचना सं० 1144 (फा० सं० 404/131/75-आ०क०सं०क०) तथा दिनांक 23-7-1975 की अधिसूचना सं० 895 (फा०सं० 404/131/75-आ०क०सं०क०) और दिनांक 5-5-76 की अधिसूचना सं० 1315 (फा०सं० 404/104/76-आ०क०सं०क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा सर्वश्री एस० श्रीनिवासुलु, बी० वी० रामना राव और सी० वेणुगोपाल को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारियों की शक्ति का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत है ।

यह अधिसूचना उस तारीख से लागू होगी जिस तारीख से सर्वश्री श्री एस० श्रीनिवासुलु, बी०वी० रामना राव और सी० वेणुगोपाल, कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे ।

[सं० 2272 (फा०स० 404/90/77-आ०क०सं०क०)]

एच० वेंकटरामन्, उप सचिव

S.O. 1721.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue No. 1144 (F. No. 404/131/75-ITCC) dt. 1-11-75, 985 (F. No. 404/131/75-ITCC) dt. 23-7-1975 and No. 1315 (F. No. 404/104/76-ITCC) dt. 5-5-76 the Central Government hereby authorise Sharvshri S.

Srinivasulu, V. V. Ramana Rao and C. Venugopal being Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri S. Srinivasulu, V. V. Ramana Rao and C. Venugopal take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2272 (F. No. 404/90/77-ITCC)]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 जून, 1978

स्टाम्प

का०आ० 1722.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से छूट देती है जो महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड बम्बई द्वारा 1977-78 में जारी किये गये एक करोड़ 10 लाख रुपये मूल्य के डिबेंचरों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है ।

[सं० 11/78-स्टाम्प/फा० सं० 33/77/77-वि०क०]

ORDER

New Delhi, the 3rd June, 1978

STAMPS

S.O. 1722.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of one crore and ten lakhs of rupees issued during 1977-78 by the Maharashtra Housing Board, Bombay, are chargeable under the said Act.

[No. 11/78-Stamps/F. No. 33/77/77-ST]

(बिक्री कर अनुभाग)

आदेश

स्टाम्प

का०आ० 1723.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस शुल्क को माफ करती है जो हरियाणा वित्तीय निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किये जाने वाले 55 लाख रुपये मूल्य के बन्ध-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं ।

[सं० 12/78-स्टाम्प-फा०सं० 33/23/78-वि०क०]

एस० डी० रामास्वामी, अवर सचिव

(Sales Tax Section)

ORDER

STAMPS

S.O. 1723.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty five lakhs of rupees, to be issued by the Haryana Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No 12/78-Stamps/F. No. 33/23/78-ST]

S D. RAMASWAMY, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1978

का०आ० 1724.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उप-धारा (2) के अनुरूप में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक मंडल की सिफारिश पर एतद्द्वारा उन बांडों पर देय ब्याज की दर 6¼ प्रतिशत (छह का छः प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है जो उक्त निगम द्वारा 5 जून, 1978 को जारी किये जायेंगे और 5 जून, 1988 को परिपक्व होंगे ।

[सं०एफ० 2(39) आई० एफ०-1/78]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 27th May, 1978

S.O. 1724.—In pursuance of sub-section (2) of section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 6¼ per cent (Six and a quarter per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on the 5th June, 1978 and maturing on the 5th June, 1988.

[No. F. 2(39) IF.1/78]

आदेश

का०आ० 1725.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उप-धारा (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारतीय वित्त निगम द्वारा 5 जून, 1978 को जारी किये गये तथा 5 जून, 1988 को परिपक्व होने वाले बांडों के मामले में मूलधन तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा नियत 6¼ (छह का छः प्रतिशत) वार्षिक की दर से ब्याज की अदायगी करने की गारंटी करती है ।

[सं०एफ० 2(39) आई०एफ०-1/78]

वी० के० शुंगलु, निदेशक

ORDER

S.O. 1725.—In pursuance of sub-section (2) of section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government hereby guarantees the repaymnt of the principal and payment of interest at the rate of 6¼ per cent (Six and a quarter per cent) per annum as fixed by Central Government in respect of the bonds to be issued by the Industrial Finance Corporation of India on the 5th June, 1978 and maturing on the 5th June, 1988.

[No F. 2(39)/IF. 1/78]

V. K. SHUNGLU, Director

नई दिल्ली, 29 मई, 1978

का०आ० 1726.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 तथा बैंककारी विनियमन अधिनियम (सहकारी समितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के उपबन्ध तेजपुर सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, तेजपुर पर वहां तक लागू नहीं होंगे जहां तक कि उनका सम्बन्ध 1976-77 से

समाप्त वर्ष के, इस बैंक के तुलन पत्र और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ लाभ और हानि लेखे के किसी समाचार पत्र में प्रकाशन से है।

[सं० एफ०-8/2/78-ए०सी०]

New Delhi, the 29th May, 1978

S.O. 1726.—In exercise of the powers conferred by the section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that, the provisions of section 31 of the said Act and Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Tezpur Central Cooperative Bank Ltd., Tezpur in so far as they relate to the publication of its balance sheet, profit and loss account for the year ended the 1976-77 together with the auditor's report in a newspaper.

[No. F. 8-2/78-AC]

का०आ० 1727.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध (1) गोलपाड़ा डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (2) कामरूप डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (3) तेजपुर सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (4) नवगाव सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (5) शिवसागर डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (6) डिब्रूगढ़ सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि०, (7) कछार सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लि० पर 1 मार्च, 1978 से 28 फरवरी, 1979 तक की अवधि के लिये लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ०-8/1/78-ए०सी०]

एम०पी० वर्मा, अवर सचिव

S.O. 1727.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the (1) Golpara District Central Cooperative Bank Ltd., (2) Kamrup District Central Cooperative Bank Ltd., (3) Tezpur Central Cooperative Bank Ltd., (4) Nowgaong Central Cooperative Bank Ltd., (5) Sibsagar District Central Cooperative Bank Ltd., (6) Dibrugarh Central Cooperative Bank Ltd., (7) Cachar Central Cooperative Bank Ltd. for the period from 1 March 1978 to 28 February, 1979.

[No. F. 8-1/78-AC]
M. P. VARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का०आ० 1728.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध, यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया पर, जहां तक पीपुल्स इंजीनियरिंग एंड मोटर्स वर्क्स लि० के शेयरों के बन्धक रखने का सम्बन्ध है, इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 15(38)/बी०ओ०-III/77]

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1728.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declare that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to the United Bank of India for one year from the date of notification in respect of the shares of the Peoples' Engineering & Motors Works Ltd., held as pledgee.

[No. 15(38)-B.O. III/77]

का०आ० 1729.—बैंककारी विनियमन, अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध 15 मार्च, 1979 तक बड़ी दोआब बैंक लिमिटेड, होशियारपुर (पंजाब) पर उसके द्वारा पंजाब में होशियारपुर जिले के प्रेमगढ़ और फीरोजपुर जिले के कोतवाल ग्राम में धारित भूमि सम्पत्तियों के बारे में लागू नहीं होंगे।

[सं० 15(4)-बी०ओ०-III/78]
मे०भा० उसगांवकर, अवर सचिव

S.O. 1729.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply till the 15th March 1979 to the Bari Doab Bank Ltd., Hoshiarpur (Punjab in respect of the landed properties held by it at Premgarh, Hoshiarpur District and at Village Kotwal, Ferozepur District, Punjab.

[No. 15(4)-B.O. III/78]
M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

(विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग)

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, 18 अप्रैल, 1978

का०आ० 1730.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 13 की उपधारा (2) के अनुसरण में रिजर्व बैंक एतद्द्वारा यह निदेश देता है कि दिनांक 1 जनवरी 1974 की अधिसूचना सं० एफ०ई०आर०ए० II/74-आरबी० में निम्न प्रकार संशोधन किये जायें, अर्थात् :—

उपर्युक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 की मद (ख) के पहले स्तम्भ में—

(1) शब्द "हंगरी" तथा "और उत्तर कोरिया" निकाल दिये जायें,

(2) शब्द "रूमानिया" और "सोवियत समाजवादी जनतन्त्र संघ" के बीच में प्रयुक्त अल्पविराम चिह्न निकाल दिया जाये और उसके स्थान पर शब्द "और" जोड़ दिया जाये।

[सं० एफ०ई०आर०ए०-49/78-आरबी०]
पी० आर० नागिया, उप गवर्नर

RESERVE BANK OF INDIA

(Exchange Control Department)

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 18th April, 1978

S.O. 1730.—In pursuance of sub-section (2) of Section 13 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) the Reserve Bank hereby directs that the notification No. FERA 11/74-RB dated the 1st January 1974 shall be amended as follows, namely :—

In Schedule, I, in item (b) of first column of the said notification

(1) the words "Hungary" and "and North Korea" shall be omitted.

(ii) the punctuation mark comma appearing in between the words "Rumania" and "U.S.S.R." shall be omitted and in that place the word "and" shall be inserted.

[No. F. E. R. A. 49/78-RB.]
P. R. NANGIA, Dy. Governor

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1978

का०आ० 1731—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई बोर्ड की अधिसूचना सं० का०आ० 2737 तारीख 31 मई, 1977 (सं० 1792 (फा०सं० 187/1/77 आ०क० (ए०-1) में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा।

यह अधिसूचना 1-6-1977 से प्रभावी होगी।

[सं० 2260/फा०सं० 187/1/77-आ०क० (ए-1)]
एम० शास्त्री, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th April, 1978

S.O. 1731.—In the Board's Notification No. S.O. 2737 dated the 31st May, 1977 (No. 1792 [F. No .187/1/77-II(AI)] issued under sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the following shall be added.

"This notification shall take effect from 1-6-1977."

[No. 2260 (F. No. 187/1/77-IT(AI)]
M. SHASTRI, Under Secy.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात तथा निर्यात का कार्यालय)

आदेश

मद्रास, 26 अप्रैल, 1978

का०आ० 1732—अप्रैल-मार्च 1977 की अवधि के लिये, सर्वश्री एम० ए० कैजर हुसेइन एण्ड सन्स, 91, मद्रास बाबे रोड, रानीपेट्, नार्थ आर्काट, डिस्ट्रिक्ट, को रुपये 11,23,149 तक, कच्चा माल, संघटक, उपभोग्य सामग्री और बन्धन के लिये प्रयुक्त पदार्थों का आयात करने के लिये लाइसेंस संख्या पि०एल०-2765250-सी०एक्स०एक्स० 64-एम०-76डी०-1-4 दिनांक 1-8-1977 की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति जारी किया गया था। लाइसेंसधारी ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति, दूसरी प्रति जारी करने के लिये इसलिये प्रार्थना की है कि वही प्रति, चुंगीघर, मद्रास में पंजीकृत हो जाने के बाद, खो गया है। आवेदक ने अपने विवाद के समर्थन में एक शपथपत्र भी पेश किया है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस संख्या पि०-एल०-2765250-सी०एक्स०-एक्स-64-एम०76-डी०-1-4 दिनांक 1-8-77 की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ की मूल प्रति खो गयी है और मैं आज्ञा देता हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की दूसरी प्रति आवेदक को जारी किया जाये। लाइसेंस संख्या पि०-एल०-2765250-सी०-एक्स०-एक्स०-64-एम०-76 डी०-1-4 दिनांक की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ की मूल प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[फाइल सं०एल०आर०-139-एल०आई०सी०-जे०एम०-77-ई०पी०सी०-एल०
एम० नरसिंहन, उप मुख्य नियन्त्रक

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

Madras, the 26th April, 1978

S.O.1732.—M/s. M. A. Khizar Hussain and Sons, 91 Madras Bombay Trunk Road, Ranipet, North Arcot District was issued with Customs Purpose copy of licence No P/L/2765250/C/XX/64/M/76|D. 1.4 dated 1-8-1977 for import of Raw Materials components consumable stores and packing materials for Rs. 11,23,149 for the period AM. 77. The licence has since applied for a duplicate copy of the above Custom Purpose copy of licence since the same has been lost after having been registered with Custom House, Madras. In support of the contention, the applicant has filed an affidavit.

I am satisfied that the original Customs Purpose copy of the licence No. P/L/2765250/C/XX/64|M|76|D. 1.4; dated 1-8-1977 has been lost and direct that a duplicate custom copy of licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of licence No. P/L/2765250/C|XX|64|M|77|D.1.4 dated 1-8-1977 is hereby cancelled.

[File No LR/139/Lic/JM. 77/EPC.L]
S. NARASIMHAN, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1978

आदेश

का०आ० 1723—अक्तूबर,-दिसम्बर, 1976 की अवधि के लिये, रुपये 1,46,275 तक, कच्चा माल, संघटक, उपभोग्य सामग्री और बन्धन के लिये प्रयुक्त पदार्थों का आयात करने के लिये, सर्वश्री के०एच० लेदर इंडस्ट्रीज, 36, ह्यण्टर्स रोड, वेप्पेरी, मद्रास-7 को लाइसेंस संख्या पि०-के०-2765231-सी०एक्स-एक्स-64-एम०-76-डी०-2-2 दिनांक 29-7-1977 जारी किया गया था। लाइसेंसदारी ने, उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की दूसरी प्रति जारी करने के लिये इसलिये प्रार्थना की है कि वही प्रति, चुंगीघर, मद्रास में पंजीकृत हो जाने के बाद, खो गयी है। आवेदक ने अपने विवाद के समर्थन में एक शपथपत्र भी पेश किया है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि लाइसेंस संख्या पि०-के०-2765231-सी०-एक्स-एक्स० 65-एम -76-डी०-2.2 दिनांक 29-7-1977 की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ की मूल प्रति खो गयी है और मैं आज्ञा देता हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की दूसरी प्रति जारी किया जाये। लाइसेंस संख्या पि०-के०-2765231-सी०-एक्स०एक्स०-64-एम०-76-डी० 2.2 दिनांक 29-7-1977 की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ की मूल प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[स० एल०आर०-23-एल०आई०सी०-ओ०डी०-76-ई०
पि०सी०-1]
ऐ०ए० रशीद, उप मुख्य नियन्त्रक

ORDER

New Delhi, the 26th April, 1978

S.O. 1733.—Messrs K. H. Leather Industries, 36, Hunters Road, Vepory, Madras-7 was issued with Customs Purpose copy of the Licence No. P/K/2765231/C/XX|64|M|76|D.2 2 dated 29-7-1977 for import of Raw Materials, Components, Consumable Stores and Packing Materials for Rs. 1,46,275 for the period October-December, 1976. The licensee has since applied for a duplicate copy of the above Customs Purpose copy of the licence since the same has been lost after having been registered with the Custom House, Madras. In support of their contention, the applicant has filed an Affidavit.

I am satisfied that the original Customs Purpose copy of the licence No. P|K|2765231|C|XX|64/M/76|D. 2.2 dated 29-7-1977 has been lost and direct that a duplicate Customs copy of licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of the licence No. P/K/2765231/C/XX|64|M|76|D. 2.2 dated 29-7-1977 is hereby cancelled.

[No. LR/23 Lic./OD. 76/EPC-I]
I. A. RASHID, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 16 मई, 1978

का०आ० 1734.—केन्द्रीय सरकार, बहुएकक सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1942 (1942 का 6) की धारा 5-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 775 तारीख 30 जनवरी, 1976 से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में क्र०सं० 1 को मद (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित क्रम संख्या के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

अधिकारी	बहुएकक सहकारी सोसाइटी
(2)	(3)
"(2) मुख्यालय में संयुक्त रजिट्रार, सहकारी सोसाइटी, (प्रशासन), कार्यालय रजिस्ट्रार सहकारी सोसाइटी आंध्र प्रदेश, हैदराबाद	सभी बहुएकक सहकारी सोसाइटियां जो आंध्र प्रदेश राज्य में वास्तव में रजिस्ट्रीकृत हैं या रजिस्ट्रीकृत समझी जाती हैं ।

[संख्या एल०-11011/2/70-एल०एम०]

के० एम० बाजवा, अवर सचिव

New Delhi, the 16th May, 1978

S.O. 1734.—In exercise of the powers conferred by section 5B of the Multi-unit Cooperative Soceties Act, 1942 (6 of 1942) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Cooperation) No. S.O. 775, dated the 30th January, 1976, namely :—

In the Table-appended to the said notification, serial No. 1 shall be re-numbered as item (i) and after serial No. so re-numbered, the following shall be inserted, namely :—

Officers	Multi-unit Cooperative Societies
(2)	(3)
"(ii) Joint Registrar of Cooperative Societies, (Administration) at Headquarters. Office of the Registrar of Cooperative Societies, Andhra Pradesh, Hyderabad.	All Multi-unit Cooperative Societies which actually are or are deemed to be registered in the State of Andhra Pradesh.

[No. L-11011/2/70-L&M]

K. S. Bajwa, Under Secy.

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 23 मई, 1978

का०आ० 1735.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम, 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने एक मानक चिह्न निर्धारित किया है जिसकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तथा भारतीय मानक के शीर्षक सहित अनुसूची में दिए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1978-02-01 से लागू होगा।

अनुसूची

क्र० सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और इकाई	मानक की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1.	IS : 3745	चिकित्सा गैस सिलेण्डरों के जुआं टाइप के वाल्व कनेक्शन	IS: 3745-1966 चिकित्सा गैस सिलेण्डरों के जुआं टाइप के वाल्व कनेक्शन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।

[सं० सी एम डी/13 : 9]

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 23rd May, 1978

S.O. 1735.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark design of which together with the verbal description of the design and the titles of the relevant Indian Standard is given in the Schedule here to annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1978-02-01 .

SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	IS 3745 ISI	Yoke type valve connections for medical gas cylinders	IS 3745-1966 Specification for yoke type valve connections for medical gas cylinders	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col (2) ; the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design

[No CMD/13 9]

नई दिल्ली, 30 मई 1978

का०आ० 1736.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची मे विवरण सहित दिए गए 123 लाइसेंसो का नवीकरण माह जुलाई 1975 में किया गया।

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	वैधता की अवधि से	वैधता की अवधि तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी पद नाम
1	2	3	4	5	6
1	सी एम/एल-24 19-12-1958	1-7-75	31-12-75	लाइट मेटल वर्क्स, न्यू सनमिल कम्पाउंड, डेलिजले रोड, बम्बई-13	पिटवा एलुमिनियम तथा एलुमिनियम के बर्तन-- IS 21-1959
2	सी एम/एल-27 20-5-1958	1-6-75	31-5-76	इलैक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग क० लि०, ई० एम सी गार्डन, 138 जेसोर रोड, कलकत्ता-55	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक-- IS 398-1961
3	सी एम/एल-53 20-1-1958	1-7-75	31-12-75	साउथ इंडिया प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, कोट्टायम	चाय की पेटियो के प्लाईवुड के तख्ते-- IS 10-1970
4	सी एम/एल-185 26-4-1960	1-6-75	31-5-76	शालीमार टार प्राडक्टस (1935) लिमिटेड, 6 लायन्स रेंज, कलकत्ता	1 बिटुमन नमदे रेशा पर आधारित (क) टाइप 1 (ख) टाइप 2 ग्रेड 1 तथा 2 2 बिटुमन नमदे टाट पर बने, टाइप 3, ग्रेड 1 तथा ग्रेड 2-- IS 1322-1970
5	सी एम/एल-225 16-9-1960	1 6-75	30-11-75	बेनियर्स मिल्स (प्राइवेट) लि०, सूर्यग्राम डाकघर तिनसुखिया, जिला डिब्रूगढ़, (असम)	चाय की पेटियो के प्लाईवुड के तख्ते-- IS 10-1970
6	सी एम/एल-245 28-11-1960	1-7-75	30-6-76	टिपको दी इंडस्ट्रियल प्लास्टिक्स कारपोरेशन लिमिटेड, 14 हमाम स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई 1	पी०एफ० ढलाई पाउडर-- IS 1300-1966
7	सी एम/एल-299 28-11-1961	16-7-75	15-7-76	जे०बी० मंघाराम एण्ड कं०, डाकघर रेजिडेन्सी ग्वालियर (म०प्र०)	बिस्कुट— IS 1011-1968
8	सी एम/एल-300 28-4-1961	16-5-75	15-11-75	न्यू दिग्विजय सिंह जी टिन फैक्टरी, ग्रेन मार्केट जामनगर।	18-लिटर के वर्गाकार डिब्बे--- IS 916-1966
9	सी एम/एल-315 26-6-1961	1-7-75	30-6-76	रोहतास इंडस्ट्रीज लिमिटेड डालमियानगर, (बिहार)।	प्रबलन रहित पनारीदार एस्बेस्टास सीमेंट की चद्दरें (अर्द्ध पनारीदार चादरों सहित)-- IS 459-1970

1	2	3	4	5	6
10.	सी एम/एल-391 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर स्टील प्लांट, पो०ओ० दुर्गापुर-3 जिला, बर्दवान ।	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226–1969
11.	सी एम/एल-392 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	— " —	कंक्रीट प्रबलन के लिए मृदु इस्पात तथा मध्यम तनाव इस्पात की छड़ें– IS : 432–1960
12.	सी एम/एल-393 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	— " —	संरचना इस्पात (उच्च तनाव)– IS : 961–1962
13.	सी एम/एल-544 28-5-1963	1-7-75	31-12-75	मलेन्द्र इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, कमला मिशन रोड, नडियाड, (गुजरात राज्य) ।	निम्न टाइपों के रबड़ रोधित केबल—

टाइप	वोल्टता ग्रेड	चालक
(क) स्थायी वाइरिंग के लिए वी आई आर केबल		
1. टी आर एस (कठोर रबड़ के खोल वाले	250/440 वोल्ट	तांबा
2. ब्रेड चढ़े	650/1100 वोल्ट	अथवा
3. ऋतुसह	250/440 वोल्ट	एलुमि-
	650/1100 वोल्ट	नियम
(ख) वी आई आर लचकीले केबल		
4. सख्त रबड़ के खोल वाले वेल्डिंग केबल	250/440 वोल्ट	केवल तांबा
(ग) वी आई आर लचकीली डोरियां		
5. मुड़ी हुई तथा गोल कृत्रिम रेशम की डोरियां अथवा ग्लेस कपास ब्रेड चढ़ी	250/440 वोल्ट	केवल तांबा

IS : 434 (भाग 1)–1964 तथा
IS : 434 (भाग 2)–1964

14.	सी एम/एल-576 30-8-1963	1-4-75	31-3-76	हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर स्टील प्लान्ट, डाकघर दुर्गापुर-3, जिला बर्द्धवान ।	संरचना इस्पात (गलन वेल्डिंग किस्म)— IS : 2062–1969
15.	सी एम/एल-611 31-12-1963	16-6-75	15-6-76	प्रकाश पुलवराजिंग मिल्स, इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, (राजस्थान) ।	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561–1972
16.	सी एम/एल-619 10-1-1964	1-6-75	31-5-76	बी इंडियन ट्यूब कम्पनी (1953) लि०, 41, चौरंगी रोड, कलकत्ता-16	मृदु इस्पात की नलियां, नलिकाकार वस्तुएं और अन्य फिटिंग भाग 1, मृदु इस्पात की नलियां— IS : 1239 (भाग 1)–1973
17.	सी एम/एल-671 12-5-1964	1-4-75	31-3-76	हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर स्टील प्लांट, डाकघर दुर्गापुर-3, जिला बर्दवान ।	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977–1969
18.	सी एम/एल-697 25-6-1964	1-8-75	31-3-76	मद्रास लेक्ट्रिकल्स कंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, 37, अर्काट रोड, कोडम्बक्कम, मद्रास-26	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398–1961
19.	सी एम/एल-776 28-9-1964	1-7-75	30-6-76	भागसंसपेंट इंडस्ट्रीज (इंडिया), 16ए डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, मजफगढ़ रोड, नई दिल्ली ।	धातु फ्रेमों पर उपयोग के लिए पट्टी– IS : 419–1967
20	सी एम/एल-1022 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर स्टील प्लांट, डाकघर दुर्गापुर-3, जिला बर्दवान ।	गढाइयों के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट ब्लूम, सिल्लियां तथा छड़ें— IS : 1815–1971
21.	सी एम/एल-1023 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	—" —	संरचना इस्पात के रूप में पुनः रोलिंग के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट (मानक किस्म)— IS : 2830–1969
22.	सी एम/एल-1024 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	—" —	संरचना इस्पात के रूप में पुनः रोलिंग के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट (साधारण किस्म)— IS : 2831–1969

1	2	3	4	5	6
23.	सी एम/एल-1069 26-5-1965	16-6-76	15-6-75	भारत आयरन एंड स्टील इंडस्ट्रीज, आगरा रोड,भांडुप, बम्बई-78	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226–1973
24.	सी एम/एल-1070 26-5-1965	16-6-75	16-6-76	—„–	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1973
25.	सी एम/एल-1090 3-6-1965	16-6-75	29-2-76	वेस्ट इंडिया स्टील कम्पनी लिमिटेड, नेरुवन्नूर फेरोक, केरल	संरचना इस्पात (मानक किस्म)-- IS : 226--1969
26.	सी एम/एल-1091 3-6-1965	16-6-75	29-2-76	– „ –	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— 1977-1969
27.	सी एम/एल-1114 28-7-1965	16-6-75	15-6-76	इंडस्ट्रियल रिसर्च कारपोरेशन 17, श्रीनिवास राव लेआउट 12 वीं मेन रोड, बंगलौर ।	रंजकों से बनी फाउंटेन पेन की स्याही-- IS : 1221–1971
28.	सी एम/एल-1120 4-5-1965	1-3-75	31-8-75	आन्ध्र स्टील कारपोरेशन लिमिटेड, थामसन स्ट्रीट, मलकापुरम, विशाखापटनम, (आंध्र प्रदेश)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226–1969
29.	सी एम/एल-1121 4-5-1965	1-3-75	31-8-75	-- „ –	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977–1969
30.	सी एम/एल-1124 12-8-1965	1-7-75	30-6-76	जनरल इंजीनियरिंग एण्ड इलेक्ट्रिकल्स वर्क्स 9, दीनू लेन, हावड़ा ।	एसी बिजली के छोटे मोटर, ए श्रेणी के रोधन वाले, 0.18 किवा. (1/4 हापा) से 0.75 किवा. (1 हापा तक) केवल एक फेजी केपेसिटर स्टार्ट वाले) IS : 966–1964
31.	सी एम/एल-1156 20-10-1965	1-7-75	30-6-75	ट्रेको केबल कम्पनी लिमिटेड, इरिमपानम, तिरुवम कुलम ग्राम, कनन्नूर तालुक, एर्नाकुलम जिला, (केरल राज्य) ।	पी वी सी रोधित (भारी ड्यूटी वाले) केबल-1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता वाले तांबे अथवा एलुमिनियम चालक युक्त— IS : 1554 (भाग 1)—1964
32.	सी एम/एल-1183 16-2-1965	1-6-75	41-5-76	पेस्टिसाइडस इंडिया, उदयसागर रोड, उदयपुर ।	बी०एच सी पायसनीय तेज द्रव-- IS : 632–1958
33.	सी एम/एल-1270 31-5-1966	16-6-75	15-6-76	बम्बई कंडक्टर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं० 175/4, ग्राम थोडासार निकट जसोदा-नगर, अहमदाबाद ।	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS . 398–1961
34.	सी एम/एल-1292 30-6-1966	16-6-75	15-6-76	इंडस्ट्रियल रिसर्च कारपोरेशन, 17, श्रीनिवास राय लेआउट, 12वी मेन रोड, बंगलौर-3	फेरी गैली टैनेट फाउंटेनपेन की स्याही-- IS : 220–1972
35.	सी एम/एल-1379 18-12-1966	16-6-75	15-6-76	दी वेस्टर्न इंडिया प्लाईवुड लिमिटेड, मिल रोड डाकघर बलियापाटम, केन्नतोर जिला ।	वायुयान के लिए मध्यम सामर्थ्य प्लाईवुड— IS : 709–1974 तथा जलयान प्लाईवुड— IS : 710–1957
36.	सी एम/एल-1372 26-12-1966	1-1-75	31-12-75	इम्पीरियल स्टोर एण्ड एजेंसी कम्पनी, 41, शिमलारोड मानिक तल्ला, कलकत्ता-5	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10–1970
37.	सी एम/एल-1416 27-3-1967	1-7-75	30-6-76	दिल्ली आयरन एंड स्टील कम्पनी, जी टी रोड, गाजियाबाद ।	संरचना इस्पात (मानक किस्म)-- IS : 226–1969
38.	सी एम/एल-1417 27-3-1967	1-7-75	30-6-76	–"–	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)-- IS : 1977-1969
39.	सी एम/एल-1455 12-6-1967	16-6-75	15-6-76	बंगाल यूनाइटेड कम्पनी प्राइवेट कं० लि० ब्रजनाथ लाहिड़ी लेन, डाकघर संतरागाछी, हावड़ा ।	(1) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व (अलौह स्पिंडल तथा रिंग वाले) श्रेणी 1,50 मिमी से 300 मिमी आकार तक-- IS : 780–69 (2) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व श्रेणी । दोहरे फ्लेंज वाले आकार 500 मिमी केवल IS : 2906–1969

1	2	3	4	5	6
					(3) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व, श्रेणी 2, दोहरे फ्लेंजवाले 350 मिमी से 1200 मिमी आकार तक— IS : 2906—1969
40.	सी एम/एल-1459 15-6-1967	1-7-75	30-6-75	आन्ध्र इंडस्ट्रियल वर्क्स, सी2 इंडस्ट्रियल एस्टेट, कुडप्पा (आ० प्र०)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
41.	सी एम/एल-1468 29-6-1967	1-7-75	30-6-76	वेब ब्रदर्स, एस-145—इंडस्ट्रियल एरिया जलन्धर शहर	हाकी स्टिकस IS : 829—1965
42.	सी एम/एल-1511 8-9-1967	1-8-75	31-1-76	हैमू प्राडक्शन (इंडिया) मामू भानजा, अलीगढ़ (उ० प्र०)	तान्‍ने (सम्यरूप किस्म)— IS : 2209—1970
43.	सी एम/एल-1600 27-12-1967	1-7-75	30-6-75	ट्रैको केबल कम्पनी लिमिटेड, ईरिमपानम, तिरुवम-कुलम ग्राम, कनन्नूर तालुक, एर्णाकुलम जिला (केरल राज्य)	पूर्ण एलुमिनीयम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
44.	सीएम/एल-1606 5-1-1968	16-1-75	15-1-76	हिन्द मेटल इंडस्ट्रीज 1, पी एन मित्रा लेन, टालीगंज, कलकत्ता-53	चाय की पेटियों के धातु के फिटिंग— IS : 1970
45.	सीएम/एल-1624 16-1-1968	16-7-75	15-7-76	एम० एन० चटर्जी एन्ड क० पी 48, बनारस रोड, हावड़ा-5	'वी' नुमा खांच वाली चरखियां— IS 8142-1965
46.	सी एम/एल-1628 25-1-1968	1-7-75	31-12-75	राष्ट्रीय मेटल इंडस्ट्रीज लिमिटेड अंधेरी कुरला रोड, जेबी नगर, बम्बई-59 ए एस	बरतनों तथा सामान्य कार्यों के लिए तांबे की चादरें तथा पट्टी— IS : 1550—1967
47.	सी एम/एल-1693 13-5-1968	1-7-75	30-6-76	प्रकाश पुलवराजिंग मिल्स इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर (राजस्थान)	एल्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307—1958
48.	सी एम/एल-1772 14-6-1968	16-6-75	15-6-76	इंडो अमेरिकन इलेक्ट्रिकल्स लि०, जी टी रोड, दुर्गापुर-1 जिला बर्दवान पश्चिमी बंगाल	(1) उच्च यांत्रिक गुणों वाली इनैमल चढ़े गोल तांबे के तार— (2) ऊंचे तापों के लिए इनैमल चढ़े गोल तांबे के तार— IS: 4800 (भाग 4 तथा 5) —1968
49.	सी एम/एल-1842 25-11-1968	16-7-75	15-7-76	दी कोल इलेक्ट्रिकल तथा एलाइड इंजी० कम्पनी लिमिटेड कंजीराकोड, कुण्डारा (केरल)	तीन फेजी प्रेरण मोटर 2.2 किवा (5 हापा) से 7.5 किवा (10 हापा) तक के रोधन वाली— IS : 325-1970
50.	सी एम/एल-1873 23-12-1968	1-7-75	30-6-75	जॉय आईस्क्रीम (बंगलौर) प्राइवेट लि० मेन रोड, व्हाइट, फील्ड, बंगलौर जिला	आइसक्रीम— IS : 2802—1964
51.	सी एम/एल-1880 30-12-1968	1-7-75	30-6-67	वुडक्राफ्ट प्रोडक्ट्स लिमिटेड डाकघर जैयपुर, जिला लखिमपुर (अपर असम)	लकड़ी के समतल किवाड़ (ठोस मध्य भाग वाले ऊपर प्लाईवुड के तख्ते लगे)— IS : 2202 (भाग 1)—1973
52	सी एम/एल-1934 17-3-1969	1-4-75	31-12-76	हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर स्टील प्लांट, डाकघर दुर्गापुर-3 जिला बर्दवान	कंक्रीट प्रबलन के लिए शीत मरोड़ी इस्पात की सरिया IS : 1786-1966
53.	सी एम/एल-1936 13-3-1969	1-7-75	31-12-75	एंड्रियल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लि० अंजुमन, पाड़ीवट्टम, एडापल्ली, डाकघर एर्णाकुलम जिला	चाय की पेटियों के प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970
54.	सी एम/एल-1948 31-3-1969	1-7-75	30-6-76	भागसंस पेंट इंडस्ट्रीज, (इंडिया) 16 ए, डी एल एफ इंडस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	(1) इनैमल (भीतरी) (क) निचली परत देने का (ख) फिनिश देने का, वांछित रंग वाला IS : 133-1965 (2) इनैमल (संश्लिष्ट) बाहरी किस्म, 1 श्वेतम फिनिश देने का IS : 3932—1964 (3) इनैमल बाहरी किस्म 2, श्वेताम, फिनिश देने का IS : 2933—1964

1	2	3	4	5	6
55.	सी एम/एल-1961 30-6-1969	1-7-75	30-6-76	दी पंजाब स्टेट कोआपरेटिव प्लाई एण्ड मार्केटिंग फैडरेशन लिमिटेड, 7-8 बी इंडस्ट्रियल एरिया मोहाली, पंजाब निकट चंडीगढ़	एंड्रिन पायसनीय तेज द्रव-- IS : 1310-1958
56.	सी एम/एल-1977 30-6-1969	1-7-75	30-6-76	इंडियन मैटल ट्रेडर्स, प्लाट नं० ए-21/11-12 रोड नं० 10 उधना उद्योगनगर, उधना जिला सूरत गुजरात (राज्य)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलूमीनियम चालक-- IS : 398-1961
57.	सी एम/एल-2015 9-7-1969	16-7-75	15-7-76	वी०के० इंजीनियरिंग वर्क्स, 44 आइडियल इंडस्ट्रियल इस्टेट मथुरादास मिल कम्पाउण्ड 124, डेलीजली रोड, बम्बई-13	सीन फेजी स्क्विरल पिंजरे वाले प्रेरण मोटर 0.75 कि वा (1 हा पा) तथा 1.5 कि वा (2 हा पा) 400/440 वोल्ट रेटिंग वाले, 'ए' वर्ग के रोधन लगे-- IS : 325-1970
58.	सी एम/एल-2022 23-7-1969	16-7-75	15-1-76	गुप्ता इंजीनियरिंग वर्क्स, रेलवे रोड, कपूरथला	घरेलू प्रेशर कुकर 4 लिटर, 5 लिटर, 6 लिटर तथा 7 लिटर IS : 2347-1966
59.	सी एम/एल-2124 27-10-1969	1-1-75	31-12-75	डी केरल टिन वर्क्स एण्ड मशीनरी इंडस्ट्रीज, के एम सी VII 270, के के रोड, कोट्टायम (केरल राज्य)	चाय की पेटियों के धातु के फिटिंग-- IS : 10-1970
60.	सी एम/एल-2145 24-11-1969	16-7-75	15-7-76	गुडबिल लाइट हाउस, हाइफा बिल्डिंग, ब्लाक सं० 1, सफेदपूल, कुरला अंधेरी रोड, बम्बई-78 ए एस	घरेलू प्रेशन कुकर-- IS : 2347-1966
61.	सी एम/एल-2181 24-12-1969	1-5-75	30-6-76	बैक्सवैल एण्ड कम्पनी XIV/536 त्रिसूर रोड, एर्नाकुलम-6 केरल राज्य	चाय की पेटियों के धातु के फिटिंग-- IS : 10-1970
62.	सी एम/एल-2192 31-12-1969	1-7-75	31-12-75	स्वान इंडिया प्रा० लि० 12/1 मथुरा रोड, डाक घर अमरनगर, फरीदाबाद	फेरोगेलो टैनटे फाउन्टेन पैन की स्याही (0.1 प्रतिशत लोहे की मात्रा वाली)-- IS : 220-1972
63.	सी एम/एल-2197 1-1-1970	1-7-75	30-6-76	ए० जे० लोपेज एण्ड संस XII/355 पावर हाउस रोड, एर्णाकुलम, कोचीन-18	चाय की पेटियों के धातु के फिटिंग-- IS : 10-1970
64.	सी एम/एल-2228 29-1-1970	1-7-75	30-6-76	अनन्त इंडस्ट्रीज (रजिस्टर्ड) निकट एम 30, इंडस्ट्रियल एरिया, जालन्धर शहर (पंजाब)	बढ़इयों के धातु के ढांचे वाले जैक बेंच रंदे सांकेतिक साइज 50-- IS : 4057-1967
65.	सी एम/एल-2240 9-2-1970	1-7-75	31-12-75	ए. जेलोपेज एण्ड संस, एर्णाकुलम, कोचीन-18	चाय की पेटियों के तख्ते- IS : 10-1970
66.	सी एम/एल-2241 9-2-1970	1-7-75	30-6-76	साउथ इंडिया प्लाईवुड इंडस्ट्रीज मार्केट लेडिंग, कोट्टायम, केरल राज्य	चाय की पेटियों के तख्ते- IS : 10-1970
67.	सी एम/एल-2259 20-2-1970	1-7-75	30-6-76	बोक्सवेल एण्ड कम्पनी 6/90 पलारीवत्तोम त्रिपुनितुरा रोड, पलारीवत्तोम एर्णाकुलम (केरल राज्य)	चाय की पेटियों के तख्ते- IS : 10-1970
68.	सी एम/एल-2394 19-8-1970	1-7-75	30-6-76	योगिराज केमिकल लेबोरेटरीज मिलरोड, मिल्लरगंज, लुधियाना	स्याही, स्टैम्प पैड- IS : 393-1968
69.	सी एम/एल-2399 31-8-1970	1-12-74	30-11-75	गैनन डंकरले एंड कम्पनी लिमिटेड ग्रोल्ड बी पीटीरोड, माहुल बम्बई-74 (ए एस)	निम्न दाब द्रवणीय गैसों के भंडारण तथा परिवहन के लिए बेल्ड किए हुए अल्प कार्बन इस्पात के गैस सिलेंडर, 33.3 लिटर जल क्षमता वाले-- IS : 3197-1968
70.	सीएम/एल-2401 1-9-1970	1-3-75	31-8-75	आंध्र स्टील कार्पोरेशन लि० थामसन स्ट्रीट, मलकापुरम विशाखापतनम (आ० प्र०)	पूर्ण प्रयलित कंक्रीट के लए शीत खिंची इस्पात की सरिया-- IS : 1785-1966

1	2	3	4	5	6
71.	सीएम/एल-2430 20-10-1970	16-4-75	15-4-76	रॉकवेल्ड इलैक्ट्रोड्स इंडिया लिमिटेड 29, इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बाट्टूर मद्रास–58	सरचना इस्पात के धातु आर्क वेल्डिंग के ढके हुए इलेक्ट्रोड– IS : 814 (भाग I तथा II)–1974
72.	सीएम/एल-2461 30-11-1970	1-7-75	31-12-75	योगिराज कैमिकल्स लेबोरेटरीज गिलरोड, मिल्लरगंज, लुधियाना	करेक्टिंग फ्लड् (शोधक द्रव पदार्थ)– IS : 4175–1967
73.	सीएम/एल-2466 30-11-1970	1-8-75	31-7-76	भारती मिनरल्स, 15/7 मथुरा रोड फरीदाबाद (हरियाणा)	बीएचसी पायसनीय तेज द्रव– IS : 632–1966
74.	सीएम/एल-2493 24-12-1970	1-7-75	30-6-76	मेट-कैब इंडस्ट्रीज, भारत कोल "कम्पाउंड बेलबाथर, कुर्ला बम्बई–70 (ए एस)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोरवा एलुमिनियम चालक– IS : 398–1961
75.	सीएम/एल-2544 18-2-1971	16-6-75	15-6-76	फोर्ट ग्लोस्टर इंडस्ट्रीज लिमिटेड बाउरिया, जिला हुगली एस ई रेलवे	रबड़ रोधित लचकीले ट्रेलिंगनार कायले की खानों में उपयोग के लिए–– IS : 691–1976
76.	सीएम/एल-2550 19-2-1971	1-7-75	30-6-75	जतेन्द्र टिम्बर इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू–3 इंडस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर	चाय की पेटियों के प्लाईवुड के तख्ते– IS : 10–1970
77.	सीएम/एल-2670 23-4-1971	1-5-75	30-4-76	दी अम्बिका सिलेंडर मैनुफैक्चरिंग क०, (श्री अम्बिका मिल्स लिमिटेड का एक प्रभाग) वातवा, तालुका डरकोई अहमदाबाद (गुजरात)	वेल्ड किए हुए निम्न कार्बन इस्पात गैस सिलेंडर, 33.3 लिटर जल की क्षमता वाले निम्न दाब वाले गलाने योग्य गैसों के भंडार तथा परिवहन के लिए–– IS : 3196–1968
78.	सीएम/एल-2757 1-9-1971	16-7-75	30-4-76	कृष्णा माइनर्स एण्ड ट्रेडर्स 12 इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर वेस्ट, जयपुर	बीएचसी धूलन पाउडर– IS : 561–1972
79.	सीएम/एल-2810 12-11-1971	16-5-75	15-5-76	मकाली इंजीनियरिंग वर्क्स, 123/2 नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा	(1) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व, श्रेणी I तथा श्रेणी II, 300 मिमी आकार तक IS : 780–1969 तथा (2) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व श्रेणी II, 1200 मिमी आकार– IS : 2906–1969
80.	सीएम/एल-2966 10-3-1962	1-8-75	31-7-75	पुलिंग एंड इन्सेक्टीसाइड्स रामनगर, करजाहा, डाकघर मैसाहा रेलवे स्टेशन, कुशमी (उ०पू० रेलवे)	निम्नलिखित रेटिंग वाली गियर रहित हस्त-चालित यूनिवर्सल खींचने और भार उठाने वाली मशीनें – (1) 1.6 टन भार उठाने की क्षमता वाली और 2.6 टन भार खींचने की क्षमता वाली (2) 3.2 टन भार उठाने की क्षमता वाली और 5.2 टन भार खींचने की क्षमता वाली– IS : 5604–1970
81.	सीएम/एल-3033 30-3-1972	1-7-75	30-6-76	कैमिकल्स एण्ड इन्सेक्टीसाइड्स रामनगर, करजाहा, डाकघर मैसाहा रेलवे स्टेशन, कुशमी (उ.पू. रेलवे) गोरखपुर	स्थिरीकृत मिथाक्सी ईथाइल पारा और क्लोराइड सान्द्र पर बनी दवाइयां– IS : 2358–1963
82.	सीएम/एल-3041 11-4-1972	16-4-75	15-4-76	असम कार्बन प्रॉडक्ट्स लिमिटेड इंडस्ट्रियल इस्टेट, बामुनीमैदान, गौहाटी–21 (असम)	बिजली की मशीनों के लिए कार्बन बुरुश– IS : 3003(भाग-1) 1966
83.	सीएम/एल-3078 31-5-1972	16-6-75	15-6-76	जैपुर टिम्बर एण्ड वेनियर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड डाकघर जैपुर (असम)	चाय की पेटियों के तख्ते– IS : 10–1970
84.	सीएम/एल-3089 27-6-1972	1-7-75	15-4-76	मेटल उद्योग प्राइवेट लिमिटेड प्रतापनगर, इंडस्ट्रियल इस्टेट उदयपुर (राजस्थान)	एंड्रिन पायसनीय तेज द्रव– IS : 1310–1974
85.	सीएम/एल-3090 3-7-1972	1-7-75	30-6-76	एसोसिएटिड ग्लास इंडस्ट्रीज लि० वरवनगर, कुकट पल्ली हैदराबाद–18	दूध की कांच की बोतलें– IS : 1392–1971
86.	सीएम/एल-3101 13-7-1972	1-7-75	30-6-76	हिन्दुस्तान नेशनल ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बहादुरगढ़, जिला रोहतक हरियाणा	दूध की कांच की बोतलें–– IS : 1392–1971

87. डीसीएम/एल-3207 1-11-1972	16-6-75	15-12-75	बिस्को इलेक्ट्रानिक्स प्लाट नं० 92 सी कांडीविली इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांडीविली, बम्बई–67	पीवीसी रोधित केबल– (1) एक कोर वाले, बिना खोल के 250/440 वोल्टग्रेड वाले ताबे के चालकों वाले और (2) एक कोर वाली खोलदार 650–1100 वोल्टग्रेड वाले एलुमिनियम चालकों वाले– IS: 694(भाग 1 और 2)–1964
88. सीएम/एल-3229 28-11-1972	1-7-75	31-12-75	पी एन एम कम्पनी, पेरुन्दुराव रोड, ईरोड–3	डीडीटी धूलन पाउडर– IS: 564–1961
89. सीएम/एल–3279 5-1-1973	1-1-75	31-12-75	कोसान मेटल प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड, कमलेश्वर निकट कमलेश्वर रेलवे स्टेशन, तहसील साम्रोनेर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	निम्न दाब वाले द्रवणीय गैसों के भंडार तथा परिवहन के लिए अल्प कार्बन इस्पात के वेल्डकृत सिलंडर, 33.3 लिटर जल की क्षमता वाले– IS : 3196–1970
90. सीएम/एल-3281 8-1-1973	16-3-75	15-9-75	कलकत्ता कंटेनर्स एंड प्रिंटिंग वर्क्स, 99/4 डी करामा रोड, कलकत्ता–19	चाय की पेटियों के धातु फिटिंग – IS: 10–1970
91. सीएम/एल-3314 31-1-1973	1-2-75	31-1-76	रेडियो एंड इलेक्ट्रिकल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, मैसूर रोड, बंगलौर–26	तापनम्य रोधित ऋतुसह केबल पीवीसी रोधित तथा पी वी सी खोलदार एलुमिनियम चालकों वाले इकहरे कोर वाले 250/440 वोल्टता 650/1100 वोल्ट ग्रेड वाले तथा (ii) दोहरे कोर वाले, चपटे 250/440 वोल्ट ग्रेड वाले – IS: 3035 (भाग-1)–1965
92. सीएम/एल-3326 6-2-1973	16-2-75	15-2-76	सिंधानिया कमर्शियल कारपोरेशन 10, हर चन्द्र मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता–5	चाय की पेटियों के लिए धातु फिटिंग–– IS: 10–1970
93. सीएम/एल-3327 6-2-1973	1-2-75	31-1-76	रेडियो एंड इलेक्ट्रिकल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, मैसूर रोड, बंगलौर–26	तांबे के चालकों वाले पीवीसी रोधित (भारी ड्यूटी) कवचरहित बिजली के केबल, 1100 वोल्ट–कार्यकारी वोल्टता IS : 1554(भाग-1)––1964
94. सीएम/एल-3404 30-4-1973	1-5-75	30-4-76	सिल्वर लाइट निर्लेप बेयर इंडस्ट्रीज प्रा० लि० बी–8, इंडस्ट्रियल एरिया, निकट रेलवे स्टेशन, औरंगाबाद	बरतनों के लिए पिटवां एलुमिनियम तथा मिश्र एलुमिनियम– IS: 21–1969
95. सीएम/एल-3404 1-5-1973	16-5-75	15-5-76	एपीजे स्ट्रक्चरल लिमिटेड, डाकघर राजबंधन, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल)	द्रवणीय गैसों के भंडार तथा परिवहन के लिए अल्प कार्बन इस्पात के वेल्डकृत गैस सिलेंडर 33.3 लिटर जल की क्षमता वाले– IS: 3196–1968
96. सीएम/एल-3410 7-5-1973	16-5-75	15-5-76	मिसको फार्मेस्युटिक्स (मद्रास) 154, नियिप्पा नायकन स्ट्रीट, मद्रास–3 (तमिलनाडु)	रंजकों से बनी स्याहियां– IS: 1221–1971
97. सीएम/एल-3416 14-5-1973	16-3-75	15-3-76	इंडिया ग्राइलेटस इंडस्ट्रीज 33, नेताजी सुभाष रोड़ कलकत्ता–1	जूता उद्योग के लिए रबड़ आधारित स्थायी चेरप IS: 4663–1968
98. सीएम/एल-3435 11-6-1973	16-6-75	15-6-76	हिंद इंक (इंडिया) 86, शेखवाड़ा, उधाव (उ० प्र०)	फाउंटेनपेन की स्याही–– IS: 1221–1971
99. सीएम/एल-3448 28-6-1975	1-7-75	30-6-76	केमिकल इंडिया, इंडस्ट्रियल एरिया, सेठी भवन निकट डीसी आफिस, अकोला	बीएच सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर–– IS: 562––1972
100. सीएम/एल-3449 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	,,	बीएचसी धूलन पाउडर–– IS: 561–1972
101. सीएम/एल-3450 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	,,	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव–– IS: 2567–1973
102. सीएम/एल-3451 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	,,	ऐल्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव–– IS: 1307–1958
103. सीएम/एल-3452 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	,,	एंड्रिन पायसनीय तेज द्रव–– IS: 1310–1974

1	2	3	4	5	6
104.	सीएम/एल-3456 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	दी पंजाब स्टेट कोआपरेटिव सप्लाई एंड मार्केटिंग फैडरेशन लिमिटेड 7-8 बी, इंडस्ट्रियल एरिया, मोहाली पंजाब निकट चंडीगढ़	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव—— IS : 2567–1963
105.	सीएम/एल-3457 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	रिवाइवड मरंजाम कार्यालय इकाई 3, खारवेल नगर भुवनेश्वर-1	मधुमक्खी का छत्ताधर—— IS : 1515–1969
106.	सीएम/एल-3462 29-6-1973	1-7-75	30-6-76	केमिकल्स एंड इन्सेक्टीसाइडस रामनगर, करंजहा डाकघर भैंसहा रेलवे स्टेशन कुशमी (उ०पू० रेलवे) गोरखपुर	बीएचसी धूलन पाउडर—— IS : 561–1972
107.	सीएम/एल-3476 10-7-1973	16-7-75	15-7-76	म्यूचुअल स्टील इंडस्ट्रीज 47, कांडिवली इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांडीवली पश्चिम, बम्बई-400067	डब्ल्यू सी की प्लास्टिक की सीट और ढक्कन—— (फिनोलिक प्लास्टिक और यूरिया फार्मल डिहाइड)—— IS : 2548–1967
108.	सीएम/एल-3489 24-7-1973	16-7-75	15-7-76	हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड (इंडियन कापर काम्पलेक्स) मौलहाइन्दर, घाटसिला जिला सिंहभूम, बिहार	वेल्लित पीतल की पट्टी, चादर, पत्ती तथा पन्नी—— IS : 410–1967
109.	सीएम/एल-3615 30-11-1973	1-6-75	31-5-76	एजमौलाबख्श संस एंड कम्पनी 88/22, नाला रोड, सीसामऊ, कानपुर	चमड़े के तले वाले खनिकों के चमड़े के बचाव बूट (किस्म 1)—— IS : 562–1972
110.	सीएम/एल-3718 15-2-1974	16-2-75	15-8-75	ईस्टर्न टिन मैनुफैक्टरिंग कम्पनी 28, मदनमोहन स्ट्रीट, कलकत्ता-7	चाय की पेटियों के धातु के फिटिंग—— IS : 10–1970
111.	सीएम/एल-3747 15-3-1974	16-7-75	15-1-76	हैदराबाद केमिकल्स सप्लाईज (प्रा०) लि०, ए-24-25 एस्टेट इंडस्ट्रियल इस्टेट बालानगर, हैदराबाद-500037	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव—— IS : 2567–1972
112.	सीएम/एल-3848 31-5-1975	16-6-75	15-12-75	विक्की इलेक्ट्रोनिक्स प्लाट नं० 92-सी कांडीवली इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांडीवली पश्चिम बम्बई-67 (महाराष्ट्र)	पीवीसी रोधित (भारी ड्यूटी) बिना शस्त्र के वैद्युत केबल 1100 वोल्ट तक के वोल्टेज पर कार्य करने के लिए (तांबे के) चालक सहित—— IS : 1553 (भाग-1)–1964
113.	सीएम/एल-3849 31-5-1974	16-6-75	15-6-76	प्रीमियर इंडस्ट्रीज त्रिची रोड सिंगनल्लूर (डाकघर) कोयम्बतूर-5 (तमिलनाडु)	तीन फेजी प्रेरण मोटर 3.7 किवा (5 हार्पा) तक के 'ए' रोधन युक्त—— IS : 325–1970
114.	सीएम/एल-3856 21-6-1974	1-7-75	30-6-76	ब्रिटिश इलैक्ट्रिक्लस एंड पम्पस प्राइवेट लिमिटेड 17, तारातल्ला रोड, कलकत्ता-700053	कृषि के पम्प आकार 50 मिमी × 50 मिमी केबल—— IS : 6595–1972
115.	सीएम/एल-3861 28-6-1974	1-7-75	31-12-75	हिन्दुस्तान लाइम प्रॉडक्टस सोजात रोड (पश्चिम रेलवे) राजस्थान	जल बुझा चूना ग्रेड ए और बी—— IS : 1540 (भाग ii)–1970
116.	सीएम/एल-3863 28-6-1974	1-7-75	30-6-76	ट्रावनकोर केमिकल्स एंड मैन्यूफैक्चरिंग कं० लि०, पोस्टबाक्स नं० 19, कालमोररी (केरल राज्य)	ताम्र आक्सीक्लोराइड तकनीकी—— IS : 1486–1969
117.	सीएम/एल-3871 3-7-1974	1-2-75	31-1-76	बर्न एंड कम्पनी लिमिटेड हावड़ा आयरन वर्क्स 20/21/22 नित्यधोन मुखर्जी रोड हावड़ा	जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व—— IS : 780–1969
118.	सीएम/एल-3873 3-7-1974	16-7-75	15-7-76	थिल्सिन कार्यन इंक मैनुफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड 26 बी, वातवा इंडस्ट्रियल टाउनशिप वातवा, जिला अहमदाबाद	टाइपराइटर के लिए कार्बन कागज किस्म III और कार्बन कागज—— IS : 1551–1959
119.	सीएम/एल-3881 15-7-1974	16-7-75	15-7-76	कर्नाटक केमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन फंक्शनल इंडस्ट्रियल इस्टेट, पीनया बंगलौर	ताम्र सल्फेट तकनीकी—— IS : 261–1966

1	2	3	4	5	6
120.	सीएम/एल-3883 15-7-1974	16-7-75	15-7-76	काप हैल्थ प्रॉटक्टग प्राइवेट लिमिटेट, डी-31-1 उ०प्र० राज्य, इंडस्ट्रियल एरिया मेरठ रोड, गाजियाबाद	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1973
121.	सीएम/एल-3884 15-7-1974	16-7-75	15-6-76	प्रकाश पलवगाइजिग मिल्स इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर (राजस्थान)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1973
122.	सीएम/एल-3912 5-8-1974	1-8-75	31-7-76	कनोडिया जूट मिल्स उलबेरिया, जिला हावड़ा	भारतीय टाट— IS : 2818 (भाग II और III)-1971
123.	सीएम/एल-3913 5-8-1974	1-8-75	31-7-76	,,	ए-ट्रिवल पटसन के बोरे— IS : 1943-1964 बी-ट्रिवल पटसन के बोरे— IS : 2566-1965

[सं० सीएमडी/(13:12)]

वाई० एस० वेंकटेश्वरन, अपर महानिदेशक

INDIAN STANDARD INSTITUTION

New Delhi, the 30th May, 1978

S.O 1736....—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and twentythree licences particulars of which are given in the following schedule, have been renewed during the month of July 1975.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and dated	Period of Validity From	To	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licensee and the Rlevant IS : Designation.
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-24 19-12-1958	1-7-75	31-12-75	Light Metal Works, New Sun Mill Compound, Delisle Road, Bombay-13	Wrought aluminium and aluminium alloy utensils — IS:21-1959
2.	CM/L-27 20-5-1958	1-6-75	31-5-76	Electrical Manufacturing Co. Ltd., EMC Gardens, 126 jessore road Calcutta 55	AAC & ACSR conductors — IS : 398-1961
3.	CM/L-53 20-1-1958	1-7-75	31-12-75	South India Plywood Industries, Kottayam	Tea-chest plyowood panels — IS : 10-1970
4.	CM/L-185 24-6-1960	1-6-75	31-5-76	Shalimar Tar Products (1935) Limited, 6. Lyons Range, Calcutta.	(i) Bitumen felts with fibre base (a) Type 1 (b) Type 2 - Grade 1 and 2 and (ii) Bitumen felts with hessian base Type 3 - Grade 1 & 2— IS : 1322—1970
5.	CM/L-225 16-9-1960	1-6-75	30-11-75	Veneers Mills (Private) Ltd., Suryagram, P. O. Tinsukia, Distt. Dibrugarh (Assam)	Tea-chest plyowood panels — IS : 10-1970
6.	CM/L-245 28-11-1960	1-7-75	30-6-76	TIPCO The Industrial Plastics Corporation Ltd., 14, Hamam Street, Fort, Bombay-1.	P.F. moulding Powders-- IS : 1300-1966
7.	CM/L-299 28-4-1961	16-7-75	15-7-76	J.B. Mangharam & Co., P.O. Residency, Gwalior (M.P.)	Biscuits — IS : 1011-1968
8.	CM/L-300 28-4-1961	16-5-75	15-11-75	New Deigvijaysinhji Tin Factory, Grain Market, Jamnagar.	18 litre square tins — IS : 916-1966
9.	CM/L-315 26-6-1971	1-7-75	30-6-76	Rohtas Industries Limited, Dalmianagar (Bihar)	Unreinforced corrugated asbestos cement sheets (including semi-corrugated sheets)— IS : 459-1970
10.	CM/L-391 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant. P.O. Durgapur-3 District Burdwan.	Structural steel (standard quality) — IS : 226-1969
11.	CM/L-392 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	-do-	Mild steel and medium tensile steel bars for concrete reinforcement — IS : 432-1960

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12.	CM/L-393 20-3-1962	1-4-75	31-3-76	Hindustan steel Ltd., Durga pur steel plant P.O Durga pur-3 District Burdwan	Structural steel (high tensile) IS : 961-1962
13.	CM/L-544 28-5-1963	1-7-75	31-12-75	Mahendra Electricals Ltd., Kamla Mission Road, Nadiad (Gujarat State)	Rubber insulated cables of the follwing types :—

Type	Voltage Grade	Conductor
(a) VIR Cables for fixed wiring		
(i) TRS (tough rubber sheathed)	250/440 volts	Copper A minium
(ii) Braided and compounded	250/440 votls & 650/1 100 volts	
(iii) Weather-proof	250/440 volts & 650/1 100 volts	
(b) VIR flexible cables.		
(iv) Tough rubber sheathed welding cables.	250/440 volts	Copper only
(c) VIR flexible cords		
(v) Twisted and circular artificial silk or glace cotton braided	250/440 volts	Copper only

IS : 434 (Part I)—1964 and

IS : 434 (Part II)-1964.

14.	CM/L-576 30-8-1963	1-4-75	31-3-76	Hindustan Steel Ltd, Durgapur Steel Plant. P.O. Durgapur-3 District Burdwan	Structural steel (fusion welding quality) IS : 2062-1969
15.	CM/L-611 31-12-1963	16-6-75	15-6-76	Prakash Pulverising Mills, Industrial Area Alwar (Raj)	BHC dusting powders — IS : 561-1972.
16.	CM/L-619 10-1-1964	1-6-75	31-5-76	The Indian Tube Co (1953) Ltd. 41, Chowringhee Road, Calcutta-16	Mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings Part I Mild Steel Tubes— IS : 1239 (Part I)-1973
17.	CM/L-671 12-5-1964	1-4-75	31-3-76	Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant, P.O. Durgapur-3 District Burdwarn	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
18.	CM/L-697 25-6-1964	1-8-75	31-7-76	Madras Electrical Conductors Private Limited,37, Arcot Road, Kodambakkam, Madras 26	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
19.	CM/L-776 28-9-1964	1-7-75	30-6-76	Bhagsons Paint Industries (India), 16A, DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.	Putty for use on metal frames— IS : 419-1967
20.	CM/L-1022 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant, P.O. Durgapur-3 District Burdwarn.	Carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings — IS : 1875-1971
21.	CM/L-1023 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	-do-	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 2830 : 1969
22.	CM/L-1024 9-3-1965	1-4-75	31-3-76	-do-	Carbon steel billetts for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 2831-1969
23.	CM/L-1069 26-5-1965	16-6-75	15-6-76	Bharat Iron & Steel Industries, Agra Road, Bhandup, Bombay-78	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1973
24.	CM/L-1070 26-5-1965	16-6-75	15-6-76	-do-	Structural steel (ordinary qulality)— IS : 1977-1973.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
25.	CM/L-1090 3-6-1965	16-6-75	29-2-76	West India Steel Co Ltd, Cheruvannur, Ferroke, Kerala	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
26.	CM/L-1091 3-6-1965	16-6-75	29-2-76	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
27.	CM/L-1114 28-7-1965	16-6-75	15-6-76	Indsutrial Research Corporation, 17, Srinivasa Rao Lay-out 12th Main Road, Bangalore-3	Dye-based fountain pen ink— IS : 1221-1971
28.	CM/L-1120 4-5-1965	1-3-75	31-8-75	Andhra Steel Corporation Ltd., Thomson Street, Malkapuram, Visakhapatnam (A.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
29.	CM/L-1121 4-5-1965	1-3-75	31-8-75	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
30.	CM/L-1124 12-8-1965	1-7-75	30-6-76	General Engineering and Electric Works, Dinoo Lane, Howrah	Small AC electric motors with class 'A' insulation, 0.18 kw (¼ HP) to 0.75 kw (1 HP) only, single phase capacitor start— IS : 996-1964
31.	CM/L-1156 20-10-1965	1-7-75	30-6-76	Traco Cable Company Ltd., Irimpanam, Thjruvamkulam Village, Kanayannur Taluk Ernakulam Distt. (Kerala State)	PVC insulated (heavy duty) cables for working voltages upto and including 1100 volts with copper or aluminium conductors— IS : 1554 (Part I)-1964
32.	CM/L-1183 16-12-1965	1-6-75	31-5-76	Pesticides India, Udaisagar Road, Udaipur	BHC emulsifiable concentrates — IS : 632-1958
33.	CM/L-1270 31-5-1966	16-6-75	15-6-76	Bombay Conductors & Electricals Pvt. Ltd. Plot No. 175/4, Village : Ghodasar, Near Jasodanagar, Ahmedabad.	AAC L ACSR conductors— IS : 398-1961
34.	CM/L-1292 30-6-1966	16-6-75	15-6-76	Industrial Research Corporation, 17, Srinivasa Rao Lay-out, 12th Main Road, Bangalore-3.	Ferro-gallo tannate fountain pen ink— IS : 220-1972
35.	CM/L-1369 18-12-1966	16-6-75	15-6-76	The Western India Plywoods Ltd., Mill Road, P.O. Ballapatam, Cannore Distt.	(i) Medium strength aircraft plywood— IS : 709-1974 and (ii) Marine plywood— IS : 910-1970
36.	CM/L-1372 26-12-1966	1-1-75	31-12-75	Imperial Stores & Agency Co., 41, Simla Road, Manicktola, Calcutta-5.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
37.	CM/L-1416 27-3-1967	1-7-75	30-6-76	Delhi Iron & Steel Co., G.T. Road, Gaziabad.	Structural Steel (standard quality)— IS : 226-1969
38.	CM/L-1417 27-3-1967	1-7-75	30-6-76	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1767
39.	CM/L1455 12-6-1967	16-6-75	15-6-76	Bengal United Co, Pvt. Ltd. Brojonath Lahiri Lane, P.O. Santragachi, Howrah.	(i) Sluice valves for water works purpose (with non-ferrous spindles and rings), class I, from 50 mm upto and including 300 mm size— IS : 780-1969 (ii) Sluice valves for water works purposes, class I, Double flanged, 500 mm size only— IS : 2906-1969; and (iii) Sluice valves for water works purposes class II, Double flange, from 350 mm upto and including 1200 mm size— IS : 2906-1969
40.	CM/L-1459 15-6-1967	1-7-75	30-6-76	Andhra Industrial Works, C-2 Industrial Estate, Cuddapah (A.P.)	AAC & ACSR conductors — IS : 398-1961
41.	CM/L-1468 29-6-1967	1-7-75	30-6-76	Dev Brothers, S-145, Industrial Area, Jullundur City	Hockey sticks— IS : 829-1965
42.	CM/L-1511 8-9-1967	1-8-75	31-1-76	Hemu Production (India) Mamubahanja, Aligarh (U.P.)	Morticelocks (vertical type) — IS : 2209-1970

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. CM/L-1600 27-12-1967	1-7-75	30-6-76	Traco Cable Company Ltd., Irimpanam, Thiruvamkulam Village, Kanayannur Taluk, Ernakulam Distt. (Kerala State)	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
44. CM/L-1606 5-1-1968	16-1-75	15-1-76	Hind Metal Industries, 1, P.N. Mitra Lane. Tolloygunge, Calcutta-53.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
45. CM/L-1624 16-1-1968	16-7-75	15-7-76	M.N. Chatterji & Co., P-48, Banaras Road. Howrah-5	V-grooved pulleys B 200— IS : 3142-1965
46. CM/L-1628 25-1-1968	1-7-75	31-12-75	Rashtriya Metal Industries Ltd. Andheri Kurla Road, J.B. Nagar, Bombay-59 AS	Copper sheets and strap for utensils and general purposes — IS : 1550-1967
47. CM/L-1963 13-5-1968	1-7-75	30-6-76	Prakash Pulverising Mills, Industrial area. Alwar (Rajasthan)	Aldrin emulsifiable concentrates — IS : 1307-1958
48. CM/L-1722 14-6-1968	16-6-75	15-6-76	Indo-American Electricals Ltd., G. T. Road. Durgapur-1, Dist. Burdwarn, West Bengal.	(i) Enamelled round copper wire with high mechanical properties and (ii) Enamelled round copper wire for elevated temperatures— IS : 4800 (Parts IV & V)—1968
49. CM/L-1842 25-11-1968	16-7-75	15-7-76	The Kerala Electrical & Allied Engg Co Ltd. Kanjiracode, Kundara, (Kerala)	Three-phase induction motors, 2.2 kW (5 HP) to 7.5 kW (10 HP) with class 'A' insulation — IS : 325—1970
50. CM/L-1873 23-12-1968	1-7-75	30-6-76	Joy Ice-cream (Bengalore) Pvt. Ltd., Main Road, Whitefield, Bangalore Distt.	Ice creams — IS : 2802-1964
51. CM/L-1880 30-12-1968	1-7-75	30-6-76	Wood Craft Products Ltd., P.O. Jeypore, Distt. Lakhimpur (Uppar Assam)	Wooden flush door shutters (solid core type) with plywood face panels — IS :2202 (Part) I) — 1973
52. CM/L-1934 17-3-1964	1-4-75	31-3-76	Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant. P.O. Durgapur-3 District Burdwan	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement — IS : 1786-1966
53. CM/L-1936 13-3-1969	1-7-75	31-12-75	Adrian Plywood Industries (Pvt) Ltd., Anjummna, Padivattam, Edapally P.O., Ernakulam Distt	Tea-chest plywood panels — IS : 10-1970
54. CM/L-1948 31-3-1969	1-7-75	30-6-76	Bhagsons Paint Industries (India), 16A, DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.	(1) Enamel, interior (a) Undercoating, (b) Finishing, colour as required — IS : 133-1965 (2) Enamel, synthetic, exterior, Type I, white shade, finishing — IS : 2932-1964. (3) Enamel, exterior, Type 2, white shade, finishing — IS : 2933-1964
55. CM/L-1961 30-4-1969	1-7-75	30-6-76	The Punjab State Cooperative Supply & Marketing Federation Limited, 7-8 B, Industrial Area, Mohali, Punjab, Near Chandigarh.	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958
56. CM/L-1977 30-6-1969	1-7-75	30-6-76	India Metal Traders, Plot No. A-21/11-12, Road No. 10, Udhna Udyognagar, Udhna Distt. Surat, (Gujarat)	AAC & ACSR conductors— IS : 398-1961
57. CM/L-2015 9-7-1969	16-7-75	15-7-76	V. K. Engineering Works, 44, Ideal Industrial Estate, Mathuradas Mill Compound, 124, Delisle Road, Bombay-13.	Three-phase squirrel cage induction motors, 0.75 kW (1HP) and 1.5 kW (2 HP) 400/440 volts ratings with class 'A' insulation — IS :325-1970
58. CM/L-2022 23-7-1969	16-7-75	15-1-76	Gupta Engg. Works, Railway Road Kapurthala	Domestic pressure cookers, 4 litres, 5 litrs, 6 litres & 7 litres — IS : 2347-1966
59. CM/L-2124 27-10-1969	1-1-75	31-12-75	The Kerala Tin Works & Machinery Industries, KMC/VII/270, K.K. Road, Kottayam–1 Kerala State.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
60.	CM/L-2145 24-11-1969	16-7-75	15-7-76	Goodwill Light House, Hyfa Buildig, Block No. 1, Safed Pool, Kurla-Andheri Road, Bombay-72 AS	Domestic pressure cookers — IS : 2347-1966
61.	CM/L-2181 24-12-1969	1-7-75	30-6-76	Waxwell & Company, XIV/536, Chittor Road Ernakulam-8 Kerla State.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
62.	CM/L-2192 31-12-1969	1-7-75	31-12-75	Swan (India) P. Ltd. 12/1 Mathura Road, P.O. Amar Nagar, Faridabad.	Ferri-gallo tennate fountain pen ink (0.1 percent iron content)— IS : 220-1972
63.	CM/L-2197 1-1-1970	1-7-75	30-6-76	A.J. Lopez and Sons, XII/335, Power House Road, Ernakulam, Cochin-18	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
64.	CM/L-2228 29-1-1970	1-7-75	30-6-76	Anant Industries (Regd), Near M-30, Industrial Area, Jullundar City (Punjab)	Carpenter's metal bodied jack bench planes, nominal size 50— IS : 4057-1967
65.	CM/L-2240 9-2-1970	1-7-75	31-12-75	A.J. Lopez & Sons, Ernakulam, Cochin-18	Tea-chest battens —battens— IS : 10-1970
66.	CM/L-2241 9-2-1970	1-7-75	30-6-76	South India Plywood Industries, Market Landing, Kottayam, (Kerala State)	Tea-chest battens — IS : 10-1970
67.	CM/L-2259 20-2-1970	1-7-75	30-6-76	Waxwell & Company, 6/90 Palarivattom – Tripunithura Road, Palarivattom, Ernakulam Kerala State.	Tea-chest battens — IS : 10-1970
68.	CM/L-2394 19-8-1970	1-7-75	30-6-76	Yogi Raj Chemical Laboratories, Gill Road. Millerganj, Ludhiana.	Ink, stamp pad – IS : 393—1968
69.	CM/L-2399 31-8-1970	1-12-74	30-11-75	Gannon Dunkerlley & Co., Ltd., Old B.P.T. Road, Mahul, Bombay-74 (AS)	Welded low carbon steel gas cylinders of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low pressure liquiefiable gases — IS : 3197-1968
70.	CM/L-2401 1-9-1970	1-3-75	31-8-75	Andhra Steel Corporation Ltd., Thomson Malkapuram, Visakhapatnam (A.P.)	Gold twisted steel bars for concret reinforcement— IS : 1786-1966
71.	CM/L-2430 20-10-1970	16-4-75	15-4-76	Rockweld Electrodes India Ltd. 29, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel— IS : 814 (Parts I & II)-1974
72.	CM/L-2461 30-11-1970	1-7-75	31-12-75	Yogi Raj Chemical Laboratories, Gill Road, Millerganj, Ludhiana.	Correcting fluid— IS : 4175-1967
73.	CM/L-2466 30-11-1970	1-8-75	31-7-76	Artee Minerals, 15/7, Mathura Road, Faridabad (Haryana).	BHC emulsifiable concentrates— IS : 632-1966
74.	CM/L-2493 24-12-1970	1-7-75	30-6-76	Met-Cab Industries, Bharat Coal Compound, Bel Bayar, Kurla, Bombay-70 (AS)	AAC & ACSR conductors IS : 398-1961
75.	CM/L-2544 18-2-1971	16-6-75	15-6-76	Fort Gloster Industries Ltd., Bauria, Distt. Hooghly, S.E. Rly.	Rubber insulated flexible trailing cables for use in coal mines IS : 691-1966
76.	CM/L-2550 19-2-1971	1-7-75	30-6-76	Jatendra Timber Industries, W-3, Industrial Area, Yamunagar.	Plywood tea-chest battens— IS : 10-1970
77.	CM/L-2670 23-4-1971	1-5-75	30-4-76	Shri Ambica Cylender Manufacturing Co., (A Division of Shri Ambica Mills Ltd.), Vatva, Taluka Daskoi Ahmedabad (Gujarat).	Welded low carbon steel gas cylinders of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low pressure liquefiable gases— IS : 3196-1968
78.	CM/L-2757 1-9-1971	16-7-75	30-4-76	Krishna Miners & Traders, 12, Industrial Area, Jaipur West, Jaipur.	BHC dusting powders— IS : 561-1972
79.	CM/L-2810 12-11-1971	16-5-75	15-5-76	Makali Engineering Works, 123/2, Netaji Subhas Road, Howrah.	(i) Sluice valves for water works purposes class I and class II upto and including 300 mm sizes— IS : 780-1969 and (ii) Sluice valves for water works purposes class II upto and including 1200 mm sizes— IS : 2906-1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
80.	CM/L-2966 10-3-1972	1-8-75	31-7-76	Pulling & Lifting Machines (P) Ltd., B-10, Industrial Area No. 3, Meerut Road, Ghaziabad (U.P.).	Universal gearless hand operated pulling and lifting machines of following ratings : (i) 1.6 tonnes lifting capacity and 2.6 tonnes pulling capacity (ii) 3.2 tonnes lifting capacity and 5.2 tonnes pulling capacity— IS : 5604-1970
81.	CM/L-3033 30-3-1972	1-7-75	30-6-76	Chemicals & Insecticides, Ram Nagar, Karanjaha, P.O. Bhaisaha Rly. Station, Kushmi (NER), Gorakhpur.	Formulations based on stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates— IS : 2358-1963
82.	CM/L-3041 11-4-1972	16-4-75	15-4-76	Assam Carbon Products Ltd., Industrial Estate, Bamuninmaidan, Gauhati-21 (Assam).	Carbon brushes for electrical machines— IS : 3003 (Part I)-1966
83.	CM/L-3078 31-5-1972	16-6-75	15-6-76	Jeypore Timber & Veneer Mills Private Ltd., P.O. Jeypore, Assam	Tea-chest battens— IS : 10-1970
84.	CM/L-3089 27-6-1972	1-7-75	15-4-76	Metal Udyog Pvt. Ltd., Pratapnagar, Industrial Estate, Udaipur (Rajasthan).	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1974
85.	CM/L-3090 3-7-1972	1-7-75	30-6-76	Associated Glass Industries Ltd., Varadanagar, Kukat-pally, Hyderabad-18.	Glass milk bottles— IS : 1392-1971
86.	CM/L-3101 13-7-1972	1-7-75	30-6-76	Hindustan National Glass & Industries Ltd., Bahadurgarh, Distt. Rohtak (Haryana).	Glass milk bottles— IS : 1392-1971
87.	CM/L-3207 1-11-1972	16-6-75	15-12-75	Vicki Electronics, Plot No. 92C, Kandivilee Industrial Estate, Kandivilee, Bombay-67.	PVC insulated cables : (i) Single core, unsheathed, 250/440 volts grade with copper conductor, and (ii) Single core, sheathed, 650/1100 volts grade with aluminium conductors— IS : 694 (Part I & II)-1964
88.	CM/L-3229 28-11-1972	1-7-75	31-12-75	P.N.M. Company, Perundurai Road, Erode-3.	DDT DP— IS : 564-1961
89.	CM/L-3279 5-1-1973	1-1-75	31-12-75	Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Kalmeshwar, Near Kalmeshwar Rly. Station, Tehsil Saoner, Distt. Nagpur (Maharashtra).	Welded low carbon steel gas cylinders of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low purpose liquefiable gases— IS : 3196-1968
90.	CM/L-3281 8-1-1973	16-3-75	15-9-75	Calcutta Containers & Printing Works, 99/4D, Karaya Road, Clacutta-19.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
91.	CM/L-3314 31-1-1973	1-2-75	31-1-76	Radio & Electricals Mfg Co. Ltd., Mysore Road, Bangalore-26.	Thermoplastic insulated weatherproof cables, PVC insulated & PVC sheathed with aluminium conductor :— (i) Single-core, 250/440 volts and 650/1100 volts grade and (ii) Twin core, flat, 250/440 volts grade— IS : 3035(Pt I)-1965
92.	CM/L-3326 6-2-1973	16-2-75	15-2-76	Singhania Commercial Corporation, 10 Hurro Chandra Mullick Street, Calcutta-5	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
93.	CM/L-3327 6-2-1973	1-2-75	31-1-76	Radio & Electricals Mfg Co. Ltd., Mysore Road, Bangalore-26.	PVC insulated (heavy duty) unarmoured electric cables for working voltages upto and including 1100 volts with copper conductor— IS : 1554 (Part I)-1964
94.	CM/L-3404 30-4-1973	1-5-75	30-4-76	Silver Light Nirlepware Industries Pvt. Ltd., B-8, Industrial Area, Near Railway Station, Aurangabad.	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils— IS : 21-1969

1	2	3	4	5	6
95.	CM/L-3405 1-5-1973	16-5-75	15-5-76	Apeejay Structurals Ltd., P.O. Rajbandh, Distt. Burdwan (W. Bengal).	Welded low carbon steel gas cylinders of 26.9 litres and 33 litres water capacity for the storage and transportation of liquefiable petroleum gases— IS : 3196-1968
96.	CM/L-3410 7-5-1973	16-5-75	15-5-76	Sisco Pharmaceuticals (Madras), 154, Nyniappa Naicken Street, Madras-3 (Tamil Nadu).	Dye based inks— IS : 1221-1971
97.	CM/L-3416 14-5-1973	16-3-75	15-3-76	Indian Eyelets Industries, 33, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.	Permanent rubber based adhesives for footwear industry— IS : 4663-1968
98.	CM/L-3435 11-6-1973	16-6-75	15-6-76	Hind Inks (India), 86 Shekhwara, Unnao (U.P).	Fountain pen ink— IS : 1221-1971
99.	CM/L-3448 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Chemical India, Industrial Area, Sethi Bhavan, Near D.C. Office, Akola.	BHC WDP— IS : 562-1972
100.	CM/L-3449 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Do.	BHC DP— IS : 561-1972
101.	CM/L-3450 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Do.	Malathion EC— IS : 2567-1973
102.	CM/L-3451 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Do.	Aldrin EC— IS : 1307-1958
103.	CM/L-3452 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Do.	Endrin EC— IS : 1310-1974
104.	CM/L-3456 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	The Punjab State Cooperative Supply & Marketing Federation Limited, 7-8B, Industrial Area, Mohali, Punjab, Near Chandigarh.	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1963
105.	CM/L-3457 28-6-1973	1-7-75	30-6-76	Revived Saranjam Karyalaya, Unit No. 3, Kharavela Nagar, Bhubaneswar-1.	Beehive— IS : 1515-1969
106.	CM/L-3462 29-6-1973	1-7-75	30-6-76	Chemicals & Insecticides, Ram Nagar, Karanjaha, P.O. Bhaisaha, Rly. Station Kushmi (NER), Gorakhpur.	BHC DP— IS : 561-1972
107.	CM/L-3476 10-7-1973	16-7-75	15-7-76	Mutual Steel Industries, 47, Kandivli Industrial Estate, Kandivli (West) Bombay-400067.	Plastic water closets seats and covers (phenolic plastics and urea formaldehyde) IS : 2548-1967
108.	CM/L-3489 24-7-1973	16-7-75	15-7-76	Hindustan Copper Ltd. (Indian Copper Complex), Moulahander, Ghatalla, Distt. Singhbhum, Bihar.	Rolled brass plate, sheet, strip and foil— IS : 410-1967
109.	CM/L-3615 30-11-1973	1-6-75	31-5-76	H. Maula Bukhsh Sons & Co., 88/22, Nala Road, Sisamau, Kanpur.	Miner's safety leather boots with leather sole (Type I)— IS : 1989-1973
110.	CM/L-3718 15-2-1974	16-2-75	15-8-75	Eastern Tin Manufacturing Co., 28, Madan Mohan Street, Calcutta-7.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970
111.	CM/L-3747 15-3-1974	16-7-75	15-1-76	Hyderabad Chemical Supplies (Pvt.) Ltd., A-24-25, Assisted Industrial Estate, Balangar, Hyderabad-500037.	Malathion BC— IS : 2567-1973
112.	CM/L-3848 31-5-1975	16-6-75	15-12-75	Vicki Electronics, Plot No. 92-C, Kandivlee Industrial Estate, Kandivlee West, Bombay-67 (Maharashtra).	PVC insulated (Heavy duty) unarmoured electric cables for working voltages up to and including 1100 volts with copper conductor— IS : 1554 (Part I)-1964
113.	CM/L-3849 31-5-1974	16-6-75	15-6-76	Premier Industries, Trichy Road, Singanallur (Post) Coimbatore-5 (Tamil Nadu)	Three-phase induction motors upto and including 3.7 kW (5HP) with class 'A' insulation— IS : 325-1970
114.	CM/L-3856 21-6-1974	1-7-75	30-6-76	British Electrical & Pumps Pvt. Ltd., 17, Taratalla Road, Calcutta-700053.	Agricultural pumps size 50 mm × 50 mm only— IS : 6595-1972

1	2	3	4	5	6
115.	CM/L-3861 28-6-1974	1-7-75	31-12-75	Hindustan Lime Products, Sojat Road, (W. Rly), Rajasthan.	Hydrated lime—Grade A & B— IS : 1540 (Part II)-1970
116.	CM/L-3863 28-6-1974	1-7-75	30-6-76	Travancore Chemical & Mfg. Co. Ltd., Post Box No. 19, Kalmassery (Kerala State).	Copper oxychloride technical— IS : 1486-1969
117.	CM/L-3871 3-7-1974	1-2-75	31-1-76	Burn & Co. Ltd, Howrah Iron Works, 20/21/22, Nityadhone Mukherjee Road, Howrah.	Sluice valves for water works purposes— IS : 780-1969
118.	CM/L-3873 3-7-1974	16-7-75	15-7-78	Nilsin Carbonink Manufacturing Co. Pvt. Ltd., 26/B, Vatva Industrial Township, Vatva, Distt Ahmedabad.	Carbon paper for type-wirter Type III & pencil carbon paper— IS : 1551-1959
119.	CM/L-3881 15-7-1974	16-7-75	15-7-76	Karnataka Chemical Industries Corporation, Functional Industrial Estate, Peenya, Bangalore.	Copper sulphate technical— IS : 261-1966
120.	CM/L-3883 15-7-1974	16-7-75	15-7-76	Crop Health Products Pvt. Ltd., D-31-1, U.P. State Industrial Area, Meerut Road, Ghaziabad.	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1973
121.	CM/L-3884 15-7-1974	16-7-75	15-6-76	Prakash Pulversing Mills, Industrial Area, Alwar (Rajasthan).	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1973
122.	CM/L-3912 5-8-1974	1-8-75	31-7-76	Kanoria Jute Mills, Sijberia, Ulberia, Distt Howrah.	Indian hessian— IS : 2818 (Parts II & III)-1971
123.	CM/L-3913 5-8-1974	1-8-75	31-7-76	Kanoria Jute Mills, Sijberia, Ulberia, Distt. Howrah.	A—twill jute bags— IS : 1943-1964 B—twill jute bags— IS : 2566-1965

[No. CMD/13 : 12]

Y. S. VENKATESWARAN, Addl. Director General

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जून, 1978

का० आ० 1737.—केन्द्रीय सरकार, मछली तथा मछली से बनी वस्तुओं के निर्यात (क्वालिटि नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 के नियम 5 के साथ पठत निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में के व्यक्तियों के विशेषज्ञ पैनल को, उसके स्तम्भ (1) की तत्स्थानी प्रविष्टि में उल्लिखित क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाले, उक्त धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन स्थापित अभिकरण के विनिश्चय के विरुद्ध अपीलों को सुनवाई करने के लिए प्राधिकरण के रूप में गठित करती है :

परन्तु यदि उक्त पैनल का कोई सदस्य किसी अपील की विषय वस्तु में वैयक्तिक रूप से हितबद्ध हो, तो वह उस अपील से संबंधित कार्यवाहियों में भाग नहीं लेगा ।

सारणी

वह प्राधिकारी जिसके विनिश्चय के विरुद्ध अपील हो सकती है तथा वे क्षेत्र जिनमें निरीक्षण किया गया है ।	वे व्यक्ति, जो विशेषज्ञों के पैनल में होंगे और जिनको अपील हो सकती है ।
1	2
1. केरल तथा कर्नाटक राज्यों तथा लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में निरीक्षण करने वाला अभिकरण—कोचीन	1. श्री आर० माधवन नायर, कोचीन कपनी (प्रा०) लि०, एणकुलम्, कोचीन । —अध्यक्ष
	2. निदेशक मेरीन प्रोडक्टस एक्सपोर्ट डेवेलपमेंट अथोरिटी कोचीन —पदेन
	3. निदेशक—मछलीपालन केरल या कर्नाटक सरकार
	4. प्रधान या उप-प्रधान, सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, कोचीन
	5. श्री वी० के० सदानन्दन, कार्यिका मेरीन इन्डस्ट्रीज, कोचीन ।
	6. श्री सी० चेरियन, निदेशक, केमीन्स एक्सपोर्ट (प्रा०) लि०, कोचीन ।
	7. प्रधान या उप-प्रधान, मैसूर सीफूड कैनर्स, फ्रीजर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (रजि०) होर्डिंगेबाजार, मैंगलूर ।

1	2
	असदस्य संयोजक
	8. उप मुख्य कार्यपालक, निर्यात निरीक्षण अभिकरण, कोचीन ।
2. महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों तथा गोआ, दमन तथा दीव तथा दादरा तथा नगर हवेली के संघ राज्य क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाला अभिकरण—मुम्बई ।	1 श्री आर० डी० एस० पुसालकर, न्यू इंडिया फिशरीस, मुम्बई अध्यक्ष
	2 निदेशक मछलीपालन महाराष्ट्र या गुजरात या गोआ की सरकार पदेन
	3. उप निदेशक, मेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवेलपमेंट अथोरिटी, मुम्बई ।
	4. महाप्रबन्धक, गुजरात फिशरीस जनरल कोऑपरेटिव एसोसिएशन, सीसून डॉक, कोलाबा, मुम्बई ।
	5 श्री के० ए० करीउप्पा, रेलीस इंडिया लि०, 21, रेवलाइन स्ट्रीट, मुम्बई-1
	6. प्रशासक, महाराष्ट्र राज्य मछीमार, सहकारी संघ लि०, मुम्बई ।
	7. डॉ० के० ए० सवागों, मैसर्स ब्रिटेनिआ सीफूड, मुम्बई । असदस्य संयोजक
	8. उप-मुख्य कार्यपालक, निर्यात निरीक्षण अभिकरण, मुम्बई ।
3. आन्ध्र प्रदेश तथा तमिल नाडु राज्यों तथा पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों मे निरीक्षण करने वाला अभिकरण, मद्रास ।	1. श्री एम्ब्रोज फर्नीनडो, प्रधान, फिश एक्सपोर्टर्स चैम्बर, तूतीकोरीन अध्यक्ष
	2. निदेशक, मछलीपालन, तमिलनाडु सरकार, मद्रास ।
	3. उप निदेशक, टेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवेलपमेंट अथोरिटी, मद्रास ।
	4 प्रधान या उप-प्रधान, तमिलनाडु मेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ।
	5. श्री आर० के० रस्तोगी, मार्केटिंग मैनेजर, मैसर्स यूनियन कार्बाइड, विशाखापत्तनम् ।
	6. श्री के० ए० कुरीअन, सदर्न सीफूड (प्रा०) लि, मद्रास ।
	7. श्री डी० चन्दरन, निदेशक, मैसर्स लिबर्टी कोल्ड स्टोरेज, मद्रास । असदस्य संयोजक
	8 उप-मुख्य कार्यपालक निर्यात निरीक्षण अभिकरण, मद्रास ।
4 असम, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, उड़ीसा तथा पश्चिमी बंगाल राज्यों तथा अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम तथा अंदमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने वाला अभिकरण, कलकत्ता ।	1. डॉ० ए० एन० बोस, उप-कुलपति, जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता—अध्यक्ष
	2 निदेशक, मछलीपालन, उड़ीसा या पश्चिमी बंगाल सरकार ।
	3. उप-निदेशक, मेरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवेलपमेंट अथॉरिटी, कलकत्ता ।
	4 श्री एनटोनी विनसेंट, मैसर्स पुरी मेरीन प्रोडक्ट्स, पुरी ।
	5. श्री सी० एम० एस० राव, आई० टी० सी०, कलकत्ता ।
	6. श्री ए० के० सेन, मैसर्स कलकत्ता सीफूड, 10, ककड लेन, कलकत्ता-1.
	7. श्री एस० आर० बैनर्जी, मैसर्स ऐसोसिएटिड इन्टरनेशनल कारपोरेशन, 11, पोलोक स्ट्रीट, कलकत्ता-1 असदस्य संयोजक
	8 उप-मुख्य कार्यपालक, निर्यात निरीक्षण अभिकरण, कलकत्ता ।

[सं० 6(21)/76-नि० नि० तथा नि० उ०]

सी० बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 17th June, 1978

S.O. 1737.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with rule 5 of the Export of Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1977, the Central Government hereby constitutes the panel of experts consisting of the persons mentioned in column (2) of the

Table given below as the authority for hearing appeals against the decisions of the agency established under sub-section (1) of the said section 7 carrying out inspection in the areas mentioned in the corresponding entry in column (1) thereof :

Provided that where a member of any of the said panel is personally interested in the subject matter of any appeal, he shall not take part in the proceedings relating to that appeal.

TABLE

Authority against whose decision appeal lies and the areas in which inspection is carried	Persons constituting the panel of experts to which appeal lies
1	2
1. Agency—Cochin carrying out inspection in the areas covered by the states of Kerala and Karnataka and the Union territory of Lakshadweep.	1. Shri R. Madhavan Nair, Cochin Company (P) Ltd., Ernakulam, Cochin.—Chairman. 2. The Director, Marine Products Export Development Authority, Cochin.— Ex-officio. 3. The Director of Fisheries, Government of Kerala or Karnataka. 4. The President or Vice-President. 4. Seafood Exporters' Association of India, Cochin. 5. Shri P.K. Sadanandar, Karthika Marine Industries, Cochin. 6. Shri C. Cherian, Director, Chemmeens Exports (P) Ltd., Cochin. 7. The President or Vice-President, The Mysore Seafood Canners Freezers and Exporters' Association (Regd.) Hoigebazar, Mangalore. Non-Member Convenor 8. The Deputy Chief Executive, Export Inspection Agency, Cochin.
2. Agency—Bombay : Carrying out inspection in the areas covered by the States of Maharashtra and Gujarat and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar, Haveli.	1. Shri R.D. Pusalkar, New India Fisheries, Bombay—Chairman. 2. The Director of Fisheries, Government of Maharashtra or Gujarat or Goa.—Ex-officio. 3. The Deputy Director, Marine Products Export Development Authority, Bombay. 4. The General Manager, Gujarat Fisheries Central Co-operative Association, Sassoon Dook, Colaba, Bombay.
1	2
	5. Shri K.A. Cariappa, Rallis India Ltd., 21 Raveline Street, Bombay-1. 6. The Administrator, Maharashtra Rajya Machimar, Sahokari Sanga Limited, Bombay. 7. Dr. K.A. Savagaon, M/s. Britania Seafoods, Bombay. Non-Member Convenor 8. The Deputy Chief Executive, Export Inspection Agency, Bombay.
3. Agency—Madras : Carrying out inspection in the areas covered by the States of Andhra Pradesh and Tamil Nadu and the Union territory of Pondicherry.	1. Shri Ambrose Fernando, President, Fish Exporters' Chamber, Tuticorin.—Chairman. 2. The Director of Fisheries, Government of Tamil Nadu, Madras. 3. The Deputy Director, Marine Products Export Development Authority, Madras. 4. The President or Vice-President, Tamil Nadu Marine Products Exporters' Association. 5. Shri R.K. Rastogi, Marketing Manager, M/s. Union Carbide, Visakhapatnam. 6. Shri K.A. Kurian, Southern Seafoods (P) Ltd., Madras. 7. Shri D. Chandran, Director, M/s. Liberty Cold Storage, Madras. Non-Member Convenor 8. The Deputy Chief Executive, Export Inspection Agency, Madras.
4. Agency—Calcutta : Carrying out inspection in the areas covered by the States of Assam, Bihar, Nagaland, Manipur, Tripura, Meghalaya, Orissa and West Bengal and the Union territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and the Andaman and Nicobar Islands.	1. Dr. A.N. Bose, Vice-Chancellor, Jadavpur University, Calcutta.—Chairman 2. The Director of Fisheries, Government of Orissa or West Bengal. 3. The Deputy Director, Marine Products Export Development Authority, Calcutta. 4. Shri Antony Vincent, M/s. Puri Marine Products, Puri.

1	2
	5. Shri C.M.S. Rao, I.T.C. Calcutta.
	6. Shri A.K. Sen, M/s. Calcutta Seafoods, 10, Crooked Lane, Calcutta-1.
	7. Shri S.R. Banerjee, M/s. Associated International Corporation, 11, Pollock Street, Calcutta-1.
	Non-Member Convenor
	8. The Deputy Chief Executive, Export Inspection Agency, Calcutta.

[No. 6 (21)/76-EI & EP]
C B. KUKRETI, Jt. Director

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का०आ० 1738.—निर्यात के लिए बासमती चावल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1978 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनका इससे प्रभावित होना सम्भाव्य है, प्रकाशित किया जाता है तथा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन की अवधि समाप्त होने पर या उस के बाद विचार किया जाएगा ।

2. उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व किसी भी व्यक्ति से प्राप्त होने वाले किसी भी आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

नियमों का प्रारूप

निर्यात के लिए बासमती चावल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1978

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ . (1) इन नियमों को संक्षिप्त नाम निर्यात के लिए बासमती चावल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1978 है।

(2) ये भारत में उत्पादित बासमती चावल को लागू होंगे ।

2 परिभाषाएं : इन नियमों में :

(क) "कृषि विपणन सलाहकार" से कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार अभिप्रेत है ;

(ख) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है

(ग) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है, जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार द्वारा ऐसा प्राधिकार-पत्र जारी किया गया है जिसमें उस व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को एगमार्क के अधीन बासमती चावल को श्रेणीकृत और चिह्नांकित करने का प्राधिकार दिया गया हो ।

3. श्रेणी अभिधान : बासमती चावल की क्वालिटी को उपदर्शित करने वाला श्रेणी अभिधान, अनुसूची 2 और 3 के स्तम्भ 1 में यथादर्शित होगा ।

4 क्वालिटी की परिभाषा श्रेणी अभिधान द्वारा यथादर्शित क्वालिटी अनुसूची 2 और 3 की अनुसूची में उक्त श्रेणी अभिधान के सामने यथादर्शित होगी ।

5 श्रेणी अभिधान चिह्न . श्रेणी अभिधान चिह्न, एक ऐसा लेबल होगा जिसका डिजाइन (जिसमें एगमार्क शब्द सहित भारत का मानचित्र और "भारतीय उत्पाद" शब्द सहित उगते हुए सूर्य का चित्र होगा) जो अनुसूची 1 में बताए गए के अनुसार, और श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने वाला होगा ।

6 चिह्नांकन की पद्धति (1) श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक आधान पर मजबूती से चिपकाया जाएगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त, प्रत्येक आधान पर स्पष्टतया ऐसी विशिष्टियां ऐसी रीति से अंकित होंगी जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।

प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट और अमिट रूप से अंकित की जाएंगी, अर्थात्:—

(क) लॉट संख्या

(ख) पैकिंग की तारीख

(ग) पैकर का नाम

(घ) पैकिंग का स्थान

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करके आधान पर अपना निजी व्यापार चिह्न उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा ;

परन्तु यह तब जब कि निजी व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपदर्शित बासमती चावल की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न न हो।

7. पैकिंग की पद्धति : (1) जूट या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित किसी अन्य पदार्थ से बने मजबूत, स्वच्छ और सूखे आधान पैकिंग के लिए प्रयुक्त होंगे। वे कीटाणु-संक्रमण या फफूंदी संदूषण से मुक्त होंगे और किसी भी अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे ।

(2) आधान, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, मजबूती के साथ बन्द और मोहरबन्द किए जाएंगे।

(3) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी-अभिधान और वाणिज्यिक वर्णन के बासमती चावल होंगे ।

8. प्राधिकार-पत्र की विशेष शर्तें—

साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, इन नियमों के प्रयोजनार्थ जारी किए गए प्रत्येक प्राधिकार-पत्र की शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात्—

(क) प्राधिकृत पैकर बासमती चावल के परीक्षण के लिए ऐसे प्रबन्ध करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित किए जाएं :

(ख) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यक्तः प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी को नमूने लेने, परीक्षण करने आदि के लिए यथावश्यक सभी सुविधाएं प्रदान करेगा ।

अनुसूची-1

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभिधान चिह्न के लिए डिजाइन

(भारत का मानचित्र)

एगमार्क प्रतिकृति

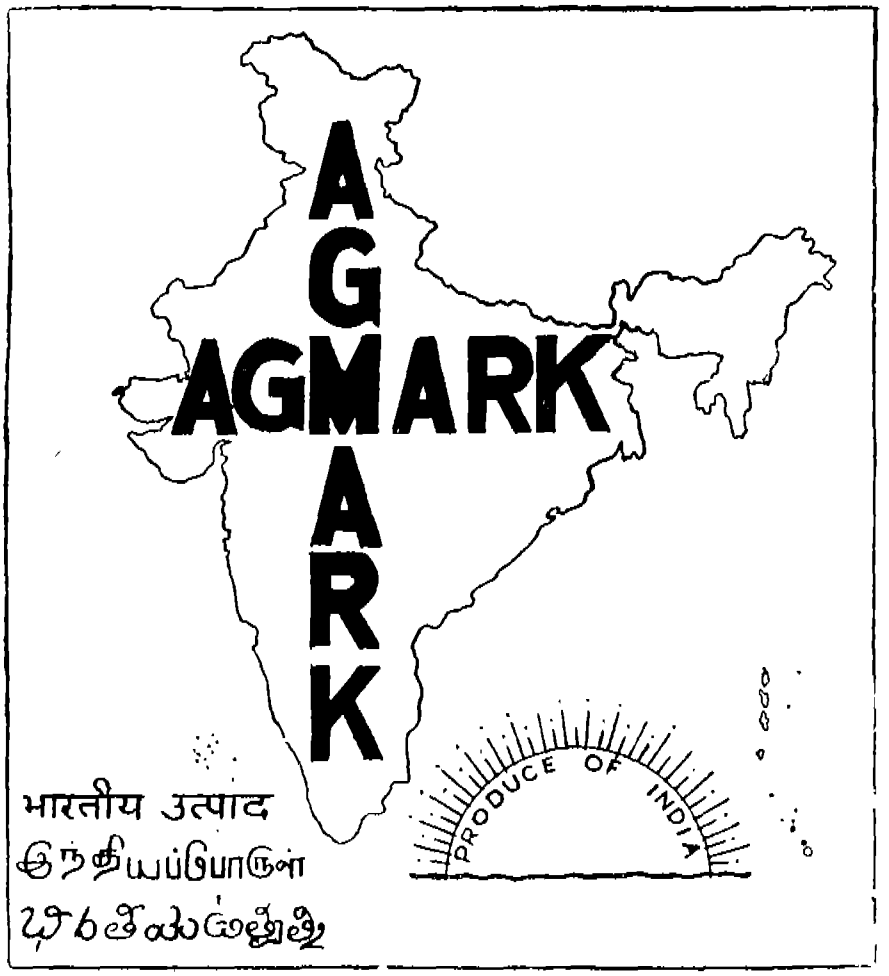

अनुसूची- 2

(नियम 3 और 4 देखें)

(केवल निर्यात के लिए) बासमती कच्चे कूटे चावल के श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	चावल से भिन्न बाह्य पदार्थ	विशेष लक्षण (सहायता की अधिकतम सीमा)								
		टूटे दाने (किनकी)			अन्य चावल जिसमें लाल दाने सम्मिलित है		क्षत विरंजित दाने	चाक जैसा दाना	कुल	नमी
		3/4 से 1/2 आकार	1/2 से 1/4 आकार	1/4 आकार से कम	लम्बी पतली किस्म	लम्बी पतली किस्म भिन्न				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विशेष	प्रतिशत अत्यन्त मात्रा	प्रतिशत 5.0	प्रतिशत 2.0	प्रतिशत कुछ नहीं	प्रतिशत 3.5	प्रतिशत 3.5	प्रतिशत 0.5	प्रतिशत 0.5	प्रतिशत 15.0	प्रतिशत 14.0
क	0.5	7.0	3.0	कुछ नहीं	5.0	5.0	0.5	1.5	22.5	14.0
ख	0.5	7.0	5.0	कुछ नहीं	8.0	5.0	0.5	2.5	26.5	14.0

सामान्य लक्षण : 1. दाने श्वेत क्रीमी या स्लेटी से रंग के लम्बे-पतले और परिभासक होंगे।

2. चावल :—

(क) ओरिजा सटीवा एल० की सूखी परिपक्व गिरी और समरूप आकार तथा आकृति के होंगे।

(ख) में कच्ची और पक्की दोनों अवस्थाओं में बासमती चावल की लाक्षणिक प्राकृतिक सुगन्ध काफी मात्रा में होगी।

(ग) कृत्रिम : रंजित किए हुए नहीं होंगे और मार्जन कर्मकों से मुक्त होंगे।

(घ) इसमें 3 प्रतिशत तक दाने हो सकते हैं जिन पर अच्छा खासा चोकर हो,

(ङ) पूरबी गन्ध और दुर्गन्ध से मुक्त होंगे और उसमें फफूंदी का कोई चिह्न नहीं होगा तथा उसमें जाली और जीवित या मृत घुन भी नहीं होंगे।

(च) में लम्बाई चौड़ाई का अनुपात 3.0 से कम नहीं होगा ;

(छ) अच्छी बिक्री योग्य हालत में होंगे

टिप्पणी :—लाल दाने 2.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

1 मात्रात्मक अवधारणाओं का आधार सभी अवधारण और प्रतिशत द्योतक नमूनों के कुल भार के आधार पर संगणित किए जाएंगे।

2 चाक जैसा दाना चाक जैसा दाना वह होगा जिसका आधा या आधे से अधिक चाक जैसा होगा।

अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखें)

(केवल निर्यात के लिए) बासमती उसना चावल के श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषा

विशेष लक्षण (सहायता की अधिकतम सीमा)

श्रेणी अभिधान	चावल से भिन्न खाद्य पदार्थ	खण्डित अनाज (किनकी)			अन्य चावल जिसमें लाल दाने सम्मिलित है।		क्षत/विरंजित दाने	चाक जैसा दाना	कुल	नमी
		3/4 से 1/2 आकार	1/2 से 1/4 आकार	1/4 आकार से कम	लम्बी पतली किस्म	लम्बी पतली किस्म से भिन्न				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विशेष	प्रतिशत अत्यल्प	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत
क	मात्रा	5.0	2.0	नहीं	3.5	3.5	0.5	1.0	15.0	14.0
ख	0.5	7.0	3.0	नहीं	5.0	5.0	0.5	2.0	23.0	14.0
	0.5	7.0	3.0	नहीं	7.0	5.0	0.75	3.0	26.25	14.0

सामान्य लक्षण : 1. दाने श्वेत रंग के लम्बे पतले और अत्यधिक पारभासक होंगे तथा उसमें वाणिज्यिक रूप से स्वीकार्य अनुपात में औदरिक श्वेत दाने भी होंगे।

2 चावल :

(क) ओरिजा सटीवा एल० की सभी परिपक्व गिरी और समरूप आकार तथा आकृति का होगा।

(ख) फफूंदी गन्ध और दुर्गन्ध से मुक्त होंगे और उसमें फफूंदी का कोई चिह्न नहीं होगा तथा उसमें जाली और जीवित या मृत घुन भी नहीं होंगे।

(ग) कृत्रिम : रंजित किए हुए नहीं होंगे और अत्यल्प मात्रा में मैदा को छोड़कर मार्जन-साधकों से मुक्त होंगे।

(घ) इसमें 3 प्रतिशत तक दाने हो सकते हैं जिन पर अच्छा खासा चोकर हो।

(ङ) में लम्बाई चौड़ाई का अनुपात 3.0 से कम नहीं होगा।

(च) अच्छी बिक्री योग्य हालत में होंगे।

टिप्पणी :—लाल दाने 2.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

1. मात्रात्मक अवधारणों या आधार सभी अवधारण और प्रतिशत द्योतक नमूनों के कुल भार के आधार पर संगणित किए जाएंगे।

2. चाक जैसा दाना चाक जैसा दाना वह दाना होगा जिसका आधे या आधे से अधिक चाक जैसा होगा।

[संख्या 13/9/72-ए० एम०],

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1738.—The following draft of the Basmati Rice for **Export Grading and Marking Rules, 1978** which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of fourty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified shall be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

Basmati Rice for Export Grading and Marking Rules, 1978.

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Basmati Rice for Export Grading and Marking Rules, 1978.

(2) They shall apply to Basmati Rice produced in India.

2. Definitions.—In these rules.—

(a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(b) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

(c) "authorised packer" means any person or body of persons who has been issued a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser authorising such person or body of persons to grade and mark Basmati Rice under Agmark.

3. Grade designation.—Grade designation to indicate the quality of Basmati Rice shall be as set out in column 1 of the Schedules II and III.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designation shall be as set out against each grade designation in Schedules II and III.

5. Grade designation marks.—The grade designation mark shall consist of a label bearing a design (consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीयउत्पाद" resembling the one as set out in Schedule I and specifying the grade designation.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, each container shall be clearly marked with such particulars and in such manner as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser.

The following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container, namely :—

(a) the serial number of the lot,

(b) date of packing,

(c) name of the packer,

(d) place of packing.

(3) An authorised packer may after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of Basmati Rice different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with the rules.

7. Method of packing.—(1) Only sound clean and dry containers made of jute or any other material as may be approved by Agricultural Marketing Adviser shall be used for packing. They shall be free from any insect infestation or fungus contamination and also free from any undesirable smell.

(2) The containers shall be securely closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) Each package shall contain Basmati Rice of the trade description and one grade designation only.

8. Special conditions of certificate of authorisation.—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following shall be the conditions of every certificate of authorisation issued for the purpose of these rules, namely :—

(a) An authorised packer shall make such arrangements for testing Basmati Rice as may be prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

(b) An authorised packer shall provide all facilities as may be necessary for sampling, testing etc., to the inspecting officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser, in this behalf.

SCHEDULE I

DESIGN FOR THE GRADE DESIGNATION MARK

MAP OF INDIA

AGMARK REPLICA

SCHEDULE II

(See rule 3 and 4)

Grade Designations and definition of quality of Basmati raw milled rice (for Export only)

Grade designation	Special Characteristics (Maximum limits of tolerance)									
	Foreign matter other than rice	Broken grains			Other rice including red grains*		Damaged discoloured grains.	Chalky grains	Total	Moisture
		¾ to ½ size	½ to ¼ size	below ¼ size	Long slender varieties	Other than long slender varieties				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent
Special	Traces	5.0	2.0	nil	3.5	3.5	0.5	0.5	15.0	14.0
A	0.5	7.0	3.0	nil	5.0	5.0	0.5	1.5	22.5	14.0
B	0.5	7.0	3.0	nil	8.0	5.0	0.5	2.5	26.5	14.0

General Characteristics : 1. The grains shall be long slender of white creamy or greyish colour and translucent.

2. The rice :—
   (a) Shall be the dried matured kennals of oryza satival and have uniform size and shape;
   (b) Shall possess in a marked degree the natural fragrance characteristic of Basmati Rice both in the raw and cocked state;
   (c) Shall not have been artificially coloured and shall be free from polishing agents;
   (d) May contain upto 3 percent of grains with an appreciable amount of bran thereon;
   (e) Shall be free from musty or obnoxious odour and shall carry no sign of mould or containing webs and dead or live weevils;
   (f) Shall have length breadth ratio of not less than 3.0;
   (g) Shall be in sound merchantable condition.

NOTES :— *Red grains shall not exceed 2.0 percent.

1. Basis of quantitative determinations:— All determinations and percentages shall be reckoned on the basis of the total weight of a representative samples.
2. Chalky grain: A chalky grain shall be a grain of rice one-half or more of which is chalky.

SCHEDULE III

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of Basmati parboiled rice (for export only)

Grade designation	Foreign matter other than rice	Special characteristics (Maximum limits of tolerance)								
		Broken grains			Other rice including red grains*		Damaged/ discoloured grains	Chalky grains	Total	Moisture
		¾ to ½ size	½ to ¼ size	Below ¼ size	long slender varieties	other than long slender varieties				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent	Percent		Percent
Special	Traces	5.0	2.0	nil	3.5	3.5	0.5	1.0	15.5	14.0
A	0.5	7.0	3.0	nil	5.0	5.0	0.5	2.0	23.0	14
B	0.5	7.0	3.0	nil	7.0	5.0	0.75	3.0	26.25	14

General Characteristics : 1. The grains shall be long slender of white colour and highly translucent and may contain abdominal white in commercially acceptable proportions.

2. The rice :—
   (a) Shall be the dried matured kennals of oryza satival and have uniform size and shape;
   (b) Shall be free from musty or obnoxious odour and shall carry no sign of mould or contain webs or dead or live weeviles ;
   (c) Shall not have been artifically colourd and shall be free from polishing agents other than slight trace of maida (wheat flour);
   (d) May contain upto 3 percent of grains with an appropriable amount of bran thereon;
   (e) Shall have length breadth ratio of not less than 3.0;
   (f) Shall be in sound merchantable condition.

*Red grains shall not exceed 2.0 percent.

NOTE :—1. Basis of quantitiative determination: All determinations and percentage shall be reckoned on the basis of the total weight of a representative sample.

2. Chalky grains: A chalky grain shall be a grain of rice one half or more of which is chalky.

[No. F.13/9/77-AM]

का०आ० 1739.—खाद्य अण्डा श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा द्वारा यथापेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जा रही है जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

(1) इन नियमों का नाम खाद्य अण्डा श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) खाद्य अण्डा श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1968 में नियम 6 में उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(1) श्रेणी अभिधान चिह्न और श्रेणीकरण की तारीख प्रत्येक खाद्य अण्डे के खोल पर, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित रीति से, रबड़ की स्टाम्प द्वारा अमिट स्याही से सुपाठ्य रूप में चिह्नांकित की जाएगी।

[सं० 10-1/78-ए०एम०]

S.O. 1739.—The following draft of certain rules to amend the Table Eggs Grading and Marking Rules, 1968, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published, as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Table Eggs Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Table Eggs Grading and Marking Rules, 1968, in rule 6, for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) The grade designation mark and the date of grading shall be marked by legibly on each table egg in indelible ink, on the shell by means of a rubber stamp in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India".

[No. F. 10-1/78-A.M.]

का० आ० 1740.—पपैन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1978 के निम्नलिखित प्रारूप, जो केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1)) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाव्य है प्रकाशित किया जाता है। सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

नियमों का प्रारूप

पपैन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1977 है।

(1) संक्षिप्त नाम और लागू होना :	(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पपैन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1978 है।
	(2) ये भारत में उत्पादित कच्चे पपीता फल के पपीता रबड़ और से भारत में तैयार किए किए गए पपैन को लागू होंगे।
(2) परिभाषाएं :	इन नियमों में, जब तक कि सदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—
	(क) कृषि विपणन सलाहकार से अभिप्रेत है कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार।
	(ख) अनुसूची से अभिप्रेत है इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची।
(3) श्रेणी अभिधान :	पपैन की क्वालिटी उपदर्शित करने वाले श्रेणी अभिधान, अनुसूची 2 और 3 के स्तम्भ 2 में यथादर्शित होंगे।
(4) क्वालिटी की परिभाषाएं :	विभिन्न श्रेणी अभिधानों द्वारा उपदर्शित पपैन की क्वालिटी अनुसूची 2 और 3 के स्तम्भ 2 से 11 तक में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने यथादर्शित होगी।
(5) श्रेणी अभिधान चिह्न :	श्रेणी अभिधान चिह्न में (1) या तो ऐसा डिजाइन होगा जिसमें प्राधिकार-पत्र की संख्या, 'एगमार्क' शब्द और कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित श्रेणी निर्गमित होगी, या
	(2) ऐसा लेबल, जिसमें कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित श्रेणी विनिर्दिष्ट होगी और भारत का एक ऐसा नक्शा होगा, जिसमें शब्द 'एगमार्क' और उगते सूर्य सहित 'भारत की उपज' शब्द होंगे, और जो अनुसूची में जैसा दिखाया गया है उसके अनुरूप होगी
(6) चिह्नांकन की पद्धति :	(1) श्रेणी अभिधान चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक पात्र पर अच्छी तरह चिपकाया या मुद्रित किया जायेगा।
	(2) उपर्युक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित विशिष्टियां भी प्रत्येक पात्र पर, स्पष्टतया और अमिट रूप में चिह्नांकित की जाएंगी, अर्थात् —(क) कोड में या सादे अक्षरों में पैकिंग की तारीख (ख) बैच संख्या (ग) शुद्ध भार (घ) पैकिंग का स्थान (ङ) कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर यथा-अपेक्षित कोई अन्य विशिष्टियां।

(3) एक प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्वानुमोदन अभिप्राप्त करके, उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से पात्र पर अपना निजी व्यापार-चिह्न चिह्नांकित करेगा, परन्तु यह कि निजी व्यापार चिह्न, इन नियमों के अनुसरण में पात्र पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपदर्शित पर्पन की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटि या श्रेणी का द्योतक न हो ।

(7) पैकिंग की पद्धति

पर्पन को 151 ग्राम 500 ग्राम 1 कि०ग्रा०, 5 कि० ग्रा०, 10 कि० ग्रा० के पैकेटों में, पॉलीथीन की बोतलों में या पैकटों में या गल्वनीकृत टिनों में पैक किया जाएगा, जिनको कि अनिवार्यत तलीदार डिब्बों/लकड़ी के क्रेटों या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथाअनुमोदित किसी अन्य रीति से पैक किया जाएगा ।

(8) प्राधिकरण-प्रमाण-पत्र की विशेष शर्तें.

साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम-4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, इन नियमों के प्रयोजनार्थ जारी किए गए प्रत्येक प्राधिकार प्रमाण-पत्र का निम्नलिखित विशेष शर्त होंगी, अर्थात् —

(1) प्राधिकृत पैकर, पर्पन का परीक्षण करने के लिए ऐसे प्रबन्ध करेगा जैसे कि कृषि विपणन सलाहकार साधारण या विशेष आदेश द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे ।

(2) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यक्त प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को परीक्षण के लिए यथा आवश्यक सुविधाएं देगा ।

अनुसूची-1

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभिधान चिह्न के लिए डिजाइन

भारत का नक्शा

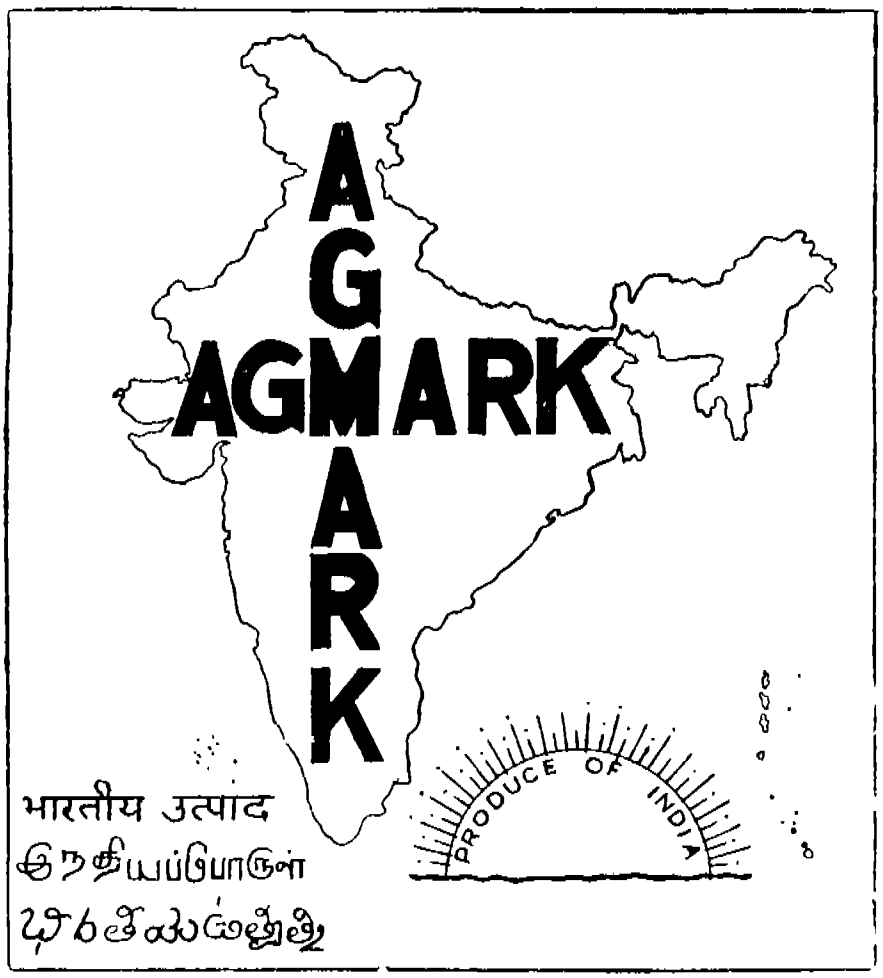

टिप्पण —उस दशा में जहां वस्तुएं, निर्यात के प्रयोजनार्थ श्रेणीकृत की गई है, लेबल में तमिल और तेलगू शब्द नहीं होंगे ।

अनुसूची-2

(नियम 3 और 4)

कच्चे पपैन की क्वालिटी के श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान	भार के अनुसार अधिकतम नमी प्रतिशत	कुल नाइट्रोजन न्यूनतम प्रतिशत	वास्तविक प्रोटीन नाइट्रोजन न्यूनतम प्रतिशत	भार के अनुसार अधिकतम राख का कुल प्रतिशत	भार के अनुसार अधिकतम अम्ल में अविलेय राख का प्रतिशत	भार के अनुसार अधिकतम अल्कोहल में विलेय सार का प्रतिशत	भार के अनुसार अधिकतम ईथर में विलेय सार का प्रतिशत	प्रोटनलयी क्रियाकलाप (एन० 10 एन० एम्रो. एच का मि०) न्यूनतम	सलफर-डी आक्साइड पी० पी० एम० अधिकतम	सामान्य लक्षण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
'मानक'	9.0	9.0	कुल नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत	16.0	0 7	20.00	8.00	6.0	3000	यह उत्पाद पत्रकों या चूर्ण के रूप में कच्चे पपीता/फल (कैरी का पपाया लिन) जो कीट या फंफूदी व आक्रमण से मुक्त हो, के सम्पूर्ण रबड़ क्षीर को धूप में या यांत्रिक शुष्किकों द्वारा सुखाकर तैयार किया जाएगा उत्पाद का रंग हल्के भूरे से भूरे तक होगा । यह पदार्थ पपैन की लाक्षणिक गन्ध से भिन्न गंध और आपत्तिजनक दुर्गन्ध से मुक्त होगा ।

अनुसूची 3

(नियम 3 और 4 देखें)

अमिश्रित पपैन की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
'मानक'	6.0	2.0	कुल नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत	5.0	0.2	10.0	2.0	4.5	3000 पी पी एम	यह उत्पाद, कच्चे पपैन से, हल्के प्रोटीनलयी क्रियाकलापों को कम करने के लिए उपयुक्त तनुकारियो से तनु करके चूर्ण रूप में तैयार किया जाता है । इस उत्पाद का रंग क्रीमी सफेद से हल्के भूरे तक होगा । यह पदार्थ पपैन की लाक्षणिक गन्ध से भिन्न गन्ध और आपत्तिजनक दुर्गन्ध से मुक्त होगा । यह पदार्थ स्टार्च, शर्करा और ऐसे किसी अन्य संघटक, जो पपैन का प्राकृतिक संघटक नही है, से मुक्त होगा । द्रव व्यावहारिक रूप में बाह्य पदार्थों, जैसे कि बालू-कंकर पौधों के पत्तों और वृत्त से भी मुक्त होगा । द्रव में सोडियम या पोटाशियम लवणों के रूप में सल्फर-डाईआक्साइड मिश्रित हो सकता है।

[सं० 13-8/77-ए० एम०]

S.O. 1740—The following draft of the Papain Grading and Marketing Rules, 1978 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is hereby published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of 45 days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry the period so specified, shall be considered by the Central Government.

Draft Rules

The Papain Grading & Marking Rules, 1978.

(1) Short title and application :

(1) These rules may be called the Papain Grading and Marking Rules, 1978.

(2) They shall apply to papain prepared in India from Papaya latex of unripe papaya fruits produced in India.

(2) Definitions :

In these rules, unless the context otherwise requires:—

(a) 'Agricultural Marketing Adviser' means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) 'Scheduled' means a Schedule appended to these rules.

(3) Grade designations :

The grade designations to indicate the quality of papain shall be as set out in column 2 of Schedules II & III.

(4) Definitions of quality :

The quality of papain indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 11 of Schedules II & III.

(5) Grade designation marks:

The grade designation mark shall consist of either;

(i) A design incorporating the number of the certificate of authorisation, the word 'Agmark' and the grade approved by the Agricultural Marketing Adviser; or

(ii) A label specifying the grade approved by the Agricultural Marketing Adviser and bearing a design consisting of an out line map of India with the word 'AGMARK' and the figure of the rising sun with words "Produce of India" and resumbling the one as set out in Schedule I.

(6) Method of marking :

(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container, namely:—
(a) date of packing in code or plain letter (b) batch number (c) net weight (d) place of packing (e) any other particulrs as required by the Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of papain different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

(7) Method of Packing :

Papain shall be packed in polythene bottles or packages or galvanised tin in 150 grams, 500 grams, 1Kg., 5 Kgs., 10 Kgs. 50 Kgs. packages, which may invariably be packed either in corrugated boxes/wooden crates or in such other manner as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(8) Special conditions of Certificate of Authorisation :

In addition to the conditions specified in the rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following shall be the Special conditions of every certificate of authorisation issued for the purpose of these rules namely :—

(1) An authorised packer shall make such arrangements for testing papain as the Agricultural Marketing Adviser may specify by general or special order from time to time.

(2) An authorised packer shall provide such facilities as may be necessary for testing to the inspecting officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

SCHEDULE I

(See Rules 5)

Design for the grade designation mark :

Map of India.

Note : The Hindi and English words will not occur in the label in case where commodities are graded for the purpose of export.

SCHEDULE II

(Rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of crede Papain

Grade designation	Moisture percent by wt. Maximum	Total nitrogen % minimum	True protein nitrogen % Min. mum	Total ash content % by wt. maximum	Acid insoluble ash % by wt. Maximum	Alcohol soluble extract % by wt. Maximum	Ethere soluble extract % by wt. Minimum	Proteolytic (activity (ml of N/10 NaoH) Minimum	Sulphurdioxide-ppm Max.	General Characteristics
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
'Standard'	9.0	9.0	50% of total nitrogen	16 0	0.7	20.0	8.0	6.0	3000 ppm	The product, in flakes or in powder form shall be prepared by drying either in sun or in mechanical driers, the whole latex of unripe papaya fruits (Carica papaya Linn) free from insect or fungal attack. The colour of the product shall vary from light brown to brown. The material shall be free from off odour and objectionable smell other than the characteristic odour of papain. The material shall be free from starch, sugar and any other ingredient which is not the natural constituent of papain, The material shall also be practically free from extraneous matter such as sand, grit, leaves and stalks of the plant. The material may contain sulphurdioxide mixed either in the form of sodium or potassium salts.

SCHEDULE III

(See Rule 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of compounded Papain

Grade designation	Moisture % by wt. maximum	Total nitrogen % minimum	True protein nitrogen % Min.	Total ash content % by wt. maximum	Acid insoluble ash % by wt. Maximum	Alcohol soluble extract % by wt. Maximum	Ether soluble extract % by wt. Minimum	Proteolytic activity (ml of N/10 NaoH) Minimum	Sulphur dioxide ppm Max.	General Characteristics.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
'Standard'	6.0	2.0	50% of total nitrogen	5.0	0.2	10.0	2.0	4.5	3000ppm	The production powder form shall be prepared from crude papain by diluting the product with suitable diluents in order to bring down its proteolytic activity. The colour of the product shall vary from creamy white to light brown. The materiarl shall be free from off-odour and objectionable smell other than the characteristic odour of papain. The material shall be practically free from extraneous matter such as sand, grit, leaves and stalks of the plant. The material may contain sulphurdioxide mixed either in the form of sodium or potassium salts.

[No. 13-8/77-AM]

का०आ० 1741:—जूट श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1976 का प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 1499, तारीख 1 अप्रैल, 1976 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड3, उपखण्ड (2) तारीख 24 अप्रैल, 1976 के पृष्ठ 1561 से 1568 पर प्रकाशित किा गया था जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी ;

और उक्त राजपत्र 24 अप्रैल, 1976 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं :

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :–

जूट श्रेणी करण और चिह्नांकन नियम, 1978

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :—

(1) इन नियमों का नाम जूट श्रेणीकरण और अंकन नियम 1976 है।

(2) ये निम्नलिखित को लागू होंगे :—

(i) कच्चा जूट, जिसमें से जड़े नहीं काटी गई है और जिसे वाणिज्यिक रूप में सफेद जूट (कौरकोरस कैपसूलरिस) कहा जाता है।

(ii) कच्चा जूट, जिसमें से जड़े नहीं काटी गई है और जिससे वाणिज्यिक रूप में तोसा जूट और देशी जूट (कोरकोरस क्लिटोरियस कहा, जाता है।

2. परिभाषाएं :–इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

(1) "मध्य जड़ (अछाल)" से नरसल के बीच के भाग का कड़ा छाल वाला हिस्सा अभिप्रेत है जिसे नरम करने के लिए अतिरिक्त उपचार की अपेक्षा होती है।

(2) "रंग" से रेशे का गुण धर्म अभिप्रेत है जो उसके रूप की लालिमा पीलेपन, धूसरपन और तत्समान के रूप में सुभिन्न करता है। स्पष्टीकरण : (क) सफेद जूट के लिए रंग की परिभाषा जो नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है, वह रंग होगी जो उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

1	2
बहुत अच्छा	हल्के क्रीम से सफेद
अच्छा	क्रीम गुलाबी से भूरापन लिए सफेद
सामान्यतः अच्छा	भूरे से लालिमायुक्त सफेद साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्य औसत	भूरे से हल्का धूसर
औसत	धूसर से गहरा धूसर

(ङ) तोसा जूट के लिए रंग की परिभाषा, जो नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है वह रंग होगी जो उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

1	2
बहुत अच्छा	सुनहरे से लालिमायुक्त सफेद
अच्छा	लालिमायुक्त से भूरापन लिए सफेद
सामान्यत: अच्छा	लालिमायुक्त से भूरा, साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्य औसत	हल्के धूसर से ताम्र रंग का
औसत	धूसर से गहरा धूसर

(च) देसी जूट के लिए रंग की परिभाषा, जो नीचे दी सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है, वह रंग होगी जो उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

1	2
बहुत अच्छा	लालिमायुक्त
अच्छा	लालिमायुक्त से भूरापन लिए हुए, साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्यत: अच्छा	भूरा, हल्का धूसर, साथ ही कुछ धूसर
सामान्य औसत	हल्का धूसर
औसत	धूसर से गहरा धूसर

(iii) "क्षापी रेशा" से असावधानी से गलाये जाने के कारण, ऊपरी छोरों पर खुदरा और झड़ा (किन्तु छाल वाला नहीं) रह जाने वाला रेशा अभिप्रेत है ।

(iv) "मलीन रेशा" से ऐसा रेशा अभिप्रेत है जो कमजोर और देखने में मलीन है, जो प्राय: नम अवस्था में भण्डार किए जाने से ऐसे हो जाते हैं ।

(v) "सघन" से, रेशे के वायु अवकाशों सहित, उसके प्रति एकक आयतन की संहति अभिप्रेत है;

(vi) "प्रभावी नरसल लम्बाई" से जड़े और सिरा निकाल दिए जाने के पश्चात् नरसल की लम्बाई अभिप्रेत है;

(vii) "उलझी हुई छड़ें" से टूटी हुई छड़ें जो रेशा समूह से जुड़ी हों और आसानी से निकाली न जा सकें, अभिप्रेत है;

(viii) "सूक्ष्मता" से व्यास (चौड़ाई) का माप और या रेशा तंतु की प्रति एकक लम्बाई का भार अभिप्रेत है;

(ix) "गोदी रेशे" से न धुले हुए पैकिंटनस द्रव्य से एक साथ चिपका रेशा अभिप्रेत है;

(x) "हुका" से बहुत कड़ा छाल वाला रेशा, जो नरसल के निचले छोर से आकर लगभग उसके सिरे तक गया हो, अभिप्रेत है;

(xi) "गाँठ" से तंतु गुच्छ काय पर कठोर छालदार बिन्दु जो कि खोली जाने पर रेशे की निरन्तरता को समाप्त करते है, अभिप्रेत है;

(xii) "पत्ता" से गहरा धूसर पत्तेदार या कागज जैसा पदार्थ (पौधे के खुले आवरण के अवशेष) जो तंतु गुच्छ में दिखाई दें, अभिप्रेत है;

(xiii) "खुले पत्ते" से वे पत्ते अभिप्रेत हैं जो रेशे पर रेशम पड़े हों और हिलाकर आसानी से हटाये जा सकें

(xiv) "खुली छड़े" से टूटी हुई छड़ें जो कि हिलाई जाने से आसानी पूर्वक अलग की जा सकें, अभिप्रेत हैं;

(xv) "चमक" से सामान्य प्रकाश मे रखने पर रेशे से परावर्तित होने वाला प्रकाश अभिप्रेत है । जूट में अधिक चमक साधारणतया एक अच्छी क्वालिटी के रेशे का लक्षण है;

(xvi) "मुख्य दोष" से मध्य जड़, मलीन तथा अति गला रेशा, घातक गाठें, मोसीय रेशें और उलझी हुई छड़ें अभिप्रेत है;

(xvii) "लघुदोष" से कमजोर क्षापी छोर, गंदी रेशा, खुले पत्ते, खुली छड़ें और चित्तियाँ अभिप्रेत हैं;

(xviii) "काई रेशा" से ऐसी वनस्पति अभिप्रेत है जो कि कभी कभी बाढ़ के समय जूट के पौधों से संलग्न हो जाती है, गलाने और धोने के पश्चात् भी जूट के रेशे पर इनके कुछ भाग शेष रह जाते हैं । यह हाथ से अलग किया जा सकता है;

(xix) "प्राकृतिक धूल" से वह धूल, जो कि उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान रेशे के साथ लग जाये, अभिप्रेत है;

(xx) "अति गला रेशा" से ऐसा रेशा, जो कि अधिक गलने के कारण विघटन से अपनी शक्ति और चमक खो चुका है, अभिप्रेत है;

(xxi) "पार्सल" से ऐसा परेषण अभिप्रेत है जिसमें निश्चित संख्या में गाँठे, बंडल या ड्रम हो;

(xxii) "नरसल" से जूट के किसी एक जूट पौधे की रेशा प्रणाली अभिप्रेत है;

(xxiii) "नरसल की लम्बाई" से नरसल की सम्पूर्ण लम्बाई, जिसमें जड़ और सिरा सम्मिलित है; अभिप्रेत है ;

(xxiv) "जड़" से नरसल के निचले छोर पर कड़ा छाल वाला भाग जिसे नरम करने के लिए अतिरिक्त उपचार की अपेक्षा होती है और जिसे सामान्यतया "कटिंग" कहा जाता है, अभिप्रेत है;

(xxv) "रनर" से निचले छोर से मध्य भाग तक लगभग लगातार फैला कड़ी छाल वाला रेशा अभिप्रेत है;

(xxvi) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है;

(xxvii) "चित्तियाँ" से कार्य में मुलायम छालदार बिन्दु अभिप्रेत है जहाँ रेशा, बिना विछिन्न किए, कुछ जोर लगा कर पृथक किया जा सके भले ही कमजोर स्वरूप के रूप में रहे;

(xxviii) "डंठल" से जूट पौधों के काष्ठीय भाग के अवशेष, जिन पर रेशे का छादन बनता है, अभिप्रेत है;

(xxix) "शक्ति" से रेशे की बाह्य खिचाव से पड़ने वाले तनाव या टूटने का प्रतिरोध करने की सामर्थ्य अभिप्रेत है;

(xxx) "कमजोर कापी रेशा" से ऐसा रेशा अभिप्रेत है जो 30 सें० मी० से अधिक लम्बा हो और जिसका ऊपरी सिरा अत्यधिक कमजोर हो चुका हो।

3. श्रेणी अभिधान: विनिर्दिष्ट व्यापार-वर्णनों के जूट के लक्षण और क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान 1 और 2 के स्तम्भ में बताये गए हैं।

4. क्वालिटी की परिभाषाएं: श्रेणी अभिधानों द्वारा दर्शित की गई क्वालिटी की परिभाषाएं अनुसूची 1 और 2 के स्तम्भ (2) से (7) तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. श्रेणी अभिधान चिह्न: जूट की प्रत्येक गांठ पर लगाया जाने वाला श्रेणी अभिधान चिह्न ऐसे लेबल के रूप में होगा जिस पर अनुसूची 3 में दी गई श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने वाली डिजाइन होगी।

6. चिह्नांकन की पद्धति:—जूट की प्रत्येक गांठ पर श्रेणी अभिधान चिह्न भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूती से लगाया जाएगा। श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त, लेबल पर निम्नलिखित विशिष्टियाँ स्पष्ट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात्:—

(क) क्रम संख्या

(ख) जूट का वर्णन

(ग) फसल वर्ष

(घ) बेलने की तारीख; और

(ङ) पैकिंग का स्थान।

7. पैकिंग की पद्धति:—जूट को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रङ्गित भार की गांठों में पैक किया जाएगा।

सफेद, तोसा और देशी बिना कटे भारतीय जूट के श्रेणीकरण के लिए भारतीय मानक विनिदेश—आई एस: 271 (डी ओ सी: टी डी सी (1597) का द्वितीय पुनरीक्षण-से लिया गया।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

सफेद जूट की प्रत्येक श्रेणी के लिए अपेक्षाएं

श्रेणी अभिधान	सक्ति	दोष	अधिकतम जड़ मात्रा (भार द्वारा प्रतिशत)	रंग	सूक्ष्मता	सघनता	कुल स्कोर
1	2	3	4	5	6	7	8
सफेद-1	बहुत अच्छी (26)	मुख्य दोषों और लघु दोषों से मुक्त (22)	10 (33)	बहुत अच्छा (12)	अति सूक्ष्म (5)	गुरु-काय (2)	100
सफेद-2	अच्छी (22)	मुख्य दोषों और लघु दोषों मुक्त (22)	15 (28)	अच्छा (9)	सूक्ष्म (2)	गुरु काय (2)	85
सफेद-3	सामान्यतः (अच्छी) (18)	कुछ खुले पत्तों और कुछ चित्तियों को छोड़कर, मुख्य दोषों और लघु दोषों से मुक्त (18)	20 (24)	सामान्यतः अच्छा	अच्छी तरह रेशा पृथक-कृत	मध्य-काय (1)	69
सफेद-4	सामान्य औसत (14)	मुख्य दोषों से मुक्त और सारत: चित्तियों और खुली छड़ों से मुक्त (14)	26 (20)	सामान्य औसत (4)	अच्छी तरह पृथक-कृत रेशे " (1)	मध्य-काय (1)	54
सफेद-5	औसत (10)	मुख्य दोषों से मुक्त (10)	36 (16)	औसत (3)	—	—	39
सफेद-6	औसत (10)	मध्य जड़ और मलीम/अति गन्दे रेशे से मुक्त और पर्याप्त रूप से उलझी हुई छड़ों से मुक्त (4)	46 (12)	--	—	—	26
सफेद-7	कमजोर-मिश्रित (3)	--	57 (9)	— —	— —	— --	12 0
सफेद-8	उलझा हुआ या अन्य किसी प्रकार का जूट जो उपरोक्त श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के लिए उपयुक्त नहीं है किन्तु जिसका वाणिज्यिक मूल्य है।						

टिप्पणी-1 श्रेणीकरण की गुणांकन कार्ड पद्धति अनुख्यात है। प्रत्येक क्वालिटी लक्षण का सापेक्ष गुरुता स्तम्भ (2) से (7), में कोष्ठक में दर्शित की गयी है।

टिप्पणी-2 नरसल की लम्बाई कम से कम 150 सें०मी होनी चाहिए, अथवा सफेद 8 को छोड़कर, प्रभावी नरसल लम्बाई 100 सें० मी० से कम नहीं होनी चाहिए।

टिप्पणी-3 जूट सूखा और भण्डाकरण योग्य होना चाहिए।

टिप्पणी-4 जूट, हुंका, कीचड़ और अन्य बाह्य पदार्थ से मुक्त होना चाहिए।

टिप्पणी-5 श्रेणी सफेद 5 से सफेद 8 तक में प्राकृतिक धूल, आनुपातिक कटौती के साथ, अनुज्ञात की जा सकती है।

टिप्पणी-6 जड़ अंश में कड़े छाल वाले काफी सिरे सम्मिलित होंगे।

टिप्पणी-7- (क) शक्ति मूल्यों की तुलना के लिए अनुमानतः बराबर आकार के रेशे के गुच्छे को अलग-अलग बराबर दूरी पर रखा जाएगा और बिना झटके के लम्बाई मे तोड़ा जाएगा। रेशे की अच्छी चमक भी रेशें की अच्छी शक्ति दर्शाती है।

(ख) भार प्रतिशत के रूप मे जड़ अंश का निर्णय लम्बाई के साथ छाल की मात्रा देखकर किया जाएगा।

(ग) रेशे की सघनता या गुरु-कायता का निर्धारण अनेक रेशा नरमलो को एक साथ पकड़ में लेकर उन्हे ऊपर नीचे करके उनकी गुरुता के आधार पर किया जाएगा।

टिप्पणी-8 जूट का जो पार्सल किसी श्रेणी विशेष के लिए पूरे अंक नही पाएगा, उसे तब भी क्रेता और विक्रेता के बीच निर्धारित की जाने वाली उपयुक्त कटौती के साथ उसी श्रेणी के लिए विचार मे लिया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उसका स्कोर उसके और उसी ठीक निचली श्रेणी के अधिकतम स्कोरों के बीच के अंतर का 50 प्रतिशत या अधिक न हो। जब स्कोर अंतर के 50 (या अधिक) प्रतिशत से कम है तो क्रेता को उसे अस्वीकार करने या उपयुक्त कटौती के साथ लय करने का विकल्प प्राप्त होगा।

टिप्पणी-9 अनुसूची 1 के स्कोरों की सफेद जूट के लिए कटौती निर्धारित करने के लिए मार्ग दर्शक के रूप मे लिया जाएगा।

अनुसूची 2

(नियम 3 और 4 देखिए)

तोसा और देशी जूट की प्रत्येक श्रेणी के लिए अपेक्षाएं

श्रेणी अभिधान	शक्ति	दोष	अधिकतम जड़ मात्रा (भार द्वारा प्रतिशत)	रंग	सूक्ष्मता	सघनता	कुल स्कोर
1	2	3	4	5	6	7	8
तो० दे०-1	बहुत अच्छी (26)	मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (22)	5 (33)	बहुत अच्छा (12)	अति-सूक्ष्म (2)	गुरु काय (2)	100
तो० दे०-2	अच्छी (22)	मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (22)	10 (28)	अच्छा (9)	सूक्ष्म (2)	गुरुकाय (2)	35
तो० दे०-3	सामान्यतः अच्छी (18)	कुछ खुले पत्तों और कुछ चित्तियों को छोड़कर, मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (18)	15 (24)	सामान्यतः अच्छा (7)	अच्छी तरह पृथक्कृत रेशे (1)	मध्यकाय (1)	69
तो० दे०-4	सामान्य औसत (14)	मुख्य दोषों से मुक्त, और चित्तियों और खुली छड़ों से मुक्त (14)	20 (20)	सामान्य औसत (4)	अच्छी तरह पृथक्कृत रेशे (1)	मध्यकाय (1)	54 39
तो० दे०-5	औसत	मुख्य दोषों से मुक्त (10)	26 (16)	औसत (3)	--	—	26
तो० दे०-6	औसत (10)	मध्य जड़ और मलीन/अति-गले रेशे से मुक्त और पर्याप्त रूप में उलझी हुई छड़ों से मुक्त (4)	35 (12)	-- --	-- --	- --	-- 13
तो० दे०-7	कम और मिश्रित (4)	--	42 (9)	—	--	--	0
तो० दे०-8	उलझा हुआ या अन्य किसी प्रकार का जूट जो उपरोक्त श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के लिए उपयुक्त नही है किन्तु जिसका वाणिज्यिक मूल्य है।						

टिप्पणी-1 श्रेणीकरण की गुणांकन कार्ड पद्धति अनुध्यात है। प्रत्येक क्वालिटी लक्षण की सापेक्ष गुरुता स्तम्भ (2) से (7) में कोष्ठक में दर्शाई गई है।

टिप्पणी-2 नरमल की लम्बाई कम से कम 150 से० मी० की होनी चाहिए अथवा तोसा देशी 8 को छोड़कर प्रभावी लम्बाई 100 से० मी० से कम नही होनी चाहिए।

टिप्पणी-3 जूट सूखा मंडारकरण योग्य होना चाहिए।

टिप्पणी-4 जूट, हुका, कीचड़ और अन्य बाह्य पदार्थ से मुक्त होना चाहिए।

टिप्पणी-5 श्रेणी तोसा देशी 5 से तोसा देशी 8 तक में प्राकृतिक धूल आनुपातिक कटौती के साथ अनुज्ञात की जा सकती है।

टिप्पणी-6 जड़ अंश में बड़े छाल वाले क्रापी सिरे सम्मिलित होंगे।

टिप्पणी-7 (क) शक्ति मूल्यों की तुलना के लिए अनुमानत बराबर आकार के रेशे के गुच्छे को अलग-अलग बराबर दूरी पर रखा जाएगा और बिना झटके के लम्बाई में तोड़ा जाएगा। रेशे की अच्छी चमक भी रेशे की अच्छी शक्ति दर्शाती है।

(ख) भार प्रतिशत के रूप में जड़ अंश का निर्णय लम्बाई के साथ छाल की मात्रा देखकर किया जाएगा।

(ग) रेशे की सधनता या गुरुकायता का निर्धारण अनेक रेशा नरसलों को एक साथ पकड़ में लेकर उन्हें ऊपर नीचे करके उनकी गुरुता के आधार पर किया जाएगा।

टिप्पणी-8 जूट का जो पार्सल किसी श्रेणी विशेष के लिए पूरे अंक नहीं पाएगा उसे तब भी क्रेता और विक्रेता के बीच निर्धारित की जाने वाली उपयुक्त कटौती के साथ उसी श्रेणी के लिए अवचार में लिया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उसका स्कोर उसके और उससे ठीक निचली श्रेणी के अधिकतम स्कोरों के बीच के अन्तर का 50 या अधिक प्रतिशत से कम न हो जब स्कोर अंतर के 50 (या अधिक) प्रतिशत से कम है तो क्रेता को उसे अस्वीकार करने या उपयुक्त कटौती के साथ तय करने का विकल्प प्राप्त होगा।

टिप्पणी-9 अनुसूची–2 के स्कोरों को तोसा और देशी जूट के लिए कटौती निर्धारित करने के लिए मार्ग दर्शक के रूप में लिया जाएगा।

अनुसूची-3

(नियम 5 देखिए)

भारत का मानचित्र

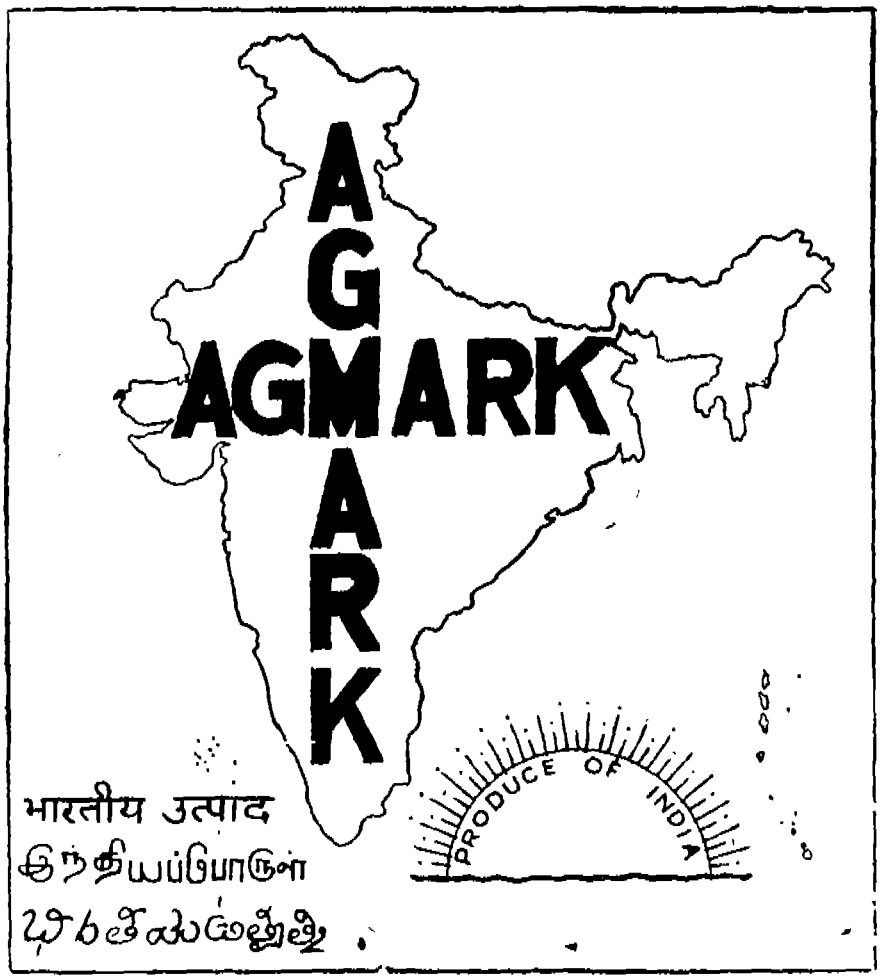

[सं० 13–11/75-ए० एम०]

S.O. **1741**—Whereas draft of the Jute Grading and Marking Rules, 1976 was published as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 1561 to 1568 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 24th April, 1976 with the notification of Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation, (Department of Rural Development), No. S.O. 1499, dated the 1st April, 1976 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of 45 days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 24th April, 1976;

And whereas no objection or suggestion have been received from the public by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

JUTE GRADING AND MARKING RULES, 1978

1. Short title and application :—

(1) These rules may be called the Jute Grading and Marking Rules, 1978*.

(2) They shall apply to—

(i) Raw jute from which roots have not been cut, known commercially as white jute (*Corchorus capsularis*);

(ii) Raw jute from which roots have not been cut, known commercially as Tossa and Daisee jute (*Corhorus liltorlous*).

2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires,

(i) "Centre-root (Bukchhal)" means the hard barky region into the middle part of the reed which requires additional softening treatment ;

(ii) "Colour" means the property of a fibre which distinguishes its appearance as redness, yellowness, greyness and the like.

Explanation : (a) Terminology of colour for white jute as given in column (1) of the table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely :—

TABLE

1	2
Very good	Light creamy to white.
Good	Creamy pink to brownish white.
Fairly good	Brownish to reddish white with some light-grey.
Fair, average	Brownish to light grey.
Average	Grey to dark grey.

(b) Terminology of colour for Tossa jute as given in column (1) of the table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely;

TABLE

1	2
Very good	Golden to reddish white.
Good	Reddish to brownish white.
Fairly good	Reddish to brownish with some light grey.
Fair average	Light grey to copper colour.
Average	Grey to dark grey.

(c) Terminology of colour for Daisee jute as given in column (1) of the Table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely:—

TABLE

1	(2)
Very good	Reddish
Good	Reddish to brownish with some light grey.
Fairly good	Brownish/light grey with some grey.
Fair average	Light grey.
Average	Grey to dark grey.

(iii) 'Croppy fibre" means the fibre with top ends rough and hard (but not barky) caused by careless retting;

(iv) "dazed fibre" means the fibre which is weak in strength and dull in appearance, due usually to being stored in moist condition;

(v) "density" means mass per unit volume of the fibre including its air-spaces;

(vi) "effective reed length" means the length of the reed after the root and crop and have been removed;

(vii) "entangled sticks" means broken sticks which are linked with fibre mass and are not easily removable.

(viii) "fineness" means a measure of diameter (width) and/or weight per unit length of the fibre filament;

(ix) "gummy fibre" means the fibre held together by undissolved pectinous matter ;

(x) "Hunka" means the very hard barky fibre running continuously from the lower end to almost the tip of the reed;

(xi) "Knots" means stiff barky spots in the body of the strand, which break the continuity of fibre, when opened;

(xii) "Leaf" means dark grey leafy or paper like substance (remnants of loosened skin of the plant) appearing on the strand;

(xiii) "loose leaves" means the leaves that lie loosely on the fibre and are easily removable;

(xiv) "loose sticks" means broken sticks which are easily removable by shaking;

(xv) "lustre" means display of light reflected from fibre exposed to normal light. Higher lustre in jute is generally a characteristic of a better quality fibre;

(xvi) "major defects" means centre-root, dazed and over-retted fibre, runners, knots, mossy fibres and entangled sticks;

(xvii) "minor defects" means weak croppy and; gummy fibre, loose leaf, loose sticks and specks;

(xviii) "mossy fibre" means a type of vegetation which, sometimes gets attached to the *jute* plant during flood condition; portions of it may remain on the jute fibre even after retting and washing. It can be separated by hand;

(xix) "Natural dust" means the dust which might get associated with fibre during the process of its production;

(xx) "Over retted fibre" means the fibre which has lost its strength and brightness on decomposition due to long retting;

(xxi) "parcel" means a consignment containing a certain number of bales, bundles or drums;

(xxii) "reed' means the fibre system from one individual jute plant;

(xxiii) "reed length" means the entire length of the reed including the root and tip;

(xxiv) "root" means the hard barky region at the lower end of the reed which requires additional softening treatment and is normally known as "Cuttings";

(xxv) "runners" means the hard barky fibre running from the lower end to the middle region, more or less continuously;

(xxvi) "schedule" means a schedule appended to these rules;

(xxvii) "specks" means soft barky spots in the body where fibre can be separated with some efforts without breaking their continuity, though they may remain as weak spots;

(xxviii) "sticks" means remnants of woody part of jute plants over which fibre sheath is formed;

(xxix) "strength" means the ability of the fibre to resist strain or rupture induced by external forces;

(xxx) "weak croppy fibre" means fibre over a length of about 30 cms., the top end of which has become unusually weak;

3. Grade designations.—The grade designations to indicate the characteristics and quality of jute of specified trade descriptions are set out in column (1) of Schedules I and II.

4. Definition of quality.—The definition of quality indicated by the grade designations are specified in columns (2) to (7) of Schedules I and II.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark to be applied to each bale of jute shall consist of a label bearing the design set out in Schedule III specifying the grade designation.

6. Method of marking.—The grade designation mark shall be securely attached to each bale of jute in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India. In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly marked on the label, namely :—

(a) Serial Number,

(b) Description of the jute,

(c) Year of harvest,

(d) Date of pressing,

(e) Place of packing.

7. Method of packing.—Jute shall be packed in bales of customary weight approved by the Agricultural Marketing

*Adopted from Indian Standards, Specification for Grading white, Tossa and Daisee uncut Indian Jute—Second Revision Adviser to the Government of India.

SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Requirements for each grade of white jute

Grade designation	Strength	Defects	Maximum Root content (percent) by weight)	Colour	Fineness	Density	Total score
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
W 1	Very good (26)	Free from major and minor defects (22)	10 (33)	Very good (12)	Very fine (5)	Heavy bodied (2)	100
W 2	Good (22)	Free from major and minor defects (22)	15 (28)	Good (9)	Fine (2)	Heavy bodied (2)	85
W 3	Fairly good (18)	Free from major and minor defects except some loose leaf and a few specks (18)	20 (24)	Fairly Good (7)	Fibres well separated (1)	Medium bodied (1)	69
W 4	Fair average (14)	Free from major defects and substantially free from specks and loose sticks (14)	26 (30)	Fair Average (4)	Fibres well separated (1)	Medium bodied (1)	54
W 5	Average (10)	Free from major defects (10)	36 (16)	Average (3)	—	—	39
W 6	Average (10)	Free from centre roots and dazed/over retted fibre and reasonably free from entangled sticks (4)	46 (12)	—	—	—	26
W 7	Weak mixed (3)	—	57	—	—	—	12
W 8	Entangled or any other jute not suitable for any of the above grades but of commercial value.						0

Note 1 : A score card system of grading is envisaged. Relative weightage to each of the quality characterstics is indicated in parenthesis in columns (2) to (7).

Note 2 : The minimum reed length should be 150 cms. or the effective reed-length should not be less than 100 cms., except for W8.

Note 3 : Jute shall be in dry and storable condition.

Note 4 : Jute shall be free from Hunka, Mud and other foreign materials.

Note 5 : Natural dust may be allowed in grades W 5 to W 8 with proportionate discount.

Note 6 : Root content shall include hard barley croppy ends.

Note 7 : (a) for comparing strength values a tuft of fibre of approximately equal size, shall be held equal distance apart and broken longitudinally without jerk; good lustre of fibre is also an indicator of good fibre strength.

(b) Root content in terms of weight percentage shall be judged by observing the extent of barks along the length.

(c) Density or the heavy bodiedness of fibre shall be assessed by the heaviness of a number of fibre reeds held within a grip and raised up and down.

Note 8 : A parcel of jute which would not score full marks for a particular grade shall still be considered, for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided its score is not less, by 50 (or more) percent of the difference between the maximum scores for that and the next lower grade. When the score is less by 50 (or more) per cent of the difference the buyer shall have option to reject or settle with suitable discount.

Note 9 : Scores on Schedule-I shall be taken as guidance for determining the discount, for white jute.

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Requirements for each Grades of Tossa and Daisee Jute

Grade Designation	Strength	Defects	Maximum root content per cent by weight	Colour	Fineness	Density	Total score
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
TD 1	Very good (26)	Free from major or minor defects (22)	5 (33)	Very good (12)	Very Fine (5)	Heavy bodied (2)	100
TD 2	Good (22)	Free from major or minor defects (22)	10 (28)	Good (9)	Fine (2)	Heavy bodied (2)	85
TD 3	Fairly good (18)	Free from major or minor defects except some loose leaf and a few specks (18)	15 (24)	Fairly good (7)	Fibres well separated (1)	Medium bodied (1)	69
TD 4	Fairly average (14)	Free from Major defects and substantially free specks and loose sticks (14)	20 (20)	Fairly average (4)	Fibre well separated (1)	Medium bodied (1)	54
TD 5	Average (10)	Free from major defects (10)	26 (16)	Averag (3)	—	—	39
TD 6	Average (10)	Free from centre root and dazed/overretted fibre & reasonably free from entangled sticks (4)	(35) (12)	—	—	—	26
TD 7	Weak mixed (4)	—	42 (9)	—	—	—	13
TD 8	Entangled or any other jute not suitable for any of the above grades but of commercial value.						

Note 1 A scors card system of grading is envisage. Relative weightage to each of the quality characteristics is indicated in parenthesis in columns (2) to (7).

Note 2 : The mainimum reed length should be 150 cms. or the effective reed-length should not be less than 100 cm except for TD8.

Note 3 : Jute shall be in dry and storable condition.

Note 4 : Jute shall be free from Hunka, Mud and other foreign materials.

Note 5 : Natural dust may be allowed in grade TD 5 to TD8 with proportionate discount.

Note 6 : Root content shall include hard barky croppy ends.

Note 7 : (a) Fair comparing strength values a tuft or fibre, of approximately equal size, shall be held equal distance apart and broken longitudinally without jerk; good lusture of fibre is also an indicator of good fibre strength;

(b) Root content in terms of weight percentage shall be judged by observing the extent of barks along the length;

(c) Density or the heavy bodieness of fibre shall be assested by the heaviness of a number of fibre reeds held within grip and raised up and down.

Note 8: A parcel of jutewhich would not score full marks for a particular grade shall still be considered for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided its score is not less, by 50 (or more) percent of the difference between the maximum score for that and the next lower grade, when the score is less by 50 (or more) percent of the difference the buyer shall have option to reject or settle with suitable discount.

Note 9: Scores on Schedule II may be taken as guidance for determining the discount for/Tossa and Daisee jute.

SCHEDULE III

(See rule 5)

Grade designation mark for jute

Map of India

[No. F. 13-11-75-AM]

शुद्धि-पत्र

का० आ० 1742.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 4 दिसम्बर, 1976 के पृष्ठ 4215 पर प्रकाशित भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 4611 तारीख 18 नवम्बर, 1976 में—

पृष्ठ 4215 पर नियम 1 के उपनियम (1) में आए कोष्ठकों "( )" का लोप किया जाएगा ।

प्रकाशित नारियल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1975 में :—

1. "और उक्त राजपत्र 2 अगस्त 1975" के स्थान पर "और यतः उक्त राजपत्र 2 अगस्त 1975" होगा "और जनता से प्राप्त आक्षेप या सुझाव" के स्थान पर "और यतः जनता से प्राप्त आक्षेप और सुझाव" होगा

2. में "श्रेणीकरण" के स्थान पर "श्रेणीकरण" होगा । "साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937" के स्थान पर "सामान्य श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937" होगा

अनुसूची-1

"चिह्न का डिजाइन" के स्थान पर "चिह्नन की डिजाइन" होगा । अनुसूची-ii: स्तम्भ शीर्ष "श्रेणी अभिधान" के नीचे साधारण श्रेणी के बाद "अतिविशिष्ट" शब्द लिखा जाएगा ।

स्तम्भ शीर्ष 3 में "अतिविशेष" श्रेणी के सामने 100 और उससे अधिक" के स्थान पर "110 और उससे अधिक" होगा ।

अनुसूची-3

टिप्पणी

(1) में "घुस" शब्द के स्थान पर "भूसा" होगा ।

[सं० 13-5/75-ए० एम०]

CORRIGENDA

S.O. 1742.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. S.O. 4611 dated the 18th November, 1976, published in the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-section (ii) dated the 4th December, 1976 at pages 4220 to 4223.

(1) at page 4220,—

(i) in line 1, omit brackets "( )";

(ii) in rule 1, omit brackets "( )".

(iii) in sub rule (ii) of rule 2, for "a body of person" read "a body of persons";

(Iv) in sub rule (1) of rule 7, for "objectional" read "objectionable";

(2) at page 4221;—

(i) in sub clause (i) of column 8 of Schedule III, for "nucifarelinn. fam-palme", read "nucifere Linn fam-palme";

(ii) in sub-clause (iii), line 4 of the same column 8, for "tasta" read "testa";

(iii) in Note 2, for "brow", read "brown";

(iv) in Note 3, for "matuered", read "matured";

(3) at page 4222,—

(i) in line 3 of column 9 of Schedule IV, for "out" read "cut";

(ii) in line 2 of column 9 of Schedule IV, for "nucifara Linn" read "nucifera Linn";

(iii) in Note 1, for "sheel" read "Shell";

(iv) in Note 3, for "full matured" read "fully matured";

(4) at page 4222,—

(i) in line 8 of column 9 of Schedule V, for "sulpher" read "sulphur";

condition 3 of Schedule VI for "sampling and analysing" read "sampling and analysis";

(5) at page 4223,—

(i) in Note 3 of Schedule VI, for "analysing" read "analysis".

[No. F. 13-5/75-A.M.]

शुद्धि-पत्र

का० आ० 1743.—भारत के राजपत्र भाग 2 खंड 3(2) दिनांक 30-4-77 के पृष्ठ सं० 1458 से 1464 पर प्रकाशित भारत सरकार कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1251 दिनांक 11-4-77 में अशुद्धियां निम्नानुसार पढ़ी जायेंगी।

(1) पृष्ठ 1458 नियम 2(viii) में "अनरूप" शब्द के स्थान पर "अनुरूप" शब्द होगा ।

(2) नियम 2(x) में "हिमायत" शब्द के स्थान पर "हिमायन" शब्द होगा ।

(3) नियम 2(xi) में "प्रकिय" शब्द के स्थान पर "प्रक्रिया" शब्द होगा ।

(4) नियम 2(xv) में "वल" शब्द के स्थान पर "वाला" शब्द होगा।

(5) नियम 2 (xix) के बाद क्रम संख्या "xxi" के स्थान पर क्रम संख्या "xx" रखा जाएगा और उसमें "मरणातर" शब्द के स्थान पर "मरणोत्तर" शब्द रखा जायेगा ।

(6) नियम 2(xxi) में शब्द "अनरूप" के स्थान पर शब्द "अनुरूप" होगा ।

(7) नियम (2)(क) में "वैधशाला" शब्द के स्थान पर "वधशाला" शब्द होगा ।

(8) नियम 10 (3) में "अपेक्षा" शब्द के स्थान पर "अपेक्षाएं" शब्द होगा ।

(9) नियम 10(3)(1) में "निगन्धोकृत" शब्द के स्थान पर "निर्गन्धीकृत" शब्द होगा ।

(10) नियम 10(3)(4) में "चम-संस्करणियों" शब्द के स्थान पर "चर्म-संस्करणियों" शब्द होगा ।

(11) नियम 10(3)(8) में "सफ" शब्द के स्थान पर "साफ" शब्द होगा ।

(12) नियम 10(3)(13) में "बिसंकामित" शब्द के स्थान पर "विसंक्रमित" शब्द होगा ।

(13) नियम 10(3)(16) में कोई भी पात्र सा आधान" शब्द के स्थान पर "कोई भी पात्र या आधान" शब्द होगा । उसी पैरा में "प्रयुक्त किए—नही किया जायेगा" शब्द के स्थान पर "प्रयुक्त नहीं किया जायेगा" शब्द होगा ।

(14) नियम 10(3)(18) के नीचे की सारणी में "50 से अधिक किन्तु 100 से अनधिक" शब्द के ठीक आगे "3" का अंक अनावश्यक रूप से छापा गया है उसे हटाया जाये ।

(15) नियम 10(3)(25) में "अधानों" शब्द के स्थान पर शब्द "आधानों" होगा ।

(16) अनुसूची 1 के साधारण लक्षण स्तम्भ में मद संख्या 3 में "मरजीवी" शब्द के स्थान पर "परजीवी" शब्द होगा । उसी अनुसूची में विशेष लक्षण स्तम्भ के अन्तर्गत "प्राइयस" शब्द के स्थान पर "प्राइमस" शब्द होगा और उसी वाक्य में "अग्र/प्रश्च" शब्द के स्थान पर "अग्र/पश्च" शब्द होगा ।

(17) अनुसूची 3 मे साधारण लक्षण स्तम्भ के अन्तर्गत—मद संख्या 2 में "स्वास्थ्यकर" शब्द के स्थान पर "स्वास्थ्यकर" शब्द रखा जायेगा—उसी मद में आगे "स्वास्थ्यप्रद हो और अन्यथा" के आगे का पूरा वाक्य नही छपा है इसे पूर्ण रूप में "स्वास्थ्यकर दशाओं में तैयार किया जायेगा, स्वास्थ्यप्रद हो और अन्यथा मानव उपयोग के लिए उपयुक्त हो" पढ़ा जायेगा।

(18) उसी अनुसूची में साधारण लक्षण स्तम्भ के अन्तर्गत मद संख्या 6 में "है" शब्द के स्थान पर "से" शब्द रखा जाएगा ।

(19) अनुसूची 4 में विशेष लक्षण स्तम्भ के अन्तर्गत मद संख्या 7 में "गणवाला" शब्द के स्थान पर "कणवाला" शब्द होगा ।

[सं० 13-7/76-ए० एम०]

प्रकाश चन्द्र, अवर सचिव

CORRIGENDA

S.O. 1743.—In the notification of the Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. S.O 1251 dated 11th April, 1977, published on pages 1458 to 1471 of Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated 30th April, 1977 :—

1. at page 1465,—
   (a) in line 1, after the words "the Raw" and before the word "Chilled", the word "Meat" shall be inserted;
   (b) in the note below rule 2(iii), for "buffalo", read "buffalo";
2. at page 1466,—
   (a) in rule 10(2) (b) line 4, for the word "marketing", read "marking";
   (b) in Schedule I, column 2, item (14), "*evenues*", read "of";
3. at page 1467,—
   in rule 10(3) (XIV) line 5, the words "meat etc." shall be deleted;
4. at page 1468,—
   (a) in rule 10(3) (XXX), for "definate", read "definite";
   (b) in Schedule I, column 2, item (14), "evenes", read "evenness";
5. at page 1469,—
   in Schedule I, column 2, item 7 for "pelyic", read "pelvic";
6. at page 1471,—
   in Schedule IV, column 2, item (4) for "waladour" read "malodour".

[No. F. 13-7/76]

PARKASH CHANDER, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 30 मई, 1978

का० आ० 1744.—राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड नियम, 1960 के नियम 3 के साथ पठित व्यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है, अर्थात् :—

1. श्री जी० लक्ष्मनन, संसद सदस्य, राज्य सभा ।
2. श्री सुरेन्द्र मोहन, संसद सदस्य, राज्य सभा ।

[संख्या एम०एस०बी०-10/77 (एम०डी०)]

एस० रामचन्द्र राव, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 30th May, 1978

S.O. 1744.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rule 3 of the National Shipping Board Rules, 1960, the Central Government hereby appoints the following as Members of the National Shipping Board, namely :—

1. Shri G. Lakshmanan, M.P., Rajya Sabha.
2. Shri Surendra Mohan, M.P., Rajya Sabha.

[No. MSB-10/77(MD)]

S. RAMACHANDRA RAO, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 मई, 1978

का० आ० 1745.—चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 10 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री एस० के० सेन को 11 मई, 1978 के अपरान्ह से अगले आदेश तक, श्री निशित बैनर्जी के स्थान पर, प्रादेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, कलकत्ता के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।

[फाइल सं० 2/4/78-एफ० (सी)]

रत्न स्वरूप शर्मा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 30th May, 1978

S.O. 1745.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 10 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government is pleased to appoint Shri S. K. Sen an officer of the Indian Postal Service, to officiate as Regional Officer, Central Board of Film Censors, Calcutta, with effect from the afternoon of 11th May, 1978 vice Shri Nishith Banerjee, until further orders.

[F. No. 2/4/78-FC]

R. S. SHARMA, Desk Officer

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1978

का० आ० 1746.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, (पुनर्वास विभाग) नई दिल्ली की अधिसूचना संख्या 1(30)/वि० सेल/75-एस० एस०-II दिनांक 15 मार्च, 1978 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा राजस्थान राज्य में स्थित निष्क्रान्त सम्पत्तियों के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम के अधीन या उसके द्वारा उपमहाअभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के प्रयोजन से राजस्थान सरकार के आयुक्त व सचिव पुनर्वास विभाग, श्री आर० वी० सौन्तके को उपमहाअभिरक्षक निष्क्रान्त सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1(30)/विशेष सेल/75एस० एस०-II)]

दीना नाथ असीजा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 27th May, 1978

S.O. 1746.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950) and in supersession of the Government of India in the Ministry of Supply & Rehabilitation (Department of Rehabilitation), New Delhi Notification No. 1(30)/Spl. Cell/75-SS. II dated the 15th March, 1978, the Central Government hereby appoints Shri R. V. Sontake, Commissioner-cum-Secretary, Rehabilitation Department, Government of Rajasthan as Deputy Custodian General of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act in respect of evacuee properties in the State.

[No. 1(30)/Spl. Cell/75-SS. II]

D. N. ASIJA, Jt. Director

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 जून, 1978

का० आ० 1747.—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उप नियम (2), नियम 12 के उप नियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 उपनियम (1) जिसे नियम 34 के साथ पढ़ा जाए, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत सरकार संचार मंत्रालय डाक तार की अधिसूचना संख्या एस० आर० ओ० 620 दिनांक 28 फरवरी, 1957 में आगे निम्नलिखित संशोधन किए है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूचियों में शीर्षक "डाकघर के अंतर्गत भाग 11 सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप सी० कालम 1 में" बेतार लाइसेंस निरीक्षक" प्रविष्टि के सामने कालम 2, 3, 4 और 5 के अन्तर्गत मौजूदा प्रविष्टियों के निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी अर्थात् :—

2	3	4	5
डिप्टी प्रेजीडेंसी पोस्टमास्टर, सेवा ग्रुप 'बी' में डिप्टी पोस्ट मास्टर राजपत्रित पोस्ट मास्टर और वे उप पोस्टमास्टर जो वरिष्ठ अधीक्षक के अधीन नहीं है।	डिप्टी प्रेजीडेंसी पोस्ट मास्टर, सेवा ग्रुप 'बी' में नायब पोस्ट मास्टर राजपत्रित उप-पोस्टमास्टर सहित वे राजपत्रित पोस्ट मास्टर जो वरिष्ठ अधीक्षक के अधीन नहीं है राजपत्रित उप पोस्ट मास्टर सहित वे राजपत्रित पोस्टमास्टर जो वरिष्ठ अधीक्षक के अधीन है।	सभी (1) से (IV)	प्रेजीडेंसी पोस्टमास्टर प्रेजीडेंसी पोस्ट मास्टर के ग्रेड में पोस्ट मास्टर, निदेशक डाक सेवा। निदेशक डाक सेवा।

[154-9/77-अनुशासन-II]

पी० के० मुखर्जी, सहायक महानिदेशक (अनुशासन)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 3rd June, 1978

S.O. 1747.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs No. S.R.O. 620, dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said notification, in Part II-General Central Service, 'Group C', under the heading "Post Offices", against the entry "Wireless Licence Inspector" in column 1, below the existing entries in columns in 2,3,4 and 5, the following entries shall be inserted, namely :—

2	3	4	5
"Deputy Presidency Postmaster; Deputy Postmaster in the Postmaster's Service Group B; Gazetted Postmaster and Sub-Postmaster not under the control of a Senior Superintendent.	Deputy Presidency Postmaster; Deputy Postmaster in the Postmasters' Service, Group B; Gazetted Postmaster including Gazetted Sub-Postmaster not under the control of a Senior Superintendent.	All	Presidency Postmaster; Post-master in the grade of Presidency Post-master; Director of Postal Services.
	Gazetted Postmaster including Gazetted Sub-Postmaster under the control of a Senior Superintendent.	(i) to (iv)	Director of Postal Services."

[154/9/77-Disc. II]

P. K. MUKHERJEE, Assistant Director General (Disc)

नई दिल्ली, 6 जून, 1978

का० आ० 1748.—हैदराबाद टेलिफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उस सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (III) (बी० बी०) में अपेक्षित है हैदराबाद में चालू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें ।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए दिनांक 24-7-77 के अंग्रेजी दैनिक "डक्कन क्रोनिकल, "दिनांक 24-7-77 के उर्दू दैनिक "रहनुमा-ए० डक्कन०" और दि० 24-3-77 के तेलुगू दैनिक "आंध्र भूमि" में प्रकाशित कराई गई थी ।

उक्त सूचना के उत्तर में जन साधारण केसे मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है ।

इसलिए अब उक्त नियमवाली के नियम 434 (III) (बी० बी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक-तार ने घोषित किया है, कि तारीख 16-6-78 से हैदराबाद का स्थानीय संशोधन क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

हैदराबाद टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

हैदराबाद का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि जुड़े हुए हैदराबाद व सिकन्दराबाद के नगर निगम और सिकन्दराबाद कैन्टूनमैन्ट क्षेत्र के अंतर्गत पड़ता है, किन्तु ऐसे टेलीफोन उपभोक्ता जो कि जुड़े हुए हैदराबाद व सिकन्दराबाद के नगर निगम और सिकन्दराबाद कैन्टूनमैंट के क्षेत्रीय सीमा के बाहर स्थित है किन्तु जिन्हें हैदराबाद टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे ।

[सं० 3-24/74-पी०एच०बी०]

New Delhi, the 6th June, 1978

S.O. 1748.—Whereas a public notice for revising the local area of Hyderabad Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Hyderabad, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers ;

And whereas the said notice was made available to the public on 24-7-77 in the English Daily "DECCAN CHRONICLE" on 24-7-77 in Urdu Daily "RAHNUMA-E-DECCAN" and on 24-7-77 in Telugu Daily "ANDHRA BHOOMI";

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rlues, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-6-78 the revised local area of Hyderabad shall be as under ;

Hyderabad Telephone Exchange System

The local area of Hyderabad shall cover an area falling under the jurisdiction of Municipal Corporation of twin cities of Hyderabad and Secunderabad and Secunderabad cantonment ; Provided further that the telephone subscribers located outside the Municipal Corporation of twin cities of Hyderabad and Secunderabad and Secunderabad cantonment limits but who are served from Hyderabad Telephone System will continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KMs of any Exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-24/74-PHB]

का० आ० 1749—तरनाका टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434 (III) (बी० बी०) में अपेक्षित है। तरनाका में चालू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए दिनांक 24-7-77 के अंग्रेजी दैनिक "डक्कन क्रोनिकल", दिनांक 24-7-77 के उर्दू दैनिक "रहनुमा-ए-डक्कन" और दिनांक 24-7-77 के तेलुगू दैनिक "आंध्र भूमि" में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (III) (बी० बी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक डाक तार ने घोषित किया है, कि तारीख 16-6-78 से तरनाका का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

तरनाका टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :

तरनाका का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि तरनाका टेलीफोन एक्सचेंज के 5 कि० मी० के अरीय दूरी के अंतर्गत पड़ता है। बशर्ते कि यह सीमा दक्षिण में मूसी नदी और पश्चिम में जुड़े हुए हैदराबाद और सिकन्दराबाद के नगर निगम की सीमा और उत्तर में बड़ी रेलवे लाइन तक सीमित होगी।

[सं० 3-24/74 पीएचबी]

S.O. 1749.—Whereas a public notice for revising the local area of Tarnaka Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the News papers in circulation at Tarnaka, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers ;

And whereas the said notice was made available to the public on 24-7-77 in the English Daily "DECCAN CHRONICLE", on 24-7-77 in Urdu Daily "RAHNUMA-E-DECCAN" and on 24-7-77 in Telugu Daily "ANDHRA BHOOMI";

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-6-78 the revised local area of Tarnaka shall be as under ;

Tarnaka Telephone Exchange System

The local area of Tarnaka shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from the Tarnaka Exchange ; Provided further that this limit shall be restricted to the Musi River in the South and Boundary of Municipal Corporation of twin cities of Hyderabad and Secunderabad in the West and broadgauge Railway line in the North.

[No. 3-24/74-PHB]

का० आ० 1750—मौलाली टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगो पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434 (III) (बीबी) में अपेक्षित है मौलाली में चालू समाचार पत्रो में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में उन्हे कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हो तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनो के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए दिनांक 24-7-77 अंग्रेजी दैनिक "डक्कन क्रोनिकल" दिनांक 24-7-77 के उर्दू दैनिक "रहनुमा-ए-डक्कन" और दिनांक 24-7-77 के तैलुगू दैनिक "आंध्र भूमि' में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जन साधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(III)(बी बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक-तार ने घोषित किया है, कि तारीख 16-6-78 से मौलाली का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

मौलाली टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

मौलाली का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि मौलाली टेलीफोन एक्सचेंज के 5 कि० मी० की अरीय दूरी के अंतर्गत पड़ता है। बशर्ते कि यह सीमा पश्चिम में जुड़े हुए हैदराबाद और सिकन्दराबाद नगर निगम और पश्चिम में सिकन्दराबाद कैन्टोनमैन्ट की सीमा तक और दक्षिण में बड़ी रेलवे लाइन तक सीमित होगी।

[सं० 3-24/74-पी० एच० बी]

S.O. 1750.—Whereas a public notice for revising the local area of Moulali Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Moulali, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers ;

And whereas the said notice was made available to the public on 24-7-77 in the English Daily "DECCAN CHRONICLE" on 24-7-77 in Urdu Daily "RAHNUMA-E-DECCAN" and on 24-7-77 in Telugu Daily "ANDHRA BHOOMI" ;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Post and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-6-78 the revised local area of Moulali shall be as under ;

Moulali Telephone Exchange System

The local area of Moulali shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from the Moulali Exchange ; Provided further that this limit shall be restricted to the Municipal Corporation boundary of the twin cities of Hyderabad and Secunderabad and the boundary of Secunderabad cantonment in the West and the broadgauge Railway line in the south.

[No. 3-24/74-PHB]

का० आ० 1751—राजेन्द्रनगर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्व-साधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434 (III) (बीबी) में अपेक्षित है। राजेन्द्रनगर में चालू समाचार पत्रों में निकाल गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करे।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए दिनांक 24-7-77 के अंग्रेजी दैनिक "डक्कन क्रोनिकल", दिनांक 24-7-77 के उर्दू दैनिक "रहनुमा-ए-डक्कन और दिनांक 24-7-77 के तैलुगू दैनिक "आन्ध्र भूमि" में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (III) (बी बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक तार ने घोषित किया है, कि तारीख 16-6-78 से राजेन्द्र नगर का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

राजेन्द्र नगर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि राजेन्द्रनगर टेलीफोन एक्सचेंज के 5 कि० मी० के अरीय दूरी के अंतर्गत पड़ता है। बशर्ते कि यह सीमा उत्तर और उत्तर पूर्व में हैदराबाद और सिकन्दराबाद के नगर निगम के क्षेत्र तक सीमित होगी।

[सं० 3-24/74-पी० एच० बी०]

S.O 1751.—Whereas a public notice for revising the local area of Rajendranagar Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Rajendranagar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers ;

And whereas the said notice was made available to the public on 24-7-77 in the English Daily "DECCAN CHRONICLE" on 24-7-77 in Urdu Daily "RAHNUMA-E-DECCAN" and on 24-7-77 in Telugu Daily "ANDHRA BHOOMI" ;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rlues, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-6-78 the revised local area of Rajendra Nagar shall be as under ;

Rajendranagar Telephone Exchange System.

The local area of Rajendranagar shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from the Rajendranagar Telephone Exchange ; Provided further that this limit shall be restricted to the boundary of Municipal Corporation of twin cities of Hyderabad and Secunderabad in the North and North-East.

[No. 3-24/74-PHB]

का० आ० 1752—सारूरनगर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434 (III) (बी० बी०) में अपेक्षित है सारूरनगर में चालू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हो तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए दिनांक 24-7-77 के अंग्रेजी दैनिक "डकन क्रोनिकल," दिनांक 24-7-77 के उर्दू दैनिक "रहनूमा-ए-डकन और दिनांक 24-7-77 के तेलगू दैनिक "आंध्र भूमि" में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जन साधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (III) (बी० बी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक-तार ने घोषित किया है, कि तारीख 16-6-77 से सारूर नगर का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

सारूरनगर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

सारूर नगर का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि सारूर नगर टेलीफोन एक्सचेंज के 5 कि० मी० के क्षेत्र के अंतर्गत पड़ता है, बशर्ते कि यह सीमा उत्तर में मूसी नदी तक और पश्चिम में जुड़े हुए हैदराबाद और सिकन्दराबाद नगर निगम क्षेत्र की सीमा हो।

[सं० 3/24/74-पी० एच० बी०]

प्रा० ना० कौल, निदेशक फोन (ई)

S.O. 1752.—Whereas a public notice for revsing the local area of Saroornagar Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Saroornagar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers ;

And whereas the said notice was made available to the public on 24-7-77 in the English Daily "DECCAN CHRONICLE" on 24-7-77 in Urdu Daily "RAHNUMA-E-DECCAN" and on 24-7-77 in Telugu Daily "ANDHRA BHOOMI" ;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-6-78 the revised local area of Sarornagar shall be as under ;

Saroornagar Telephone Exchange System.

The local area of Saroornagar shall cover an area falling within 5 Kms. radial distance from the Saroornagar Telephone Exchange ; Provided further that this limit shall be restricted to Musi River in the North and boundary of Municipal Corporation of twin cities of Hyderabad and Secunderabad in West

[No. 3-24/74-PHB]

P. N. KAUL, Director of Phones (E)

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1978

का० आ० 1753.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कारपोरेशन बैंक लिमिटेड, मंगलोर के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेल्वारत्नम् होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या कारपोरेशन बैंक लिमिटेड, मंगलोर के प्रबन्ध तंत्र की बैंक की जी० टी० शाखा के लेखा अनुभाग में अटेंडर, श्री ए० शंकरन् नायर को अतिरिक्त बीमारी की छुट्टी मना करने की कार्यवाही वैध और न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०-12012/22/78-डी-2 ए]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 25th April, 1978

S.O. 1753.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Corporation Bank Limited, Mangalore and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K. Selvaratnam with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Corporation Bank Limited Mangalore in refusing additional sick leave to Shri A. Sankaran Nair, Attender Accounts Section, G.T. Branch of the Bank is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[F. No. L-12012/22/78-D.II.A]

नई दिल्ली, 1 मई, 1978

का० आ० 1754.—इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री डी० डी० गुप्त है, के समक्ष लंबित है ;

और श्री डी० डी० गुप्त, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली की सेवाएं उनकी सेवा निवृत्ति के कारण उपलब्ध नहीं हैं और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को अधिनिर्णय के लिए नए गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली को स्थानांतरित करना वांछनीय समझती है ।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2169, तारीख 13 मई, 1977 को अधिक्रांत करते हुए, उक्त विवाद से संबंधित कार्यवाहियों को पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली से वापस लेती है और उसे उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, को इस निदेश के साथ स्थानांतरित करती है कि उक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, और आगे कार्यवाही उसी प्रक्रम से करेगा जिस पर वह उसे स्थानांतरित की जाए और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा ।

अनुसूची

क्रमांक	विवाद संख्या	विवाद के पक्षकार
1	2	3
1.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 104।	क्षेत्रीय मैनेजर, पंजाब नेशनल बैंक, चंडीगढ़ बनाम श्री आई० एस० कपूर।
2.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 105।	पंजाब नेशनल बैंक, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली बनाम श्री बी० एम० बंसल ।
3.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 106।	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री एस० के० धीर ।
4.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 107।	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़, बनाम श्री आर० एन० अहूजा ।
5.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 108।	ओरियन्टल बैंक आफ कामर्स लिमिटेड, चंडीगढ़, बनाम श्री बाल कृष्ण ।
6.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 109।	स्टेट बैंक आफ पटियाला बनाम श्री संतोष गुप्ता ।
7.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 110।	पंजाब नेशनल बैंक, शिमला, बनाम श्री सुरेश कुमार ।
8.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 111।	व्यास प्रोजेक्ट तलवाड़ा, बनाम श्री पवित्र सिंह ।
9.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 112।	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़, बनाम श्री के० के० त्रिखा ।
10.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 113।	यूनाइटेड इंडिया फायर एन्ड जनरल इंशोरेंस, चंडीगढ़, बनाम श्री हरदयाल सिंह ।
11.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 114।	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री विशाल मनी ।
12.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 115।	सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, चंडीगढ़, बनाम स्टाफ यूनियन, अंबाला कैंट ।
13.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 116।	पंजाब कोआपरेटिव बैंक लि०, अमृतसर बनाम ठाकुर दुर्गा दास ।
14.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 117।	पंजाब नेशनल बैंक, चंडीगढ़ बनाम श्री सुभाष चन्द्र ।
15.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 42।	मसर्स चार्टर्ड बैंक, कानपुर बनाम श्री श्री जोगेश्वर झा ।
16.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 31।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, कानपुर बनाम श्री जे० एन० शर्मा ।
17.	1976 का सी० जी० आई० डी०, संख्या 32।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, कानपुर, बनाम श्री विरेन्द्र प्रताप सिंह ।
18.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 20।	लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि०, नई दिल्ली, बनाम श्री महेश चन्द्र जैन ।
19.	75 का सी० जी० आई० डी० संख्या 54।	बैंक आफ इंडिया बनाम श्री परवेश कुमार एवं अन्य, लखनऊ ।
20.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 59।	बैंक आफ इंडिया, लखनऊ बनाम श्री ए० के० जैन ।
21.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 16।	बैंक आफ इंडिया, लखनऊ, बनाम श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा ।
22.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 92।	स्टेट बैंक आफ पटियाला, बनाम श्री मेघर सिंह ।
23.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 103।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली, बनाम सर्वश्री धर्मसिंह, तरसेन लाल तथा रेशम सिंह ।
24.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 99।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली, बनाम श्री बरीराम ।
25.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 95।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री सुच्चा राम ।

1	2	3
26.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 100।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री सुरेंद्र पाल सिंह।
27.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 97।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री नरेन्द्र मरवाह।
28.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 96।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री मलकियत सिंह।
29.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 98।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री देश प्रकाश।
30.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 94।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री शक्ति सिंह।
31.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 91।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री दीप चन्द।
32.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 93।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री अमरीक सिंह।
33.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 83।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री देव दयाल शर्मा।
34.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 56।	बैंक आफ इंडिया, लखनऊ बनाम श्री हरीश कुमार रायल।
35.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 36।	नारंग बैंक आफ इंडिया, बनाम श्री भगवान दास चोपड़ा।
36.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 43।	बैंक आफ बड़ौदा, लखनऊ बनाम श्री गंगा बक्स चोपड़ा।
37.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 2।	नेशनल एन्ड ग्रेन्डलेज बैंक, नई दिल्ली बनाम कर्मचारी चौकीदार।
38.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 38।	बनारस स्टेट बैंक, वाराणसी बनाम श्री राम बाबू मिश्रा।
39.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 40।	कनारा बैंक लखनऊ, बंगलौर बनाम श्री किशन लाल।
40.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 37।	इलाहाबाद बैंक आफ लखनऊ बनाम श्री राज नारायण शुक्ला।
41.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 12।	पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू बनाम श्री किशोरी लाल।
42.	1974 का सी० जी० आई० डी० संख्या 7।	मसर्स फर्स्ट नेशनल सीटी बैंक बनाम श्री एस० एन० बालाई।
43.	1974 का सी० जी० आई० डी० संख्या 5।	स्टेट बैंक आफ पटियाला बनाम श्री एल० आर० सिंघल।
44.	1935 का सी० जी० आई० डी० संख्या 1।	मैसर्स देना बैंक, नई दिल्ली बनाम सर्वश्री अशोक कुमार एन्ड एम० एम० शर्मा।
45.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 45।	फूड कारपोरेशन आफ इंडिया, बरेली बनाम 51 कर्मकार।
46.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 101।	मैसर्स ब्यास सतलुज लिंक प्रोजेक्ट्स, सुन्दर नगर बनाम कर्मकार।
47.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 51।	मैसर्स ओरियन्टल बैंक आफ कामर्स, न्यू दिल्ली बनाम श्री जे० एम० मदान।
48.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 46।	बैंक आफ बड़ौदा, न्यू दिल्ली बनाम श्रीमती नागपाल।
49.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 8।	मसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया, न्यू दिल्ली बनाम श्री आर० एन० दास।
50.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 49।	मैसर्स ओरियन्टल बैंक आफ कामर्स, नई दिल्ली बनाम श्री मोहिन्दर लाल खन्ना।
51.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 101।	स्टेट बैंक आफ इंडिया, अम्बाला कैंट बनाम श्री आर० एन० दास।
52.	1974 का सी० जी० आई० डी० संख्या 9।	नेशनल सिटी बैंक, न्यू दिल्ली बनाम श्री विपन कुमार शर्मा।
53.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 21।	मसर्स लक्ष्मी कोमर्शियल बैंक, न्यू दिल्ली बनाम श्री शिव नाथ शर्मा।
54.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 21।	मैसर्स बैंक आफ राजस्थान बनाम श्री हीरालाल।
55.	1974 का सी० जी० आई० डी० संख्या 18।	मैसर्स बैंक आफ बड़ौदा, न्यू दिल्ली बनाम श्री एम० सी० शर्मा।
56.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 61।	मैसर्स ग्रिन्डलेज बैंक, न्यू दिल्ली बनाम श्री प्रेम चन्द गुप्ता।
57.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 41।	मैसर्स यूनाइटेड कामर्शियल बैंक बनाम श्री प्रकाश।
58.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 44।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, कानपुर बनाम श्री आर० एस० कपूर।
59.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 10।	रिजर्व बैंक आफ इंडिया, न्यू दिल्ली बनाम 51 कर्मकार।
60.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 84।	स्टेट बैंक आफ पटियाला बनाम श्री गुरमित सिंह।
61.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 87।	मैसर्स बैंक आफ बड़ौदा, सोनिपत बनाम श्री राज कुमार मुखी।
62.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 9।	यूनियन बैंक आफ इंडिया, न्यू दिल्ली बनाम श्री मिठन लाल गुप्ता।
63.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 60।	मैसर्स ग्रिन्डलेज बैंक्स, न्यू दिल्ली बनाम कर्मकार।
64.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 22।	मसर्स ग्रिन्डलेज बैंक्स, कानपुर बनाम यूनियन।
65.	1976 का सी० जी० आई० डी० सं० 18।	मैसर्स ग्रिन्डलेज बैंक, अमृतसर बनाम सर्वश्री एस० पी० खन्ना और अन्य।
66.	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 72।	मैसर्स फूड कोरपोरेशन आफ इंडिया, न्यू दिल्ली बनाम श्री ज्ञान चंद गुलाटी।
67.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 27।	मैसर्स इलाहाबाद बैंक, लखनऊ बनाम श्री गोपी नाथ कपूर।
68.	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 35।	मैसर्स ओरिन्टल फायर एन्ड जनरल इन्श्योरेंस, कानपुर बनाम श्री कुतुब उल्लाह खां।

1	2	3
69	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 31 ।	मैसर्स ओरिन्टिल फायर एन्ड जनरल इश्योरेंस, कानपुर बनाम श्री कुतुब उल्लाह खां ।
70	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 90 ।	मैसर्स न्यू० बैंक आफ इंडिया, जालंधर बनाम श्री यमुना प्रशाद ।
71	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 89 ।	मैसर्स जम्मू एन्ड काश्मीर मिनरल्स, जम्मू, लि० बनाम कर्मकार ।
72	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 30 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, कानपुर बनाम श्री आर० एन० वर्मा ।
73	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 29 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, कानपुर बनाम श्री रमा कांत टंडन ।
74	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 28 ।	मैसर्स इलाहाबाद बैंक, लखनऊ बनाम श्री राम कुमार खन्ना ।
75	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 55 ।	मसर्स इंडियन एयर लाइन्स बनाम श्री पी० एम० अग्रवाल ।
76	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 39 ।	मैसर्स बैंक आफ बड़ौदा, कानपुर बनाम श्री जे० एल० मलहोत्रा ।
77	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 7 ।	मैसर्स ओरिन्टल बैंक आफ कौमर्स, न्यू० दिल्ली बनाम श्री मनोहर लाल खन्ना ।
78	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 45 ।	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम 11 कर्मकार ।
	5 का सी० जी० आई० संख्या 69 ।	पंजाब नेशनल बैंक, नई दिल्ली बनाम श्री दौलत राम ।
80	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 42 ।	मैसर्स इंडियन एयर लाइन्स बनाम श्री मुख्तयार सिंह ।
81	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 82 ।	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया बनाम श्री जय गोपाल वर्मा ।
82	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 341 ।	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया बनाम श्री श्याम बाबू, नई दिल्ली ।
83	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 13 ।	मैसर्स इंडियन एयर लाइन्स बनाम श्री एस० एम० अग्रवाल ।
84	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 88 ।	मैसर्स ब्याम डेम प्राजेक्ट, तलवारा बनाम श्री मनोहर लाल ।
85	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 26 ।	मैसर्स एल० आई० सी० इंडिया, कानपुर बनाम श्री डी० के० मिश्रा ।
86	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 17 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री प्रेम चंद जैन ।
87	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 12 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री विजेन्द्र कुमार जैन तथा अन्य ।
88	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 31 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम राम दुलारे उपाध्याय ।
89	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 23 ।	मैसर्स यूनियन बैंक आफ इंडिया, लखनऊ बनाम श्री एस० एस० त्रिवेदी ।
90	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 19 ।	मैसर्स ग्रिन्डलेज बैंक लि०, नई दिल्ली बनाम कर्मकार ।
91	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 69 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चण्डीगढ़ बनाम श्री राम सिंह ।
92	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 77 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री बचन सिंह ।
93	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 59 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री बलजीत सिंह ।
94	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 68 ।	मैसर्स सी० बी० आई०, चंडीगढ़ बनाम श्री अजीत कुमार ।
95	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 61 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री एस० एस० गुलाटी ।
96	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 102 ।	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री नन्द किशोर शर्मा ।
97	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 80 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, चंडीगढ़ बनाम श्री के० एल० विज ।
98	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 67 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया बनाम श्री एच० पी० जैन ।
99	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 26 ।	मैसर्स इंजीनियर चीफ पी० डब्ल्यू० डी०, नई दिल्ली बनाम श्री सरदार सिंह ।
100	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 24 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री के० एल० गुप्ता तथा अन्य ।
101	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 13 ।	मैसर्स बैंक आफ इंडिया, लखनऊ बनाम श्री ए० के० कीर्ती ।
102	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 46 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, शिमला बनाम श्री हुकम सिंह ।
103	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 58 ।	मैसर्स यूनियन बैंक आफ इंडिया, बम्बई बनाम श्री डी० सी० शर्मा ।
104	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 44 ।	मैसर्स यूनाइटेड कामर्शियल बैंक, नई दिल्ली बनाम श्री आर० एम० तलवार ।
105	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 48 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू बनाम श्री मोहिन्दर सिंह परमार ।
106	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 49 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, शिमला बनाम श्री तिलक राज ।
107	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 47 ।	मैसर्स पंजाब नेशनल बैंक, शिमला बनाम श्री आर० सी० वशिष्ट ।
108	1975 का सी० जी० आई० डी० संख्या 74 ।	मैसर्स गवर्नमेंट आफ इंडिया प्रैस बनाम श्री सी० पी० गर्ग ।
109	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 52 ।	मैसर्स सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ बनाम श्री ए० एल० चोपड़ा ।
110	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 15 ।	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली बनाम श्री हरभजन सिंह ।
111	1976 का सी० जी० आई० डी० संख्या 25 ।	मैसर्स इंडियन एयर लाइन्स बनाम नारायन्द ।

[फा० संख्या एल-12025/21/76-डी० 2ए०/डी० 4बी]

New Delhi, the 1st May, 1978

S.O. 1754.—Whereas the industrial disputes specified in the schedule hereto annexed are pending before the Central Government Industrial Tribunal, Delhi presided over by Shri D. D. Gupta;

And whereas the services, of Shri D.D. Gupta, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Delhi are no longer available due to his retirement and the Central Government considers it desirable to transfer the said disputes for adjudication to the newly constituted Central Government Industrial Tribunal, New Delhi.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2169, dated 13th May, 1977, the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said disputes from the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Delhi and transfers the same to the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi constituted under section 7A of the said Act and directs that the said Central Government Industrial Tribunal, New Delhi shall proceed with the said proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law

THE SCHEDULE

Sl. No.	Case No.	Parties to the dispute
1	2	3
1.	C.G.I.D. No. 104 of 1976	Regional Manager Punjab National Bank, Chandigarh V/s. Sh. I.S. Kapoor.
2.	C.G.I.D. No. 105 of 1976	Punjab National Bank, Jhandewalan Extn. New Delhi V/s. Sh. V.N. Bansal.
3.	C.G.I.D. No. 106 of 1976	Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. S.K. Dhir.
4.	C.G.I.D. No. 107 of 1976	Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. R.N. Ahuja.
5.	C.G.I.D. No. 108 of 1976	Oriental Bank of Commerce Ltd., Chandigarh V/s Sh. Bal Krishan.
6.	C.G.I.D. No. 109 of 1976	State Bank of Patiala V/s. Sh. Santosh Gupta.
7.	C.G.I.D. No. 110 of 1976	Punjab National Bank, Simila, V/s. Sh. Suresh Kumar.
8.	C.G.I.D. No. 111 of 1976	Beas Project Talwara V/s. Sh. Pawitra Singh.
9.	C.G.I.D. No. 112 of 1976	Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. K.K. Trikha.
10.	C.G.I.D. No. 113 of 1976	United India Fire & Genl. Insurance, Chandigarh V/s. Sh. Hardial Singh.
11.	C.G.I.D. No. 114 of 1976	Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. Vishal Mani.
12.	C.G.I.D. No. 115 of 1976	Central Bank of India, Chandigarh V/s. Staff Union, Ambala Cantt.
13.	C.G.I.D. No. 116 of 1976	Punjab Co-operative Bank Ltd., Amritsar V/s. Thakur Durga Das.
14.	C.G.I.D. No. 117 of 1976	Punjab National Bank, Chandigarh, V/s. Sh. Subhash Chand.
15.	C.G.I.D. No. 42 of 1976	M/s. Chartered Bank, Kanpur V/s. Shri Jogeshaar Jha.
16.	C.G.I.D. No. 31 of of 1976	State Bank of India, Kanpur V/s. Sh. J.N. Sharma.
17.	C.G.I.D. No. 32 of 1976	State Bank of India, Kanpur, V/s. Sh. Virender Pratap Singh.
18.	C.G.I.D. No. 20 of 1976	Laxmi Commercial Bank Ltd., New Delhi V/s. Sh. Mahesh Chand Jain.
19.	C.G.I.D. No. 54 of 1975	Bank of India V/s. Sh. Parwesh Kumar & others, Lucknow
20.	C.G.I.D. No. 59 of 1975	Bank of India, Lucknow V/s. Shri A.K. Jain.
21.	C.G.I.D. No. 16 of 1976	Bank of India Lucknow, V/s. Sh. Surender Kumar Verma.
22.	C.G.I.D. No. 92 of 1976	State Bank of Patiala V/s. Sh. Megher Singh.
23.	C.G.I.D. No. 103 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. S/Shri Dharam Singh, Tarsenlal, Resham Singh.
24.	C.G.I.D. No. 99 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Shri Bri Ram.
25.	C.G.I.D. No. 95 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Sucha Ram.
26.	C.G.I.D. No. 100 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Surenderpal Singh.
27.	C.G.I.D. No. 97 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Narinder Marwaha.
28.	C.G.I.D. No. 96 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Malkit Singh.
29.	C.G.I.D. No. 98 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Dev Prakash.
30.	C.G.I.D. No. 94 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Shakti Singh.
31.	C.G.I.D. No. 91 of 1976	State Bank of India, New Dehli V/s. Sh. Dep Chand.
32.	C.G.I.D. No. 93 of 1976	State Bank of Chandigarh V/s. Sh. Amrik Singh.
33.	C.G.I.D. No. 83 of 1976	State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Dev Dayal Sharma.
34.	C.G.I.D. No. 56 of 1975	Bank of India, Lucknow, V/s. Sh. Harish Kumar Rawal.
35.	C.G.I.D. No. 36 of 1975	Narang Bank of India V/s. Shri Bhagwan Dass Chopra.
36.	C.G.I.D. No. 43 of 1976	Bank of Baroda Lucknow V/s. Sh. Ganga Bax Singh.
37.	C.G.I.D. No. 2 of 1976	National & Grindlays Bank, New Delhi V/s. Workmen Chowkidar.
38.	C.G.I.D. No. 38 of 1976	Banaras State Bank Varanasi V/s. Sh. Ram Babu Mishra.
39.	C.G.I.D. No. 40 of 1976	Canara Bank Lucknow, Bangalore V/s. Sh. Kishan Lal.
40.	C.G.I.D. No. 37 of 1976	Allahabad Bank of Lucknow V/s. Sh. Raj Narain Shukla.
41.	C.G.I.D. No. 12 of 1976	Punjab National Bank, Jammu V/s. Sh. Kishori Lal.
42.	C.G.I.D. No. 7 of 1974	M/s. First National City Bank, V/s. Sh. S.L. Balai.
43.	C.G.I.D. No. 5 of 1974	State Bank of Patiala, V/s. Sh. L.R. Singhl.
44.	C.G.I.D. No. 1 of 1975	M/s. Dena Bank, New Delhi V/s. S/Sh. Ashok Kumar & M.M. Sharma.
45.	C.G.I.D. No. 45 of 1976	Food Corporation of India Barielly V/s. 51 workmen.

1	2	3
46.	C.G.I.D. No. 10 of 1976	M/s. Beas Satluj Link Products, Sunder Nagar V/s. workmen.
47.	C.G.I.D. No. 51 of 1976	M/s. Oriental Bank of Commerce, New Delhi V/s. Sh. J.R. Madan.
48.	C.G.I.D. No. 46 of 1975	Bank of Baroda, New Delhi Mrs. Nagpal.
49.	C.G.I.D. No. 8 of 1976	M/s. State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. R.N. Dass.
50.	C.G.I.D. No. 49 of 1975	M/s. Oriental Bank of Commerce, New Delhi V/s. Sh. Mohinder Lal Khanna.
51.	C.G.I.D. No. 101 of 1976	State Bank of India, Ambala Cantt. V/s. Sh. R.N. Dass.
52.	C.G.I.D. No. 9 of 1974	National City Bank, New Delhi V/s. Sh. Vipan Kumar Sharma.
53.	C.G.I.D. No. 21 of 1976	M/s. Luxmi Commercial Bank, New Delhi V/s. Sh. Shiv Nath Sharma.
54.	C.G.I.D. No. 21 of 1975	M/s. Bank of Rajasthan V/s. Sh. Hira Lal.
55.	C.G.I.D. No. 13 of 1974	M/s. Bank of Baroda, New Delhi V/s. Sh. M. C. Sharma.
56.	C.G.I.D. No. 61 of 1975	M/s. Grindlays Bank, New Delhi V/s. Sh. Prem Chand Gupta.
57.	C.G.I.D. No. 41 of 1976	M/s. United Commercial Bank V/s. Sh. Prakash.
58.	C.G.I.D. No. 44 of 1976	M/s. Central Bank of India, Kanpur V/s. Sh. R. S. Kapoor.
59.	C.G.I.D. No. 10 of 1975	Reserve Bank of India, New Delhi V/s. 51 employees.
60.	C.G.I.D. No. 84 of 1976	State Bank of Patiala V/s. Sh. Gurmit Singh.
61.	C.G.I.D. No. 87 of 1976	M/s. Bank of Baroda, Sonepat V/s. Sh. Raj Kumar Mukhi.
62.	C.G.I.D. No. 9 of 1975	Union Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Nithen Lal Gupta.
63.	C.G.I.D. No. 60 of 1975	M/s. Grindlays Banks, New Delhi V/s. Workmen.
64.	C.G.I.D. No. 22 of 1976	M/s. Grindlays Bank, Kanpur V/s. Union.
65.	C.G.I.D. No. 18 of 1976	M/s. Grindlays Bank, Amritsar S/Shri S.P. Khanna & others.
66.	C.G.I.D. No. 72 of 1975	M/s. Food Corporation of India, New Delhi. Sh. Gian Chand Gulathi.
67.	C.G.I.D. No. 27 of 1976	M/s. Allahabad Bank, Lucknow V/s. Sh. Gopi Nath Kapoor
68.	C.G.I.D. No. 35 of 1976	M/s. Oriental Fire & Genl. Insurance, Kanpur V/s. Sh. Qutub Ullah Khan.
69.	C.G.I.D. No. 34 of 1976	M/s. Oriental Fire & Genl. Insurance, Kanpur V/s. Sh. Qutub Ullah Khan.
70.	C.G.I.D. No. 90 of 1976	M/s. New Bank of India, Jullundur V/s Sh. Yamuna Prasad.
71.	C.G.I.D. No. 89 of 1976	M/s. Jammu & Kashmir Minerals Jammu Ltd. V/s. workmen.
72.	C.G.I.D. No. 30 of 1976	M/s. Punjab National Bank Kanpur V/s. Sh. R.N. Verma.
73.	C.G.I.D. No. 29 of 1976	M/s. Punjab National Bank, Kanpur V/s. Sh. Rama Kant Tandon.
74.	C.G.I.D. No. 28 of 1976	M/s. Allahabad Bank, Lucknow V/s. Shri Ram Kumar Khanna.
75.	C.G.I.D. No. 55 of 1976	M/s. Indian Air Lines V/s. Sh. P.S. Jasal.
76.	C.G.I.D. No. 39 of 1976	M/s. Bank of Baroda Kanpur V/s. Sh. J.L. Malhotra.
77.	C.G.I.D. No. 7 of 1975	M/s. Oriental Bank of Commerce, New Delhi V/s. Manohar Lal Khanna.
78.	C.G.I.D. No. 45 of 1975	M/s. State Bank of India, New Delhi V/s. 14 workmen.
79.	C.G.I.D. No. 69 of 1975	Punjab National Bank, New Delhi V/s. Daulat Ram.
80.	C.G.I.D. No. 42 of 1975	M/s. Indian Air Lines V/s. Sh. Mukhtiar Singh.
81.	C.G.I.D. No. 82 of 1976	M/s. State Bank of India V/s. Sh. Jai Gopal Verma.
82.	C.G.I.D. No. 34 of 1975	M/s. State Bank of India V/s. Shyam Babu, New Delhi.
83.	C.G.I.D. No. 13 of 1975	M/s. Indian Air Lines V/s. Sh. S.M. Aggarwal.
84.	C.G.I.D. No. 88 of 1976	M/s. Beas Dam Project, Talwara V/s. Sh. Manoher Lal
85.	C.G.I.D. No. 26 of 1976	M/s. L.I.C. India, Kanpur V/s. Sh. D.K. Misra.
86.	C.G.I.D. No. 47 of 1975	M/s. Central Bank of India, New Delhi V/s Sh. Prem Chand Jain.
87.	C.G.I.D. No. 12 of 1975	M/s. Central Bank of India, New Delhi V/s Sh. Vijendra Kumar Jain and others.
88.	C.G.I.D. No. 31 of 1975	M/s. Central Bank of India, New Delhi V/s. Ram Dular Upadhyay.
89.	C.G.I.D. No. 23 of 1976	M/s. Union Bank of India, Lucknow V/s. Sh. B.R. Trivedi.
90.	C.G.I.D. No. 19 of 1976	M/s. Grindlays Bank Ltd. New Delhi V/s. workmen.
91.	C.G.I.D. No. 69 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. Ram Singh.
92.	C.G.I.D. No. 77 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. Bachan Singh.
93.	C.G.I.D. No. 59 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. Baljit Singh.
94.	C.G.I.D. No. 68 of 1976	M/s. C.B.I., Chandigarh V/s. Ajit Kumar.
95.	C.G.I.D. No. 61 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. G.S. Gulathi.
96.	C.G.I.D. No. 102 of 1976	M/s. State Bank of India, New Delhi V/s. Shri Nand Kishore Sharma.

1	2	3
97.	C.G.I.D. No. 80 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. Sh. K.L. Vij.
98.	C.G.I.D. No. 67 of 1976	M/s. Central Bank of India V/s. Sh. H.P. Jain.
99.	C.G.I.D. No. 26 of 1976	M/s. Engineer Chief P.W.D., New Delhi V/s. Sh. Sarda$_r$ Singh.
100.	C.G.I.D. No. 24 of 1976	M/s. Central Bank of India, New Delhi V/s. Sh. K.L Gupta & others.
101.	C.G.I.D. No. 13 of 1976	M/s. Bank of India, Lucknow V/s. Sh. A.K. Kirti.
102.	C.G.I.D. No. 46 of 1976	M/s. Punjab National Bank Simla V/s. Sh. Hukam Singh.
103.	C.G.I.D. No. 58 of 1975	M/s. Union Bank of India, Bombay V/s. Sh. D.C. Sharma
104.	C.G.I.D. No. 44 of 1975	M/s. United Commercial Bank, New Delhi V/s. Sh. R.M. Talwar.
105.	C.G.I.D. No. 48 of 1976	M/s. Punjab National Bank, Jammu V/s. Sh. Mohinder Singh Parmar.
106.	C.G.I.D. No. 49 of 1976	M/s. Punjab National Bank, Simla V/s. Sh. Tilak Raj.
107.	C.G.I.D. No. 47 of 1976	M/s. Punjab National Bank, Simla V/s. Sh. R.C. Vashisth.
108.	C.G I.D. No. 74 of 1975	M/s. Govt. of India Press V/s. Sh. C.P. Garg.
109.	C.G.I.D. No. 52 of 1976	M/s. Central Bank of India, Chandigarh V/s. A.L. Chopra
110.	C.G.I.D. No. 15 of 1976	M/s. State Bank of India, New Delhi V/s. Sh. Harbhajan Singh.
111.	C.G I.D. No 25 of 1976	M/s. Indian Air Lines V/s. Tara Chand.

[F. No. L-12025/21/76-D.II.A/D.IV B]

आदेश

नई दिल्ली, 3 मई, 1978

का०आ० 1755.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ बडौदा, अहमदाबाद, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ,

अत अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री आर०सी० इसरानी होंगे जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या बैंक आफ बडौदा क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद के प्रबन्धतंत्र की श्री अरविन्दभाई चुन्नीलाल पटेल, चपरासी की सेवाओं को 26-5-77 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है, यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[स० एल-12012/137/77-डी-2ए]

ORDER

New Delhi, the 3rd May, 1978

S.O. 1755.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bank of Baroda Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri R. C. Israni, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of Baroda Regional Office, Ahmedabad in terminating the services of Shri Arvindbhai Chunni Lal Patel, Peon with effect from 26-5-77 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[F. No. L-12012/137/77-D.II.A.]

आदेश

का०आ० 1756.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इण्डियन ओवरसीज बैंक, भुवनेश्वर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० वी० गंगाराजु होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या इण्डियन ओवरसीज बैंक की भुवनेश्वर शाखा के क्लर्क-एवं-टाइपिस्ट श्री एस० महालिक का टैलेक्स आपरेटर के रूप में कार्य करने और टेलेक्स आपरेटर्स भत्ते का भुगतान मांगने का दावा न्यायोचित है, यदि हाँ तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ,

[एल-12012/134/77-डी० 2ए]

ORDER

S.O. 1756.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank, Bhubaneshwar and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with clause (d) of sub section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri M V. Gangaraju with Headquarters at Bhubaneshwar and refer the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the claim of Shri S Mahalik, Clerk-cum-typist at Bhubaneswar Branch of Indian Overseas Bank for assignment of telex operation work and payment of telex operators allowance is justified ? If so, to what relief is the workman entitled and from what date?

[No. L-12012/134/77-D II A.]

आदेश

का०आ० 7157.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सैंट्रल बैंक आफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेल्वा रत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या सैंट्रल बैंक आफ इण्डिया की दक्षिणी वाइनाड स्थित मेपादी शाखा में नियोजित उनके कर्मकारों से हिल और फ्यूल भत्ते के भुगतान को फरवरी, 1977 से एक तरफा वापिस लेने की कार्यवाही न्यायोचित है ; यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से ?

[सं० एल० 12011/71/77-डी० 2-ए०]

आर० पी० नरूला, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1757.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Central Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K Selvaratnam with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Central Bank of India is unilaterally withdrawing the payment of Hill and Fuel Allowance to their employees employed in Mepadi Branch South Wynad with effect from February, 1977 is justified ? If not to what relief are the employees concerned entitled and from what date ?"

[F. No. L-12011/71/77-D.II.A.]

New Delhi, the 7th June, 1978

S.O. 1758.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bangalore on the complaint of K. Jai Prakash Hegde, Clerk, Vijya Bank Ltd., K. C. Road Bangalore against the management of Vijya Bank Ltd., Bangalore, over his illegal transfer from K. C. Road Branch to Dasarahalli Branch of the Bank, which was received by the Central Government on the 20th May, 1978.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN

KARNATAKA, BANGALORE

Dated 28th April, 1978

PRESENT :

Sri F I. F. Alvares, B A.,B.L., Presiding Officer

Complaint No. 2 of 176 in Ref. No. 5 of 76 (Central)

K. Jayaprakash Hegde S/o K Chandrasekhara Hegde, working as Clerk, Vijaya Bank Ltd., K. C. Road, (now transferred to Dasarahalli Branch, Bangalore North Taluk). ... .Complainant

Vs.

The Management of Vijaya Bank Ltd., represented by the Chairman, No. 2, Residency Road, Bangalore. .....Opposite Party

APPEARANCES :

For the Complainant—Sri K Subba Rao, Advocate, Bangalore.

For the Opposite Party—Sri K. J Shetty, Advocate, Bangalore.

AWARD

This is a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. The complainant states that as he filed the claim statement under his signature as the President of the I Party-Union on behalf of the I Party-workmen in Reference No. 5 of 1976 (Central), the Chairman of the II Party became furious and immediately transferred him from the K. C. Road Branch to Dasarahalli Branch, which is a Rural Branch as per order dated 2-9-1976. His transfer has been done with a view to victimise him. He is a workman concerned in the dispute in Reference No. 5 of 1976 (Central). Under these circumstances, the management's action amounts to violation of Section 33 of the Industrial Disputes Act. No tangible reason for his transfer has been given. There was no necessity of the additional hand at the Dasarahalli Branch. To the best of the complainant's knowledge, the business at Dasarahalli Branch has not increased and the Manager of the Dasarahalli Branch has not requested for any additional hand. His transfer is a clear case of colourable exercise of powers. The complainant prays that the transfer order may be set aside and that the Opposite Party may be directed to retain him at the K. C. Road Branch and also pay him the full salary from the date of his transfer till he is taken back to duty at K. C. Road Branch.

3. In its objection statement, the Opposite Party contended that the transfers were made in the regular course of business due to exigencies of service and not with a view to victimise the said person because of the formation of the Vijaya Bank Staff Union. The transfer of an employee from one branch to another is purely a managerial function. The fact that the complainant is the President of the Union does not give him any immunity from transfer. No ground has been made for establishing a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act. Transfer is not one of the conditions of service which would attract the provisions of the Industrial Disputes Act. The complainant is not a concerned workman in the pending dispute. The Opposite Party prays that the complaint may be dismissed.

4. The following Issues were framed as arising for consideration :

"1. Whether the complainant is a concerned workman whithin the meaning of Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act ?

2. If so, whether the transfer of the complainant is illegal and amounts to victimisation ?

3. What relief, if any."

5. On 24th April, 1978, the complainant who was represented by his Counsel and the Opposite Party who was represented by his Counsel's proxy requested that the case fixed for 3rd May, 1978 may be advanced. When the case was so taken up, both the parties filed a Joint Memo stating that they have settled their dispute out of Court and that, as such, the complainant does not press the adjudication of the dispute. They also prayed that an Award may be passed accordingly.

6. In the light of the Joint Memo filed, an Award is passed holding that as the dispute has been settled out of the Court, the complaint does not survive and the same is rejected accordingly.

(Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me).

F. L. F. ALVARES, Presiding Officer

[F. No. L-12025/105/78-D.II A]

R. P. NARULA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 5 मई, 1978

का०आ० 1759.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इण्डियन एयरलाइंस, हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के०पी० नारायण राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या इण्डियन एयरलाइंस, हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र की श्री के० वेंकटेश की सेवाओं को 7 जनवरी, 1974 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-11013 (3) 75-डी-2-(बी)]

हरबंस बहादुर, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 5th May, 1978

S.O. 1759.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Indian Airlines, Hyderabad and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of Section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government thereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. P. Narayana Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Indian Airlines, Hyderabad in terminating the services of Shri K. Venkatesh with effect from the 7th January, 1974 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-11011(3)/75-D. II(B)]

New Delhi, the 30th May, 1978

S.O. 1760.—In pursuance of Section 1 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Cantonment Board, Mhow and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th May, 1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-

CUM-LABOUR COURT, JABALPUR, (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(22) of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of the Cantonment Board, Mhow and their Workmen represented through Shri Laxman Prasad Prayag (One of the workmen concerned) Gujer Kheda, Mhow, Distt. Indore (M.P.).

APPEARANCES :

For Management—Sri P. Fatch Ullah, Executive Officer.

For Workmen—Sri Laxman Prasad Prayag.

INDUSTRY : Cantonment Board. DISTRICT : Indore (M.P.)

AWARD

May 15th, 1978

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-13012(2)/77-D.II(B) dated 18-11-1977 for the adjudication of the following industrial dispute by this Tribunal :

"Whether the action of the Management of the Cantonment Board, Mhow in terminating the services of Sarvashri Laxman Prasad Prayag, Jagdish Prasad, Arun Kumar, Om Prakash and Ram Kishan, Casual Labourers with effect from the 30th April, 1975, justified ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?"

2. The parties agreed that in fact these workmen were retrenched on 30-4-1976 and not on 30-4-1975, which was only an obvious misprint. They agreed that the date in the reference may by agreement be taken to be the 30th April, 1976 and the reference be decided on that basis. Accordingly in the above reference the date of retrenchment shall be read as 30th April, 1976.

3. Admittedly all these casual workmen were in the employment for 12 months prior to the date of retrenchment except that according to the management Jagdish Prasad, who was not in employment on 1-5-1975 as he was absent on that date. His 12 months employment thus falls short by one day according to the Management. Two of the workmen namely Sarvashri Laxman Prasad Prayag and Arun Kumar admittedly worked for more than 240 days during that 12 months employment.

4. The case of the workmen is that their retrenchment was void being in flagrant violation of mandatory protective provisions of Industrial Disputes Act.

5. The Management alleged that the Cantonment Board was not an 'Industry', the reference was not tenable and this Tribunal has no jurisdiction to entertain the same or to deal with the dispute. These workmen were casual workers hence their retrenchment was proper.

6. Under the law Cantonment Board is bound to undertake the activity of arranging water supply to the inhabitants of the area. 'Activity oriented analysis' goes to show that this activity is arranged by the Board in a manner analogous to trade or business. The end product of this cooperation of the employees and employer is the material service to the community. 'Profit motive is irrelevant', hence it is of no consequence if the water tax is not charged on consumption basis but is charged on the valuation of the property. It is not a regal or paramount function of the State to supply water to the community. Such a supply can be arranged even by a private party. Core functions of the State are paramount and this 'Doctrinal exemption of paramount functions is not expansionist in character'. They have to be narrowed down to the 'necessitous function'. The controversy has now been finally settled by the Supreme Court in Bangalore Water Supply Case (reported in AIR 1978 SC 548). Hence no elaborate discussion on this point is now necessary. The activity of the Cantonment Board, Mhow in arranging water supply comes within the mischief of 'Industry' as defined in the Industrial Disputes Act. Reference is, therefore, valid and this Tribunal has jurisdiction to deal with the dispute.

7. Admittedly Shri Laxman Prasad Prayag and Shri Arun Kumar did sail into a harbour of Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

8. The question of employment for 12 months preceding the date of retrenchment and working for 240 days or above are important factors which call for a decision before the rest of the workmen can be said to have secured the protection of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. In this context the correctness of the muster roll was challenged by the workmen. When it was counter checked with the help of meter reading charts called Log Books I found that occasions out of number the pump attendants were callously marked absent by some easy chair muster roll clerk even when they were present on the respective wells, they operated the pumps, noted down meter readings and signed the log books.

9. Shri Laxman Prasad Prayag was thus erroneously marked absent in muster roll, vide Ex. M/1, on 2, 9, 16, 23 and 30th September, 4, 7, 14, 21 and 28th October, of the year 1975, 19, 22 and 26th January, 2, 12 and 24th of February, 22nd of March and 8th and 14th of April, of the year 1976, when on these dates vide log books Ex. M/7 and M/8 he was present, he operated the pump, noted the meter reading and signed the entry during his shift. This is besides 26 days during the spell of these 12 months when he signed the log book but recorded nil reading because the pump was not operated.

10. Shri Jagdish Prasad operated the pump, signed and recorded meter readings and units consumed on 35 dates in the log books Ex. M/7 and Ex. M/8 but was marked absent in the muster roll vide Ex. M/2. Such dates are 1, 4, 17, 25 and 27th of May 8, 22 and 29th of June, 6th of July, 3, 10, 17, 24 and 31st of August, 7, 13, 15 and 28th of September, 5th of October, 7, 16, 23 and 30th of November, 10, 14 and 25th of December, of the year 1975 and 5, 13, 15, 18, 22, 25 and 28th January, 5th of February and 9th of April, of the year 1976. This is besides 6 days when he signed the log book but recorded nil reading because the pump was not operated.

11. Shri Om Prakash operated the pump, signed and recorded the meter reading and the units consumed on 21 days in these 12 months in the Log Books Ex. M/7 and Ex. M/8 but was marked absent in the muster roll vide Ex. M/4. The dates are 23rd of August, 23, 26, 27 and 29th of September, 1 and 9th October, 13, 15, 16, 22, 25 and 27th of November, 24, 27 and 28th of December, of the year 1975, and 9th and 16th of January, 4th February and 7 and 13th April, of the year 1976. This is besides 16 days when he signed the log books but recorded nil reading because the pump was not operated.

12. Similarly Shri Ram Kishan signed and recorded meter reading and units consumed on operating pump on 2 days viz. 22nd and 24th of May 1975 in the log book Ex. M/7 but was marked absent in the muster roll vide Ex. M/5. This is besides 40 days when he signed the log books but recorded nil reading because the pump was not operated.

13. From the above analysis it is obvious that the muster rolls were not correctly and faithfully maintained by the person concerned. This sort of callously indifferent attitude of the person incharge of the muster rolls as well as of the supervising officers, towards marking of the attendance of the poor casual labourers is despicable more so as it amounts to the deceitful exploitation of their labour for no return by a Government Institution which should in fact be an ideal employer. It is further abhoring that officers of such an institution should come forward before this Tribunal with a plea that the log books cannot be relied upon as against the muster rolls because the log books can possibly be tampered with.

14. This plea of possibility of tampering with the log books is again a wholly untenable plea. Shri R. S. Jindal (M.W. 2) stated that log books were maintained for recording and checking the meter readings and power consumption. Electric power consumption bills that are received from Madhya Pradesh Electricity Board are cross checked and verified with the help of the entries in the log books. If there is discrepancy the person signing the entry in the log books is called upon to explain. On each well the pump operates round the clock and is attended by different persons in three different shifts of 8 hours each. The closing meter reading of the first shift is the opening meter reading in the second shift and so on the cycle proceeds from day to day. The last entry of the previous day is the opening reading of the successive date. The log book entry thus maintains a running account of power consumption and thereby it further speaks on the point whether a person was present in the shift duty or not. Each person in-charge of a shift has to make the entry and sign it unless the man is ordered to work in two shifts. A common log book paper is maintained for all the pumps operating in different wells and that paper is removed by Shri Jindal who is in-charge and is kept with him datewise in the office record. According to his evidence no one has any approach to that paper subsequently. How there can be manipulation of false log books? Even the Engineer-in-Charge could not explain as to how the absence of the man can be presumed even when he operated the pump and noted the meter readings and signed the entries on the particular date. These log books cannot be disbelieved simply because they put the management to an uncomfortable position by blatantly falsifying the muster rolls.

15. It was then said that the manipulation was possible at least where there were 'nil' entries recorded in log books. Even that plea is not tenable. If the pump did not work, power was not operated the entry will naturally be 'nil'. But if there had been an attendant on duty it is not possible for a third person to make a false entry in place of the person who actually performed the shift duty. The log books show that the pump in Vaidyaji Well did not operate continuously for a number of months. But even there one pump attendant in-charge of one shift is marked present in the muster roll while the other in-charge of the other shift is marked absent. This shows that even though the pump was not working still the pump attendant used to be employed to look after it and in such a situation mere 'nil' entry cannot be thrown out as a piece of possible fabrication when the whole record is kept and maintained by the Management. If one shift in-charge can be believed to be present inspite of 'nil' entry how can it be said that the other shift in-charge was not present simply because the meter reading recorded by him was 'nil'. I am thus of the view that the muster rolls are not at all reliable in so far as they come in conflict with the log books entries which indicate positive presence of a pump attendant on a particular date. I, therefore, calculate the period of employment and actual number of the working days on the basis of muster roll attendance supplemented or substituted by the log books entries.

16. As and above muster rolls show that Jagdish Prasad was absent on 1-5-1975 but the log book Ex. M/7 indicates his positive presence on that date on the Railway Gate Well. He operated the pump and recorded the meter reading and the units consumed on the log book and has signed the same. I am, therefore, inclined to believe that he was present on 1-5-1975 and thus it is clear that he was in employment for a full period of 12 months preceding the date of retrenchment. He completed 224 days work in this 12 months period as per muster roll while he worked for 41 days more, out of which on 35 days he recorded meter readings and operated the pumps. He was falsely marked absent for these 41 days. This brings the total attendance to more than 240 days in the said period of 12 months. Thus he came within the protection of Section 25F of the Industrial Disputes Act. Similar is the case of Shri Om Prakash and Shri Ram Kishan. They also completed more than 240 days work in the said period of 12 months preceding the date of retrenchment.

17. Admittedly no notice of retrenchment nor notice pay in lieu thereof, nor any retrenchment compensation was paid to any one of these casual employees who were, according to the nomenclature given to them in the records, working as Pump Attendants on different wells from time to time as part of the process of water supply arrangement by the Cantonment Board made for the inhabitants of the Cantonment area. It has been held in the State of Bombay Vs. Hospital Mazdoor Sabha [4 SCLJ 2469 (2472)] that failure to comply with the provisions of Section 25F renders impugned orders 'invalid and inoperative'. In Western India Match Co. Ltd., Vs. Third Industrial Tribunal, (AIR 1978 SC 311) it was said that if the termination is illegal the ordinary rule is reinstatement. In Workmen of Subhong Tea Estate Vs. Outgoing Management of S.T.E. (6 SCLJ 3634). Supreme Court went to the length of saying at page 3645 that on account of non-payment of retrenchment compensation 'the retrenchment being invalid in law, cannot be said to have terminated the relationship of employer and employee'. Thus the order of termination was illegal, void and inoperative.

18. Before I close it will be pertinent to say that the Board should maintain the seniority list of these casual labourers. The management as and when necessary should make retrenchments having in view 'the last come first go rule' and whenever a question of absorption to the regular post arises preference may be given to these casual labourers in the order of seniority after relaxation to their age etc. because they are the persons who have served the Board at the crucial age when they could have entered in any other service and have gained experience in a particular branch. Shri Ram Raj Verma, who was member of the Board stated that the Board had passed a Resolution to that effect but no such resolution is found in the Resolution Books of 1974 and 1975. The books are shabbily maintained without paging hence the plea of the workmen that the relevant resolution has been taken out of the file cannot be lightly ignored. It is obvious that the Management has not come to this Tribunal with clean hands. That is all the more despicable.

18. Order of retrenchmtnt are held invalid, void and inoperative. The five workmen concerned shall, therefore, be deemed to have continued in service from 30th April, 1976 onwards till they are taken back on duty. They shall, therefore, be entitled to full wages from that date onwards. The Management is directed to take them back on duty and pay full wages for the period as said above. The Management shall further pay Rs. 50 as costs to each of the five workmen. Award is given accordingly.

[No. L-13012(2)/77-D. II(B)]

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1761.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Western Railway and their workmen which was received by the Central Government on the 29th May, 1978.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL RAJASTHAN JAIPUR

Case No. C.I.T.—10 of 1975

REFERENCE :

Government of India, Ministry of Labour Notification No. L-41012(17)/73-LR-III/D. IIB, dated 19-2-1976.

In the mater of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Western Railways Employees Union, Kota

AND

The General Manager, Western Railways, Bombay

APPEARANCE :

For the Union—Shri A. D. Grover, Secretary

For the Employer—Shri Abdul Rehman, Asstt. Personnel Officer.

Date of Award—17-5-1978.

AWARD

By its notification cited supra, the Central Government has remitted the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether Shri Om Pal Chopra, Chief Ticket Inspector Western Railway, Kota, suffered any monetary loss on account of the refusal of the management to grant weightage claimed by the said workman in respect of the period 3-7-1959 to 29-2-1960 during which another workman, Shri Phool Singh was wrongly allowed to officiate as Head Ticket Collector ? If so, to what relief is Shri Om Pal Chopra entitled ?

As the terms of reference reveal, the dispute is between the management of the Western Railway, Kota, and their employee Shri Om Pal Chopra. The workman's cause was espoused by the Pashchimi Railway Parishad, Kota, hereinafter to be referred as the Union. The case set out by the union in its statement of claim is as follows.

The workman Shri Om Pal Chopra was an Ex-Serviceman. He served the Indian Air Force from September, 1940 to October, 1946. When he was released from the Air Force, he was appointed in the then B.B. & C.I. Railway, (now name as Western Railways) as a Ticket Collector-cum-Goods Guard on 11-9-1947, against a vacancy reserved for Ex-Serviceman. According to the prevailing rules, he was entitled for the weightage of service rendered by him in the Air Force for the purpose of fixation of his seniority and pay etc. In pursuance to this policy he was put to work as a goods guard in 1949 and was fixed in the pay scale of Rs. 80—170. In 1953, he was declared unfit for the post of goods guard due to defective eye sight. The management then offered him the alternative job of Travelling Assistant Luggage Clerk in the grade of Rs. 60—150. Though he could be easily absorbed as Senior or Head Ticket Collector, it was not done so. Perforce he had to accept the lower pay scale of Rs. 60—150. He worked as Travelling Assistant Luggage Clerk from March 1953 to 1956. This post of Travelling Assistant Luggage Clerk (T.A.L.C) was abolished. Shri Chopra was then made to work as Senior Ticket Collector in the pay scale of Rs. 100—185 on ad hoc basis. His seniority was not fixed this time also. In the seniority list published on 6-6-58 six persons including one Shri Phul Singh, were made senior to him.

The fact was that they were all juniors to him, and they were wrongly made senior to him. He raised protests against this seniority list, but no heed was paid to his representations. One Shri Ramesh Chandra Gupta, who was much junior to him was fixed in the selection grade of Rs. 200—300. He again raised protests against this wrong action of the management but again nothing fruitful could come out. Like wise in June, 1959, Shri Phul Singh who was junior to him was put to officiate as Head Ticket Collector. The workman was thus put to great loss. He made representations after representations against the injustice done to him. But the management refused to redress his grievances. The matter was then taken to the Conciliation Officer (Central) Kota. But there also no concillation could take place due to the non-cooperative attitude of the management. The reliefs claimed are (1) the

seniority list be corrected and (2) the Western Railways be directed to make the payment to Shri Om Prakash as per proforma fixation from the date Shri Phul Singh officiated as Head Ticket Collector i.e. 3-7-1959.

The union's claim was resisted by the management of the Western Railways. It was admitted that Shri Om Pal Chopra was an Ex-Serviceman, but it was denied that he was taken in Railway Service, on account of it or that he was entitled to any weightage due to his service in the Air Force. When he was declared unfit to work as Goods Guard due to defective eye sight, the workman himself applied on 7-4-1953, to seek an alterantive appointment of T.A.L.C. He repeated his request for this alternative job. Accordingly, he was made T.A.L.C. in the grade of Rs. 60—150. The grade of T.A.L.C. was higher than that of the Ticket Collector. It was denied that Shri Phul Singh was junior to him. It was stated that no indiscrimination was shown to Shri Chopra. It was denied that Shri Chopra was entitled to any proforma fixation as prayed for by him. When the matter reached the Government of India, the Government first declined to make any reference because there was no substance in Shri Chopra's contention. In the end, it was submitted that the workman was not entitled to any relief.

The main grievance of the workman Shri Om Pal Chopra rests on the contention that he was wrongly made Travelling Assistant Luggage Clerk (T.A.L.C.), after when he was found medically unfit for the post of Goods Guard. It was contended that he should have been absorbed as a Ticket Collector, as soon as he was found medically unfit in March, 1953, to act as Goods Guard. I find no substance in this contention.

Shri Om Pal Chopra himself submitted applications requesting the Railway Administration therein that he may be given alternative appointment of T.A.L.C. These two applications are dated 7-4-1953 and 15-4-1953. In these applications he has clearly requested the Railway Administration that since he has been found unfit in eye vision test to work as good guard, he may be absorbed in one of the existing vacancies of T.A.L.Cs. The Railway Administration was kind enough to allow his request and he was consequently absorbed as T.A.L.C.

There is yet another aspect of the matter. The workman contends that when he was found medically unfit to work as goods guard in March, 1953, he should have been absorbed as Ticket Collector. Now the pay scale of T.A.L.C. being Rs. 60—150 was certainly higher than that of the Ticket Collector, which was only Rs. 55—130, at the relevant times. The workman was thus given a benefit. He, therefore, cannot be allowed to turn round and say that he should have been absorbed as Ticket Collector instead of T.A.L.C.

One of the contentions raised by the workman is that he was wrongly made junior to six employees including one Shri Phul Singh in the seniority list published in June, 1958. He has not assigned any reasons nor has led any evidence to show as to why the seniority list of June, 1958 should be taken to be wrong and incorrect. The workman should have adduced sufficient material to show that the seniority list of June, 1958 was prepared on wrong basis or wrong grounds. Nothing so was done by the workman. It is, therefore, difficult to accept the workman's contention about the seniority list of June, 58. The Railway Administration has submitted an order dated 30-8-60. It shows that his seniority was finally fixed below Shri Manohar Singh. It was only in 1975 that the workman raised the industrial dispute over a seniority list of more than 15 years old. The seniority fixed in 1960 cannot be distributed in 1978.

The workman's conduct precludes him from raising the dispute about fixation and seniority at this delayed stage. More than 15 years have elapsed before which the seniority list was prepared. It was more than 25 years ago that Shri Om Pal Chopra was absorbed as T.A.L.C. The delay on his part estoppes him from challenging his absorption and the seniority list.

For reasons discussed above, I record my findings as under :—

(1) The workman Shri Phul Singh was not wrongly allowed to officiate as Head Ticket Collector from July, 1959 to February, 1960.

(2) The Railway Administration did not act wrongly in refusing weightage claimed by the workman Shri Om Pal Chopra.

(3) The workman Shri Om Pal Chopra was not put to any pecuniary loss due to the refusal of the Railway Administration in giving the weightage to the service of Shri Om Pal Chopra as claimed by him.

(4) The workman Shri Om Pal Chopra, is therefore, not entitled to any relief.

I make my award accordingly.

The award be submitted to the Central Government for publication as required by law.

S. S. BYAS, Judge,

Central Industrial, Rajasthan, Jaipur.

[No. L-41011/17/73-LR. III D. II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का०आ० 1762—कर्मचारी भविष्य निधि तथा प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार संयुक्त सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), को केन्द्रीय न्यासी बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3(ii) तारीख 10 जनवरी, 1976 में प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 236, तारीख 16 दिसम्बर, 1975 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 5 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"5. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (व्यय विभाग) नई दिल्ली।"

[सं०बी-20012(1)/75-पी०एफ० 2]

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1762.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints, the Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure), as a member of the Central Board of Trustees and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 236, dated the 16th December, 1975 published in Part II, Section 3(ii) of the Gazette of India, dated the 10th January, 1976, namely :—

In the said notification for the entry against Serial No. 5, the following entry shall be substituted, namely :—

"5. The Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure) New Delhi."

[No. V. 20012/1/75-PF. II]

नई दिल्ली, 6 जून, 1978

का०आ० 1763—मैसर्स कैम्फर एण्ड एलाईड प्रोडक्ट्स लिमिटेड, 133 एम०जी० रोड, बम्बई-400023, (जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम उन नियमों से कम अनुकूल नहीं है जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट है, और कर्मचारी, अन्य भविष्य निधि प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं है, जो, उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के अधीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबंधित है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार का प्रत्येक मास के अन्त के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

2. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक —

(i) उक्त स्थापन के भविष्य निधि (जिसे इसमें इसके पश्चात् भविष्य निधि कहा गया है) अभिदायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा ;

(ii) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक् सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड भविष्य निधि अभिदायों का विनिधान समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार करता है और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिदायों के ऐसे विनिधान के लिए उत्तरदायी होगा।

3. नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा, जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पास बुक भेजेगा।

5. भविष्य निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं को बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियों का भेजा जाना, संचयों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों आदि का संदाय सम्मिलित है, में होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर पर जो न्यासी बोर्ड अवधारित करे ब्याज जमा कर देगा और ऐसी दर उस दर से कम नहीं होगी जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित की जाय।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित भविष्य निधि के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा उसकी एक प्रति उसकी मुख्य बातों का अनुवाद सहित कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संचयों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिनमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अभिदायों की दर कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन बढ़ायी जाए तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन है।

10. स्थापन भविष्य निधि का संपरीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को वर्षान्त के तीन मास के भीतर भेजेगा।

11. भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र अनुमोदन करने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

[सं० 35014/19/78-पी०एफ० II]

एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

New Delhi, the 6th June, 1978

S.O. 1763.—Whereas Messrs. Camphor & Allied Products Limited, 133, M. G. Road, Bombay-400023 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in Section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer, in relation to the said establishment, shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment,—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of

sub-section (3) of Section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (hereinafter referred to as provident fund);

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended, the amendments thereto, alongwith a translation of the salient points thereof, in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, within three months of the close of the year.

11. No amendment of the rules of the provident fund shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra, and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra shall, before giving his approval, give a reasonable oppurtunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014/19/78-PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का०आ० 1764.—केन्द्रीय सरकार न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पत्तन आयुक्तो (जिसे इसमें आगे पत्तन आयुक्त कहा गया है) के अधीन जलयानों तट केन्द्रों और सर्वेक्षण पार्टियों में काम करने वाले कर्मचारियो की सेवा की शर्तों को बाबत बनाए गए विशेष विनियमों को ध्यान में रखते हुए, यह निदेश देती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 13 और धारा 14 के उपबन्ध उक्त कर्मचारियों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए लागू नही होंगे, अर्थात् :—

(1) पत्तन आयुक्त उक्त विनियमो को अंग्रेजी भाषा में और उस भाषा या भाषाओ में जिसे बहुसंख्या के कर्मचारी समझते हो एक पुस्तिका के रूप मे प्रकाशित करेगा ;

(2) पूर्वोक्त विनियमो मे कोई संशोधन करने से पूर्व, पत्तन आयुक्त प्रस्तावित संशोधनों की जानकारी सम्बद्ध कर्मचारियों को सूचना द्वारा देगा, जो पत्तन आयुक्त के कार्यालय के सूचना-पट पर लगाई जाएगी, और ऐसी सूचना के बीस दिन के भीतर उसके संबंध मे ऐसे व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है प्राप्त सुझावों पर विचार करेगा ;

(3) उपयुक्त शर्त (1) मे निर्दिष्ट पुस्तिका की एक प्रति और उसके प्रत्येक संशोधन की एक प्रति प्रत्येक सम्बद्ध कर्मचारी को दी जाएगी।

[सं० एस०-32014(7)/77-डब्लू सी (एम०डब्लू)]

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1764.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government, having regard to the special regulations that have been framed in respect of the service conditions of employees working in vessels, shore stations and survey parties under the Calcutta Port Commissioner (hereinafter referred to as the Port Commissioner), hereby directs that, the provisions of Sections 13 and 14 of the said Act shall not apply to the said employees for a period of two years with effect from the date of publications of this notification in the Official Gazette, subject to the following conditions namely :—

(i) The Port Commissioner shall publish the said regulations in a pamphlet form in the English language and in the language or the languages understood by the majority of the employees;

(ii) before making any amendments to the aforesaid regulations, the Port Commissioners shall inform the employees concerned by notice to be put up on the notice board in the office of the Port Commissioner of the proposed amendment and shall consider any suggestions that may be made in respect thereof by persons likely to be affected thereby within twenty days of such notice; and

(iii) a copy of the pamphlet referred to in condition (i) above and a copy of every amendment thereto shall be supplied to each employee concerned.

[No. S-32014(7)/77-WC(MW)]

नई दिल्ली, 2 जून, 1978

का०आ० 1765.—केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पाँच वर्ष की अवधि के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 12,13,14 और 18 के उपबन्ध उन रेल सेवकों को, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित काम वेतनमान पर है और भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) के अध्याय 6क तथा भारतीय रेल स्थापना सहिता के उपबन्धों द्वारा शासित होते है और जो रेलों में किसी अनुसूचित नियोजन मे नियोजित है, लागू नही होंगे।

[सं० एस० 32014(4)/77-डब्ल्यू सी (एम डब्ल्यू)]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1978

S.O. 1765.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby directs that for a period of five years from the date of publication of this notification, in the Official Gazette, the provisions of Sections 12, 13, 14 and 18 of the said Act shall not apply to railway servants who are on time scales of pay approved by the Central Government and governed by the provisions of Chapter VI A of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890) and the Indian Railways Establishment Code and who are employed in any scheduled employment in Railways.

[No. S-32014(4)/77-WC(MW)]

HANS RAJ CHHABRA, Dy, Secy.

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1766.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited Ramagundam Div. II and their workman which was received by the Central Government on 31st May, 1978.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)

AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 24 of 1977

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division (Sri Saini Narsaiah Watchman).

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division II.

APPEARANCES :

Sri A. Lakshmana Rao, Advocate—for the Workman.

Sri D. Gopala Rao, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India Ministry of Labour through its Order No. L-21012(2)/76-D-III(B)/D-IV(B) dated 19-11-1977 referred under sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 the following dispute existing between the Employers in relation to the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam and their workmen to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II in terminating the services of Shri Saini Narasaiah, Watchman with effect from 20-1-1976 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 24 of 1977 and notices were ordered to be issued to both the parties.

3. On behalf of the Workman a claim statement was filed contending as follows:—The Workman concerned in this dispute was a permanent employee in the Singareni Collieries Company Limited, having entered service in the year 1962. Throughout his service he discharged his duties to the best of his ability and satisfaction of his superiors. On 1-10-1975 he was posted as Watchman of No. 3 Railway siding post in the second shift. On the same day and in the same shift one Pittala Rajaiah was working as Watchman at No. 2 Railway siding post. Both these posts are adjacent to each other. Pittala Rajaiah requested the present workman to look after his post also as he was going to answer calls of nature. During that short period this workman covered both the posts. The area to be covered under No. 3 post is about three furlongs. No. 2 post is a check post. It is the usual practice followed in the Company that whenever one Watchman of a post leaves his post for a short while to answer calls of nature, the Watchman of the adjacent post should look after that post also. This does not amount to leaving the work without permission and it is in accordance with the instructions issued by the Inspector. During the short interval when this workman was looking after No. 2 post theft of a brass propeller fan was committed from an open Railway wagon. Immediately on detecting the theft this workman reported the matter to the Junior Inspector. Two persons by name S. Ramulu and M. Rajaiah were taken into custody and on interrogation they admitted that they had committed theft of the said brass propeller fan with the connivance of Pittala Rajaiah. They were handed over to the Police and a criminal case was filed against them. The Management has not taken any disciplinary action against Pittala Rajaiah. But disciplinary action was instituted against the present workman for alleged misconducts under Standing Orders 16(1)(2)(6) and (18). The Enquiry Officer held that the charges against this workman were proved. The workman was ultimately dismissed from service with effect from 30-1-1976. The date of termination of his service is mentioned in the reference wrongly as 20-1-1976 instead of as 30-1-1976. The domestic enquiry is violative of the principles of natural justice and the findings recorded at the enquiry are contrary to the material on record and are perverse. This workman is not guilty of misconduct under any of the Company's Standing Orders. The previous record of this workman was not taken into account. In any event the punishment of dismissal is grossly disproportionate to the alleged misconduct. Ever since his dismissal this workman has remained un-employed though he got his name registered in the Employment Exchange. Hence the workman prays that an award might be passed setting aside the order of dismissal from service and directing reinstatement with full back wages and continuity of service and other attendant benefits.

4. The Management filed a counter contending as follows:- The charges under Company's Standing Orders 16(2), 16 (6) and 16(18) were proved and the workman's services were rightly terminated. The workman himself admitted before the Enquiry Officer that he had left No. 3 Railway siding during the second shift without the permission of the superiors and that due to his negligence theft of brass propeller fan had taken place, that he did not check up after returning from No. 2 post at 9-30 p.m. and that he was negligent in his duties. In view of these admissions the findings of the Enquiry Officer that the workman was guilty are correct. The workman participated in the domestic enquiry and the witnesses for the Management were examined in his presence and were cross examined by him. Hence the enquiry is fair and proper. The punishment of dismissal was the proper punishment as the workman was in the habit of committing misconducts in the past also. The Management had also looked into his previous record and his past record was bad. The claim is therefore liable to be rejected.

5. On 8-3-1978 I passed orders holding that the domestic enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice and that there was no prima facie perversity in the findings recorded by the Enquiry Officer.

6. Opportunity was given to the workman concerned to let in evidence if he chose to do so. He examined himself as W.W.1. No witness was examined for the Management. But the file relating to the domestic enquiry was marked as Ex. M1 by consent.

7. W.W.1 who is the workman concerned in this dispute entered service under the Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam as a Watchman on 25-5-1962. On 1-10-1975 he was working as Watchman in No. 3 post of the Railway siding in the second shift. (from 5.00 p.m. to 11.00 p.m.) One Pittala Rajaiah happened to be the watchman attached to No. 2 post of the Railway siding at the same time and in the same shift. These two posts are eight or nine yards apart. The area covered by No. 3 post is

about three furlongs lengthwise. The Watchman at No. 3 post is expected to traverse that distance for checking the heaps of coal and fuel and also the wagons in the Railway siding. No. 2 is only a check post through which lorries are allowed to pass after being checked. At 9.00 p.m. on 1-10-1975 Pittala Rajaiah requested W.W. 1 to look after his post also as he had to go out for answering calls of nature. There were oral instructions that Watchman of adjacent posts should help each other whenever necessity arose. W.W. 1 went to post No. 2 to oblige Pittala Rajaiah and remained there for about half an hour. Pittala Rajaiah returned to his post at about 9.30 p.m. During the interval W.W.1 checked four or five lorries at No. 2 post. W.W.1 handed over charge of his No. 3 post to his reliever T. Venkatiah shortly after 10.30 p.m. It was then detected that a brass propeller fan was missing from one of the wagons in the siding. W.W.1 reported this fact to the Junior Inspector at about 11.00 a.m. As they were proceeding towards No. 2 post they found two Coal Fillers attached to Incline No. 1 by name M. Rajaiah and S. Ramulu going ahead of them. On suspicion these two Coal Fillers were detained and taken to Post No. 3 where they were interrogated by the Senior Inspector. Those two Coal Fillers confessed before the Senior Inspector that with the assistance of Pittala Rajaiah they had committed theft of the brass propeller fan and they also took the Senior Inspector and the others to a Power House which is about four furlongs away and picked up the brass propeller fan which they had concealed in a nearby pit after covering it with an umbrella cloth. Their statements were recorded and they were handed over to the Police along with the stolen articles. A case was filed against them. But these two Coal Fillers as well as Rajaiah are still in the Company's service. A domestic enquiry however was conducted against W.W.1 and as most of the charges were held to have been proved, W.W.1 was dismissed from service with effect from 30-1-1976. Thereafter this dispute was referred for adjudication.

8. It is clear that the theft occurred when W.W.1 had left his own post and was at No. 2 post on the request of Pittala Rajaiah. Though W.W.1 states that there are oral instructions to the effect that Watchman of adjacent posts should assist each other whenever an occasion arose, there is no evidence worth the name to show that such instructions had been issued. Ex. M1 shows that W.W.1 had admitted in the course of he domesic enquiry that he had left his own workspot namely No. 3 post on his own responsibility when Pittala Rajaiah called him and that he was not supposed to leave the post under his charge without the permission of his superiors. He also accepted the suggestion that he had not properly checked up the material after returning from No. 2 post and that he had neglected his duties. He also expressed regret for the same.

9. The charges held to have been proved against W.W.1 relate to misconducts covered by Standing Orders 16(2), 16(6) and 16(18). Standing Order 16(2) relates to theft, fraud or dis-honesty in connection with the Company's business or property. It is not the case of the Management that W.W.1 had committed theft of the brass propeller fan or that he was guilty of fraud and dis-honesty in that connection or that he was a party to the theft. Hence by no stretch of imagination can it be said that the charge under Standing Order 16(2) is proved. The charge under Standing Order 16(6) relates to habitual negligence or neglect of work. It has been held in M|s. P. ORR. & SONS (P) LTD. v. PRESIDING OFFICER (1974 (I) LLJ, page 517) that the word "habitual" governs not only negligence but also neglect of work. There is no evidence whatsoever that on some prior occasions W.W.1 had been negligent in the discharge of his duties or that he had neglected his work. Hence the single instance of his leaving his workspot for half-an-hour on the night of 1-10-1975 with the bonafide intention of obliging the Watchman incharge of the adjacent post cannot be characterised as habitual negligence or habitual neglect of work. Hence even the charge under Standing Order 16(6) cannot be said to have been proved. The charge under 16(18) relates to leaving the work without permission and there is no doubt that this charge has been proved against W.W.1 since he had left his No. 3 post and had gone over to No. 2 post and remained their for about half-an-hour.

10. The question is as to whether W.W.1 is guilty of such a grave and gross misconduct as would justify the order of his dismissal from service.

11. In the first place W.W.1 left No. 3 post and went over to No. 2 post only to oblige his co-watchman Pittala Rajaiah. Secondly the distance between the two posts is only about eight or nine yards and W.W. 1 might have sincerely felt that he would be able to keep an eye on No. 3 post even from No. 2 post. Thirdly when W.W.1 agreed to look after No. 2 post in the absence of Pittala Rajaiah he least suspected that Pittala Rajaiah would assist the two Coal Fillers in committing theft of the brass propeller fan from one of the open wagons stationed in the railway siding pertaining to No. 3 post. Far from being a party to the theft W.W.1 was himself a victim of fraud preparated by his own colleagues. Fourthly as soon as the theft was detected W.W.1 lost no time in bringing the fact to the notice of his immediate superiors. This shows that he never neglected his duties. Fifthly the two culprits implicated only Pittala Rajaiah in the theft and never even remotely suggested that W.W.1 had a hand in the theft. Lastly the two Coal Fillers and Pittala Rajaiah who were directly concerned in the theft are allowed to remain in service while W.W. 1 who is totally innocent and who is a victim of the conspiracy between Pittala Rajaiah and the two Coal Fillers is dismissed from service. In view of all the circumstances I am of the opinion that the punishment of dismissal is grossly disproportionate to the misconduct proved against W.W.1.

12. W.W.1 could not secure alternative employment after his dismissal from service. But that does not automatically entitle him to back wages even on his reinstatement since he was guilty of misconduct covered by Standing Order 16(18). I think that in the circumstances of the case ends of justice would be met if 1/3rd of the back wages are ordered to be paid to W.W.1 for the period that he was out of employment.

13 An award is hereby passed setting aside the order of dismissal passed against Workman Sri Saini Narasaiah, and directing that he be reinstated as Watchman with continuity of service but subject to the condition that he shall be entitled to receive from the Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam only 1/3rd of the back wages due for the period that he has been out of employment.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 9th day of May, 1978.

K. P. NARAYANA RAO, Tribunal

APPENDIX OF EVIDENCE

Witness Examined for Workmen:	For Management:
W.W.1 Sri Saini Narasaiah.	—Nil—

Documents marked for management:

Ex. M1 Domestic Enquiry file of Sri Saini Narasaiah.

INDUSTRIAL TRIBUNAL.

[No. L-21012(2)/76-D.III(B)/D IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1767.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin-682001 and their workmen which was received by the Central Government on the 30th May, 1978.

BEFORE THIRO K. SELVARATNAM, B.A., B.L.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Friday, the 19th day of May, 1978

Industrial Dispute No. 2 of 1977

(In the mattter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of M/s. Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin-1).

BETWEEN

The workmen represented by:

The President, Cochin Port Shipping Clearing Staff Association, 1st Main Road, Wellingdon Island, Cochin-682003.

AND

The Managing Partner,

M/s. Vijaya Shipping and Clearing House,

Post Box No. 79, VI/29, Calvethy, Cochin-682001.

REFERENCE:

Order No. L-35012(2)/76-D.IV(A), dated 24-12-1976 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 12th day of May, 1978 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material paper on record and upon hearing the arguments of Thiru J. S. Macedo, President ofthe Union and of Thiruvalargal V. N. Kurien and C. Jose Ukkur, Advocates for the Management and the parties having filed a joint memorandum settling the dispute and recording the same, and having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is a reference by the Government of India under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication ofthe industrial dispute between the Management of Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin and their employee Thiru R. Krishna Pai in the matter of dismissal.

2. The reference is as follows:

"Whether the action of the management of Messrs Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin in dismissing Shri R. Krishna Pai, their Assistant from the 24th February, 1976 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

3. A claim Statement was filed by the workman Thiru R. Krishna Pai who was assisted by Thiru J. S. Macedo. The averments in the claim statement are briefly as follows: Thiru Krishna Pai was appointed in the Company in March, 1953 as a clerk on a salary of Rs. 60 per mensem. In 1968, the Managing Partner had given him a Power of Attorney to sign all shipping and clearance documents at the Customs House and Port Offices. He was diligently performing his duties by preparing Shipping Bills, Bills of Entry, entering the relevant documents in the Import and Export Registers, etc. The relation between the Managing Partner Thiru P. K. Vijayaraman and Thiru R. Krishna Pai became strained. A demand by the Cochin Port Shipping and Clearing Staff Association, was submitted to the Management in connection with the revision of salary and allowances. At the intervention of the Assistant Labour Commissioner, an agreement was entered into. The Respondent Krishna Pai was accused of doing independent business in partnership in Prakanth Enterprises. There was no basis for such an accusation, for, he was associated with it only on the accounting side as he was fully conversant with accounts. He was charge-sheeted by the Management on frivolus grounds that he falsely prepared claim for overtime work on 26th August, 1975 and for insubordination in not having delivered local letters and for several other flimsy acts. He was also charged for being a partner unauthorisedly in Prakanth Enterprises, a Company alleged to be doing identical business. The charges framed against him were mala fide and their aim was to victimise him. In the domestic enquiry ordered by the Management the Enquiry Officer found him guilty of the charges and it was accepted by the Management and he was dismissed from service. In these circumstances, he had moved the Government for a reference for adjudication of the dispute by this Tribunal praying for setting aside the order of dismissal and reinstatement with back wages, bonus for the year 1975 and increments and also for costs.

4. A counter statement was filed by the Management stating that the allegations in the claim statement are tno true. The charges were true and the Respondent worked against the interest of the Management by forming a partnership and doing the same type of work as the Management. A domestic enquiry was held and the workman was assisted by Thiru J. S. Macedo, the President of Cochin Port Shipping Clearing Staff Association. The enquiry was properly conducted and the workman was offered all the facilities to defend his case. The Enquiry Officer found the workman guilty of all the charges. On the basis of the enquiry report he was dismissed from service by the order dated 18-3-1976.

5. A reply statement was filed by the Respondent-worker.

6. When the matter came up for final hearing on 12-5-1978 at Ernakulam Camp, a joint memo was filed by both the parties stating that they had settled the matter and the settlement was recorded. The only point of difference was the question of costs. The representative of the Respondent-worker insisted upon the costs. On carefully considering the matter I feel it is a fit case to order each party to bear their own costs.

7. In the results, an Award is passed in terms of the Settlement without costs and the settlement will form part of the Award.

Dated, this 19th day of May, 1978.

K. SELVARATNAM, Industrial Tribunal

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

I.D. No. 2 of 1977

R. Krishna Pai—Workman-Petitioner.

Versus

P. K. Vijayaraman—Management-Respondent.

Joint Memo filed by the parties to the dispute

The parties to the above dispute have compromised the dispute on the following terms.

1. The workman gives up his claim for re-instatement.

2. The management agrees to pay him one month's wages for 23 years of service calculated on the basic of wages paid to him for the month of February, 1976.

3. The management further agrees to pay him bonus for 3 months for the year 1975 calculated on the basis of the wages for the month of December, 1975.

4. The question of costs will be decided by the Tribunal.

5. The workman gives up all other claim.

Dated this the 12th day of May, 1978.

Sd/-

Advocate.

Sd/-

President of the Union.

Sd/-
Management.
Sd/-
Workman.

[No. L-35012(2)/76-D.IV(A)]

K. SELVARATNAM, Industrial Tribunal

S.O 1768.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs M. M. Karachiwala, Clearing & Forwarding Agents, Bombay-4000038 and their workmen which was received by the Central Government on the 30th May, 1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Reference No. CGIT-5 of 1977

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Messrs M. M. Karachiwala, Clearing & Forwarding Agents, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the employers—Shri Parikh, Representative of M/s. M. M. Karachiwala.

For the workmen (1) Shri S. R. Wagh, Advocate. (2) Shri Ashok M. Patdar, Workman. (3) Shri Pandurang Bandhu Achare, Workman.

INDUSTRY: Dock Clearance Agents.

STATE: Maharashtra

Dated, Bombay, the 20th April, 1978

AWARD

1. The Ministry of Labour, Government of India, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-21012(3)/77-D.IV(A), dated the 4th May, 1977:—

"THE SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs M. M Karachiwala, Bombay 4000038 in stopping Sarvashri Ashok M. Patdar and Pandurang Bandhu Achare, Godown Keepers, from their service is justified? If not, to what relief are these workmen entitled?"

2. After the notice was issued to the parties for filling their respective written statement etc., the Union filed its written statement of claims while the employrs did not file their written statement. The matter was fixed for hearing on various occasions and the hearing was adjourned for one or the other reason. However, at the hearing on 20-4-1978, the parties filed a petition stating that they had arrived at a settlement. A copy of the settlement deed was annexed as Annexure 'A'. I have gone through the terms of settlement and find them fair and reasonable and make my Award in terms of the settlement. No order as to costs.

[No. L-31012(3)/77-D.IV.(A)]

J. NARAIN, Presiding Officer

New Delhi, the 2nd June, 1978

S.O. 1769.—*In pursuance of Section 17 of the Industrial* Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri D. B. Naik, Owner of the Launch "Sagar", Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen which was received by the Central Government on the 1st June, 1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY, CAMP: PANAJI

Reference No CGIT-2/6 of 1974

PARTIES:

Employers in Relation to the Management of

Shri D. B. Naik,

Owner of launch "Sagar",

Vasco-da-Gama, Goa.

AND

Their workman.

Shri A. M. Paradkar, Launch Khalasi.

APPEARANCES:

For the Employers—Shri S. N. N. Karmali, Advocate.

For the Workman—Shri Mohan Nair, General Secretary, Goa Dock Labour Union, Vasco-da-Gama.

INDUSTRY: Ports and Docks

STATE: Goa, Daman and Diu

Panaji, dated the 17th May, 1978

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in eercise of the powers conferred upon them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication by order No. L-36012/8/73-P&D dated 21-2-1974.

"Whether Shri D. B. Naik, Owner of the Launch 'Sagar' was justified in terminating the services of Shri A. M. Paradkar, Launch Khalasi? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?"

The Goa Dock Labour Union has filed written statement on behalf of the workman stating that the workman herein was employed on a permanent basis as a Khalasi from 1-5-1973 on the Launch "Sagar" belonging to Shri D. B. Naik. His services were terminated on 1-8-1973 even though he was discharging his functions efficiently. The Union denies the plea of the owner that the workman was employed as a substitute in a leave vacancy and that he was removed to make way for the permanent incumbent. The Union further submits that the termination of services of the workman without assigning any reason is illegal. It is said that the workman herein has been victimised for his trade union activities. The dispute was referred to the Assistant Labour Commissioner(C)

Vasco-da-Gama for conciliation. The Owner pleaded before the Assistant Labour Commissioner(C) that the workman herein was engaged as a substitute in a leave vacancy. When the Assistant Labour Commissioner (C) called upon the owner to produce the relevant documents in support of this plea the Owner failed to do so. The Assistant Labour Commissioner (C) submitted his failure of conciliation report on 10-11-1973. On receipt of which the present referenc is mad to this Tribunal.

The owner in his written statement pleaded that when the permanent Khalasi reported sick, he engaged the workman herein with effect from 1-5-1973 on a temporary basis in that leave vacancy. On the permanent incumbent resuming duty he terminated the services of the workman herein with effect from 6-7-1973. He denies the averment that this workman was engaged on probation.

After the case underwent several adjournments both the parties filed a joint Memo on 17-5-1978 stating that the dispute has been amicably settled between the partles out of Court and the same may be treated as closed. Shri Mohan Nair. General Secretary of the Union certified that the settlement is in the interest of the workman.

This reference is accordingly closed as not pressed in view of the amicable settlement arrived at between the parties out of Court

A copy of the joint Memo filed by the parties which is appended hereto may be read as part of the Award.

P RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-36012/8/73-P&D/D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का॰आ॰ 1770.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कृष्णा माइन्स के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के॰ सेलवारत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या प्रबन्धतन्त्र कृष्णा माइन्स, रामियनपत्ती, पो॰आ॰ तिरुनलवेली, जि॰ तमिलनाडु द्वारा श्री जी॰ वीरपनाडी, उनके लाइमस्टोन क्वारी में क्वारी मजदूर के रूप में सेवारत को 15-7-77 से नौकरी से निकाल जाने की कार्यवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का अधिकारी है?

[सं॰ एल॰ 29012/5/78-डी॰III॰बी॰]

ORDER

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1770.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Krishna Mines and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K. Selvaratnam as Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Krishna Mines, Ramianpatti, P.O. Tirunelveli. Dist. Tamil Nadu in dismissing Shri G. Veerapnadi, Quarry Mazdoor employed in their Limestone Quarry with effect from 15-7-77 is justified? If not, to what relief the said workman is entitled?".

[No. L-29012/5/78-D.III(B)]

आदेश

का॰आ॰ 1771—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में विश्वेश्वरया आयरन और स्टील लि॰ भद्रावती के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस॰एल॰ एफ॰ एलवास होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री के॰ अज्जापा, फोरमैन केम्मानगुडी माइन्स और खजांची एम आई एस एल माइन्स एम्पलायज एसोसियेशन का भाडीगुन्ड माइन्स से केम्मानगुडी माइन्स को स्थानान्तरण उत्पीड़न है? यदि हां, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का अधिकारी है?

[सं॰ एल-26012/4/77-डी॰III॰बी॰]

ORDER

S.O. 1771.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of Visvesvaraya Iron & Steel Ltd., Bhadravati and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. L. F. Alveres shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether the transfer of Shri K. Ajjappa, Foreman, Kemmangudi Mines and Treasurer of MISL Mines Employees' Association, from Bhadigund Mines to Kemmangudi Mines amounts to victimisation? If so, to what relief is the said workman entitled?"

[No. L-26012/4/77-DIIIB

आदेश

का०आ० 1772.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री कल्याणरामा कम्पनी व फैक्टरी, कालीचेड के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के०पी० नारायणाराव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या प्रबंधतंत्र कल्याणारामा माईका माइन्स कालीचेड, नैलोर जि० (आ०प्र०) की निम्नांकित 29 कर्मकारों को 6-10-1976 से छंटनी किये जाने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष के अधिकारी है ?

1.	येलीबोयना सुब्रामणयम	मयूकर
2.	डोरागालू रागहि	,,
3	गुन्गी वेनकाइट	,,
4.	दरसी रगीह	,,
5.	कुनी मसथानाइट	,,
6.	वकरी पेड्डा बुज्जीह	,,
7.	वकटी चीनाबुज्जीह	,,
8.	अदूसलापाली पेडा अनामही	ड्रिलर
9.	कुन्याम आदाही	,,
10.	मान्डा तेलाहि	,,
11.	सैयद खासिम	,,
12.	देसीरेड्डी मस्तान रेड्डी	,,
13.	अच्ची थीरपालु	,,
14.	बोद्दू राथानीह	,,
15.	बालीपालेम वेंकटास्वामी	
16.	सहायक मस्थान	अन्डर ग्राऊन्ड मजदूर
17.	चोउडुबोइना सूबाहि	,,
18.	एरिबोइना पंछालाइह	,,
19.	नुकलापति वेन्कइह	,,
20.	मन्दा नागाइह	,,
21.	मन्दा पेडा रागीह	,,
22.	थादी नरसाइह	,,
23.	कुन्याम वेमाइह	,,
24.	दरसी रागीह	,,
25.	पाडी किरसनाइह	,,
26.	पोलूर सुब्बाइह	,,
27.	पचेती रमानाइह	,,
28.	गनधाम मोहन राव	,,
29	मौहम्मद जलील	,,

[सं० एल-28011/1/76-डी-4बी०]

ORDER

S.O. 1772.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Sree Kalyanarama Company and Factory, Kalichedu and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K. P. Narayana Rao as Presiding Officer with Head-quarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Kalyanarama Mica Mine, Kalichedu, Nellore District, (A.P.) in retrenching the following 29 (Twenty-Nine) workmen with effect from 6th October, 1976 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled.".

1.	Yeliboyena Subramanayam	Mucker
2.	Doragallu Ragaiah	"
3.	Gungi Venkaiah	"
4.	Darsi Ragaiah	"
5.	Kuni Masthanaiah	"
6.	Vakati Pedda Bujjiah	"
7.	Vakati Chinabujjaiah	"
8.	Adusalapalli Peda Ankaiah	Driller
9.	Kuncham Adaiah	"
10.	Manda Tellaiah	"
11.	Syed Khasim	"
12.	Desireddy Mastanreddy	"
13.	Achi Thirpalu	"
14.	Boddu Rathaniah	"
15.	Balipalem Venkataswamy	"
16.	Shaik Masthan	Underground Mazdoor
17.	Chouduboina Subbaiah	"
18.	Eriboina Penchalaiah	"
19.	Nukalapati Venkaiah	"
20.	Manda Nagaiah	"
21.	Manda Peda Ragaiah	"
22.	Thadi Narasaiah	"
23.	Kuncham Vemaiah	"
24.	Darsi Ragaiah	"
25.	Padi Krishnaiah	"
26.	Polur Subbaiah	"
27.	Pancheti Ramanaiah	"
28.	Gandham Mohan Rao	"
29.	Md. Jalleel.	"

[No. L-28011/4/76-DIVB/DIIIB]

आदेश

नई दिल्ली, 1 जून, 1978

का०आ०1773.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे मे श्री पी० लक्ष्मणन, ठेकेदार, श्री पोनूकुमार मैग्नेसाइट माईन, स्लेम के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेलवारत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या श्री पी० लक्ष्मणन, ठेकेदार, श्री पोनूकुमार मैग्नेसाइट माईन, स्लेम द्वारा श्री सुन्दरम सदयन को 8-11-1977 से नौकरी से हटाना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का अधिकारी है ?"

[सं० एल० 29011/51/77-डी० थ्री बी०]

ORDER

New Delhi, the 1st June, 1978

S.O. 1773.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Shri P. Lakshmanan, Contractor, Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri H. Selvaratnam as Presiding Officer with Headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether Shri P. Lakshmanan, Contractor of Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem is justified in dismissing Shri Sundaram-Sadayan from service from 8-11-1977". If not, to what relief is the workman entitled ?".

[No. L-29011/51/77-D.III.B]

आदेश

का० आ० 1774.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची मे विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में अगनीगुण्डाला कापर लिड प्रोजेक्ट, बन्डालामोट्टू, जि० गुटूर, आ० प्रदेश के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ।

अत, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० पी० नारायणराव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स अगनीगुन्डाला कापर लिड प्राजेक्ट, बन्डालामोट्टू विन्कोनडा ताल्लुक, जिला गुटूर (अ० प्र०) द्वारा श्री बी० बी० के० नायडू, निम्न श्रेणी लिपिक/रजिस्टर कीपर को उच्च श्रेणी लिपिक-कम-उच्च रजिस्टर कीपर के बारे में पदोन्नति से अलग रखने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का अधिकारी है ?"

[सं० एल० 43012/7/77-डी-थ्री-बी]

ORDER

S.O. 1774.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Agnigundala Copper Lead Project, Bandalamottu, Guntur District, A.P., and their workmen in respect of the matters specified in the Scheduled hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K. P. Narayana Rao as Presiding Officer with Headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether action of the Management of M/s. Agnigundala Copper Lead Project, Bandalamottu, Post, Vinukonda Taluka, Guntur Distt. (A.P.) in superseding Shri B. B. K. Naidu, LDC/Register Keeper in respect of his promotion as U.D.C.-cum-Senior Register Keeper, is justified. If not to what relief he is entitled ?".

[No. L-43012/7/77-D.III.B]

आदेश

नई दिल्ली, 3 जून, 1978

का०आ० 1775.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में अगनीगुन्डाला कापर लिड प्रोजेक्ट, बन्डालामोट्टू, जि० गुंटूर (आ० प्र०) के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ।

अत., अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० पी० नारायण राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या अगनीगुन्डाला कापर लिड प्रोजेक्ट, प्रबंधतंत्र का सर्वश्री (1) एम० कोंडाई (2) एस० रंगा राव (3) एन० भास्कर राव (4) आर० वेन्काई (5) वी० गुरनाई (6) एस० चिना नान्नाई (7) एम० सैम्युल (8) एन० चिना नागेश्वर राव,

भूमिगत अकुशल मजदूरो का जनवरी/फरवरी, 1977 मे भूमिगत कार्य से स्थलीय कार्य हेतु स्थानातरण न्यायोचित है? यदि नहीं, तो बताए गये 8 कर्मकार किस अनुतोष के अधिकारी है ?

[सं० एल०-43011/4/77-डी० थ्री बी०]

ORDER

New Delhi, the 3rd June, 1978

S.O. 1775.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Agnigundala Copper Lead Project, Bandalamottu, Guntur Distt. (A.P.)., and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K. P. Narayana Rao as Presiding Officer with Headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Is the Management of Agnigundala Copper Lead Project justified in transferring S/Shri M. Kotaiah, (2) S. Ranga Rao, (3) M. Bhasker Rao, (4) R. Venkaiah, (5) V. Guravaiah, (6) S. China Talaiah, (7) S. Samuel, (8) N. China Nageswara Rao underground unskilled workers from underground to surface in January/February, 1977 ? If not to what relief the workmen are entitled to ?"

[No. L-43011/4/77-D.III.B]

आदेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1978

का० आ० 1776.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बर्न स्टैन्डर्ड कम्पनी लिमिटेड, स्लेम के प्रबधतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारो के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेल्वारत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या प्रबधतन्त्र मैसर्स बर्न स्टैन्डर्ड कम्पनी लिमिटेड, स्लेम की श्रीमती पावालाकोडी रामास्वामी को 13-12-76 से 23-12-76 तक अनुपस्थित रहने के कारण नौकरी से हटाने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नही, तो कर्मकार किस अनुतोष का अधिकारी है ?"

[सं० एल०-29012/18/77-डी० थ्री० बी०]

ORDER

New Delhi, the 5th June, 1978

S.O. 1776.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of M/s. Burn Standard Company Ltd., Salem, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K. Salvaratnam as Presiding Officer with Headquarters at Madras and referers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of M/s. Burn Standard Co. Ltd., Salem in terminating service of Shrimati Pavalakodi Ramaswamy for absence from 13-12-1976 to 23-12-1976 is justified ? If not, to what relief she is entitled to ?"

[No. L-29012/18/77-D.III.B]

आदेश

का० आ० 1777.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कृष्णा माईन्स, रामाइनपट्टी, पो० आ० तिरुनैलवैली जिला (तामिलनाडू) के प्रबधतन्त्र से सम्बद्ध, नियोजकों और उनके कर्मकारो के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेल्वारत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या प्रबधतन्त्र कृष्णा माईन्स, रामाइनपट्टी, पो० आ० तिरुनैलवैली जिला, तामिलनाडू की सर्वश्री (1) टी० दुराईराज (2) एस० कोइलपिचाई (3) जी० एन्टोनीसामी (4) एस० परमाशिवम (5) वी० पोनुपनडी (6) एम० मुथ्थाई थेवर (7) एम० श्रीधरन (8) के० पेलापकिम (9) सी० पोचीमुथु थेवर और (10) एस० पिचाई, जोकि उसकी लाइमस्टोन क्वारी मे नियुक्त थे, को 21-1-1978 से नौकरी से हटाने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नही, तो कर्मकार किस अनुतोष के अधिकारी है ?"

[सं० एल० 29011/8/78-डी थ्री० बी०]

जगदीश प्रसाद, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1777.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Krishna Mines, Ramalanpatti, P.O. Tirunelveli Distt (Tamil Nadu) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri K Selvaratnam as Presiding Officer with Headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

'Whether the action of the Management of Krishna Mines, Ramaianpatti, P O. Tirunelveli Distt. Tamil Nadu in terminating the services of Sarvashri (1) T. Durairaj, (2) S Koilpitchai, (3) C. Antonyswamy, (4) S. Paramasivam, (5) V. Ponnupandi, (6) S. Subbaiah Thevar, (7) S. Sridharan, (8) K. Chellapackiam, (9) G. Pechimuthu Thevar and (10) S. Pichaiah employed in their Limestone Quarry with effect from 21-1-1978 is justified? If not to what relief the workmen are entitled to?"

[No. L-29011/8/78-D.III.B]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 मई, 1978

का०आ० 1778.—हज समिति नियम, 1963 के नियम 6 (1ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत एतद्द्वारा श्री बशीर अहमद, संसद सदस्य (लोक सभा) का स्थान, जो कि भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एम (हज)/118-1/2/77 दिनांक 17-11-77 के अंतर्गत स्थापित हज समिति, बंबई के सदस्य थे, उनकी मृत्यु के कारण रिक्त घोषित करती है।

2 हज समिति नियम, 1963 के नियम 6(1ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार एतद्द्वारा हज समिति, बंबई में सर्वश्री रिद्वान हैरिस और एस० ई० हसनैन के स्थान, उनके महाराष्ट्र विधान सभा का सदस्य न रहने पर, रिक्त घोषित करती है ।

3 हज समिति अधिनियम 1959 (1959 का 51) की धारा 4 की उपधारा (2) के अनुसार केन्द्र सरकार एतत् द्वारा अधिसूचित करती है कि महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य, श्री अब्दुल अजीम और प्रोफेसर अब्दुल कादर चोरवादवाला हज समिति, बंबई की शेष अवधि के लिए हज समिति अधिनियम, 1959 की धारा 3,405 के अधीन, जो कि अधिसूचना संख्या एम(हज)/118-1/2/77 दिनांक 17-11-77 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी, उक्त समिति के सदस्य होंगे ।

[सं० एम(हज)/118-1/2/77]

एम० शाहाबुद्दीन, संयुक्त सचिव (हज)

MINISTR YOF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 2nd May, 1978

S.O. 1778—In exercise of the powers conferred by Rule 6(1A) of the Haj Committee Rules, 1963, the Government of India hereby declare vacant the seat held by Shri Basheer Ahmed, M P. (Lok Sabha), as a Member of the Haj Committee, Bombay, as established by the Government of India under their Notification No M(HAJ)/118-1/2/77 dated 17-11-77, due to his death

2 In exercise of the powers conferred by Rule 6(1A) of the Haj Committee Rules, 1963, the Government of India declare vacant the seats held by S/Shri Ridwan Harris and S E Husanain, on the Haj Committee, Bombay, consequent upon their ceasing to be Members of the Maharashtra Legislative Assembly

3. In accordance with Sub-section (2) of Section 4 of the Haj Committee Act 1959 (51 of 1959), the Central Government hereby notify that Shri Abdul Azeem and Prof Abdul Kadar Ibrahim Chorwadwala, Members of Maharashtra Legislative Assembly, shall be the members of the Haj Committee, Bombay for the unexpired term of the said Committee as constituted under Sections 3, 4 and 5 of the Haj Committee Act, 1959, published in the Gazette of India under Notification No. M(HAJ)/118-1/2/77, dated 17-11-77.

[No. M(HAJ)/118-1/2/77]

S. SHAHABUDDIN, Jt. Secy. (Haj)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मुम्बई, 26 मई, 1978

का०आ० 1779.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 1410, तारीख 25 फरवरी, 1977 को अधिक्रान्त करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार का राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करता है, और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम के द्वारा या अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा ।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थान
1	2
प्रबन्धक (कार्मिक तथा प्रशासन) यूरेनियम कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, डाकघर जादूगुडा माइंस, जिला सिंहभूम, बिहार	यूरेनियम कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, डाकघर जादूगुडा माइंस, जिला सिंहभूम, बिहार के या उसके लिए पट्टे पर लिए गए परिसर जो उसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन हैं ।

[सं० 13-12/73 (एच)]

एल० एच० मीरचन्दानी, उप सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 26th May, 1978

S.O. 1779.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Atomic Energy No. S.O. 1410 dated the 25th February, 1977, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in Column (1) of the Table below, being a gazetted officer of Government, to be the Estate Officer for the purposes of the said Act, and the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Public Premises
(1)	(2)
Manager [Personnel and Administration Uranium Corporation of India Ltd., Post Office Jaduguda Mines, District Singhbhum, Bihar.	Premises belonging to or taken on lease for the Uranium Corporation of India Ltd, Post Office Jaduguda Mines, District Singhbhum, Bihar and which are under its administrative Control.

[No. 13-2/73 (H)]

L. H. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

अन्तरिक्ष विभाग

बंगलौर, 27 मई, 1978

का०आ० 1780.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) द्वितीय संशोधन नियम, 1978 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 की अनुसूची में इसरो उपग्रह केन्द्र (आई० एस० ए० सी०), से संबंधित प्रविष्टियों के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टियां सन्निविष्ट की जायेंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1—अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय (इन्सैट-1, एस० एस० पी० ओ०)				
समूह-ख				
वैज्ञानिक और तकनीकी पद प्रशासनिक/अन्य पद	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय ।	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय ।	सभी	सचिव, अन्तरिक्ष विभाग
समूह-ग	प्रधान, प्रशासन, लेखा और आन्तरिक वित्त सलाहकार	प्रधान, प्रशासन, लेखा और आन्तरिक वित्त सलाहकार	सभी	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय ।
समूह-घ	प्रधान, प्रशासन, लेखा और आन्तरिक वित्त सलाहकार	प्रधान, प्रशासन, लेखा और आन्तरिक वित्त सलाहकार	सभी	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय ।

[सं० 2/7(5)/77-1)]

पी० ए० मेनन, अवर सचिव

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore, the 27th May, 1978

S.O. 1780.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely :—

(1) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Second Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, after the entries relating to the ISRO Satellite Centre (ISAC), the following entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5
INDIAN NATIONAL SATELLITE- 1—SPACE SEGMENT PROJECT OFFICE (INSAT-1, SSPO)				
GROUP-B				
Scientific and Mechnical posts. Administrative/Other Posts.	Project Director, Indian National Satellite-1, Space Segment Project Office.	Project Director, Indian National Satellite-1, Space Segment Project Office.	All	Secretary, Department of Space.
GROUP-C	Head, Administration, Accounts and Internal Financial Adviser.	Head, Administration, Accounts and Internal Financial Adviser.	All	Project Director, Indian National Satellite-1, Space Segment Project Office.
GROUP-D	Head, Administration, Accounts and Internal Financial Adviser.	Head, Administration, Accounts and Internal Financial Adviser.	All	Project Director, Indian National Satellite-1, Space Segment Project Office.

[No. 2/7(5)/77-I]

P.A. MENON, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

का० आ० 1781.—भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् के साथ परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा निदेश देती है कि "कैंडिडेटस मेडिसिन एट चिरुगई" (यूनिवर्सिटी आफ आरहस, डेनमार्क) की चिकित्सा अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए मान्य चिकित्सा अर्हता होगी ।

[वी० 11016/4/78-एम० ई० (पी०)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 31st May, 1978

S.O. 1781.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 of (102 of 1956), the Central Government after consultation with Medical Council of India hereby directs that the Medical qualification "Candidatus Medicinae at Cirugiae" (University of Aarhus, Denmark) shall be a recognised medical qualification for the purposes of that Act.

[No. V. 11016/4/78-M.E. (Policy)]

आदेश

का० आ० 1782.—यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की 31 मई, 1978 की अधिसूचना संख्या वी० 11016/4/78-एम० ई० (पी०) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए "यूनिवर्सिटी आफ आरहस, डेनमार्क द्वारा प्रदत्त कैन्डीडेटस एट चिरुगई" चिकित्सा अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी ;

और यतः डा० (कु०) आगजर्ग करण, जिनके पास उक्त अर्हता है को फिलहाल लेप्रोसी मिशन अस्पताल, वाडाथोसालुर के साथ सम्बद्ध है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा—

(i) सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से दो वर्ष की, अथवा

(ii) उस अवधि को जब तक डा० (कुमारी) आगजार्ग करण उक्त लेप्रोसी मिशन अस्पताल, वाडाथोसालुर के साथ सम्बद्ध रहती है, जो भी कम हो, वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगी ।

[सं० वी० 11016/4/78-एम० ई० (पी)]

आर वी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

ORDER

S.O. 1782.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. V. 11016/4/78-M.E. (Policy), dated 31st May, 1978, the Central Government has directed that the Medical qualifications, "Candidatus Medicinae at Chrugiae" granted by the University of Aarhus Denmark, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. (Miss) Borbjerg Karen, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Leprosy Mission Hospital, Vadathorasalur;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a further period of two years from the date of publication of this Order in the Official Gazette, or

(ii) the period during which Dr. (Miss) Borbjerg Karen is attached to the said Leprosy Mission Hospital, Vadathorasalur,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/4/78-M.E. (Policy)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1978

244 G of I/78—10